विवेकानन्द महाविद्यालय
VIVEKANANDA COLLEGE
(दिल्ली विश्वविद्यालय) (University of Delhi Grade 'A' Accredited by NAAC

विषय वस्तु पृष्ठ संख्या

1 प्राचार्या का संदेश
2. घोषणा पत्र
3 कॉलेज – एक परिचय
4 **विभाग**
i अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग
ii वाणिज्य विभाग
iii कंप्यूटर विज्ञान विभाग
iv अर्थशास्त्र विभाग
v अंग्रेजी विभाग
vi पर्यावरण विज्ञान विभाग
vii खाद्य प्रौद्योगिकी एवं गृह विज्ञान विभाग
viii फ्रेंच विभाग
ix हिन्दी विभाग
x इतिहास विभाग
xi गणित विभाग
xii संगीत विभाग
xiii राजनीति विज्ञान विभाग
xiv संस्कृत विभाग
5 ऐड–ऑन–प्रोग्राम (कैरियर उन्मुख कार्यक्रम)
6 विद्यार्थी जीवन (सांस्कृतिक समितियों सहित)
7 छात्रवृत्तियाँ और शुल्क रियायत और छात्र सहायता कोष

प्रवेश : 2023-2024 के लिए विशेष
9 प्रवेश के दौरान महत्वपूर्ण समितियाँ
10 विभिन्न कार्यक्रमों में सीटों का आवंटन
11 (जेनेरिक विषयों के साथ) और खेल और ईसीए सीटें
12 प्रवेश की समय–सारणी और शुल्क वापसी दिशानिर्देशों के संबंध में महत्वपूर्ण नोट्स:
13 प्रवेश नियम
14 प्रवेश हेतु पात्रता एवं बेस्ट फोर की गणना
15 डीयू दिशानिर्देशों के अनुसार आरक्षण नियम
16 पाठ्यक्रम (डीयू वेबसाइट के अनुसार)
17 अध्यादेश
18 शुल्क की अनुसूची (यूजी और पीजी पाठ्यक्रम)
19 अनुबंध
अनुबंध I (छात्रों द्वारा सभी नियमों का पालन करने का वचन)
II (छात्रों द्वारा एंटी रैगिंग हेतु उपक्रम)
अनुबंध. III (माता–पिता द्वारा अपने बच्चे द्वारा एंटी रैगिंग के लिए शपथ पत्र)
अनुबंध IV (छात्रों द्वारा खेल में प्रवेश के लिए वचन पत्र)
अनुबंध. V (छात्रों द्वारा ईसीए प्रवेश के लिए वचन पत्र)

20 दस्तावेज़ों की चेकलिस्ट

प्रिय छात्राओं !

1881 में ,एक 18 वर्षीय किशोर, दक्षिणेश्वर के एक मंदिर में आध्यात्मिक गुरु, श्री रामकृष्ण के सामने उपस्थित हुआ और उनसे अस्तित्व से संबंधित गहन प्रश्न पूछे। इस बातचीत ने उस किशोर के जीवन की दिशा ही बदल दी। यही बालक आगे चलकर स्वामी विवेकानन्द जी के नाम से विश्व में प्रसिद्ध हुआ।

यह प्रसंग यह बताता है कि किसी व्यक्ति के समक्ष उसके जीवन के महत्वपूर्ण प्रश्नों का उत्तर कभी भी शीघ्र नहीं मिलता, इसके लिए देर- सवेर हो सकती है। दुनिया में परिवर्तन या बदलाव एक दिन का परिणाम नहीं होता ।यदि आपके ऊर्जस्वित विचार इस दुनिया में कोई भी छोटा -सा भी महत्त्वपूर्ण बदलाव लाना चाहते हैं तो उस कार्य को शुरू कीजिए,भले ही आपने अभी उस विषय पर गहनता से नहीं सोचा है । कोई देर नहीं हुई है।बदलाव धीरे-धीरे और सहज गति से ही होते हैं । मनुष्य की यह सृजनशीलता उसकी वास्तविक प्रकृति है, जो मूल्यों के रूप में विद्यमान रहता है । इस दृष्टि से आपकी इच्छा और सोच बिल्कुल समीचीन है इसलिए आगे बढ़ें ।

आपमें से प्रत्येक को एक दिन अपने जीवन को एक अर्थ देना होगा। जैसा कि स्वामी विवेकानन्द जी ने कहा था, "सत्य को हजारों अलग-अलग रूपों में कहा जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य हो सकता है।" इस महाविद्यालय में रहते हुए और स्नातक होने के बाद लंबे समय तक आपकी शिक्षा, आपको उस सत्य को खोजने में मदद करेगी। सही मायनों में शिक्षा व्यक्ति के चरित्र का निर्माण कर् उसका मनोबल विकसित कर बुद्धि का विस्तार करती है जिससे व्यक्ति अपने पैरों पर खड़ा हो सके। हम आपको ऐसी शिक्षा देने के लिए सादर आमंत्रित करते हैं। आप सत्य को खोजने और उसको अपने जीवन में ढालने का निरंतर् प्रयत्न करते रहें ।

हम कोविड-19 महामारी के दौर से गुजर चुके हैं। इस महामारी ने हमारे जीवन के सभी पहलुओं पर अपने दुष्प्रभाव छोड़े हैं। हमें इनसे उत्पन्न चुनौतियों के साथ जीना सीखना होगा और अपने जीवन को द्विगुणित उत्साह के साथ जीने का संकल्प लेना होगा । हमें अपनी और एक-दूसरे की देखभाल करने की आवश्यकता है। इस महामारी ने हमें कई उपयोगी सबक भी सिखाए हैं, जिनमें से एक है सभी का जीवन के प्रति परस्पर लगाव। स्वयं और समग्र रूप से समाज के प्रति जिम्मेदारी और सजगता ।
मैं उच्च शिक्षा के इस महान संस्थान में आप सभी का स्वागत करती हूँ और आपको एक सुरक्षित और विकासात्मक वातावरण देने के प्रति आश्वासत करती हूँ ,जिससे आप सभी सशक्त और संवेदनशील नागरिक बनकर समाज मे अपनी नयी पहचान बनाने में समर्थ हों

घोषणा पत्र

1. शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए महाविद्यालय के स्नातक कार्यक्रम में प्रवेश पाने के इच्छुक किसी भी पात्र उम्मीदवार को प्रॉस्पेक्टस को ध्यानपूर्वक पढ़ना चाहिए।

2. महाविद्यालय में बिना कोई पूर्व सूचना दिए इस प्रॉस्पेक्टस के किसी भी हिस्से को संशोधित करने, अपडेट करने या हटाने का अधिकार सुरक्षित है। इस प्रकार किया गया कोई भी परिवर्तन महाविद्यालय की वेबसाइट www.vivekandacollege.edu.in पर अपलोड किया जाएगा।

3. इस प्रॉस्पेक्टस के जारी होने के बाद किसी भी कार्यक्रम में किया गया कोई भी बदलाव महाविद्यालय की वेबसाइट पर पोस्ट होने की तारीख से प्रभावी होगा।

4. सीयूईटी (यूजी)-2023 और प्रवेश संबंधी नीतियों से संबंधित अपडेट के लिए उम्मीदवार कॉलेज की वेबसाइट, एनटीए और दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल की नियमित जांच करने के लिए जिम्मेदार हैं। इस प्रॉस्पेक्टस और वेबसाइट का अवलोकन न करने से उत्पन्न शिकायतों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. यदि प्रॉस्पेक्टस में कोई त्रुटि पाई जाती है तो वह अनजाने में हुई चूक, लिपिकीय गलतियों या किसी अन्य कारण से हो सकती है।

6. संबंधित दस्तावेजों को जमा न करने और निर्धारित तिथि और समय के भीतर शुल्क का भुगतान न करने साथ ही प्रवेश के लिए किसी भी आवश्यकता का अनुपालन न करने की स्थिति में, उम्मीदवार प्रवेश का अधिकार खो देगा।

7. यदि किसी भी स्तर पर किसी उम्मीदवार के प्रवेश से संबंधित मूल दस्तावेज नकली / गैर-असली या मनगढ़ंत या किसी अन्य तरीके से दोषपूर्ण पाए जाते हैं, तो उम्मीदवार को प्रवेश नहीं दिया जाएगा और यदि पहले ही प्रवेश ले लिया है, तो प्रवेश बिना किसी पूर्व सूचना के रद्द कर दिया जाएगा। इस संबंध में उचित कार्रवाई की जाएगी। यदि पाठ्यक्रम पूरा होने के बाद ऐसा पाया जाता है, तो उसकी डिग्री रद्द कर दी जाएगी और उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

8. प्रवेश प्रक्रिया में उम्मीदवार की भागीदारी अनंतिम होगी। यदि, किसी भी स्तर पर, यह पाया जाता है कि वह न्यूनतम पात्रता मानदंड को पूरा नहीं करती है, तो उसका प्रवेश, यदि दिया गया, तो वास्तव में रद्द कर दिया जाएगा, और उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

9. महाविद्यालय बिना किसी पूर्व सूचना के किसी भी समय दिल्ली विश्वविद्यालय के अनुसार दिशानिर्देशों, प्रवेश नीतियों और प्रक्रियाओं को बदल/संशोधित कर सकता है। नवीनतम और अद्यतन जानकारी दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट http://admission.uod.ac.in पर उपलब्ध होगी।

महाविद्यालय का एक परिचय

-उठो! जागो! रुकों नहीं ! जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।

स्वामी विवेकानन्द जी का यह कथन न केवल शिक्षा के मूल उद्देश्य को बल्कि महाविद्यालय के दर्शन को भी उजागर करता है। विवेकानन्द महाविद्यालय में पूर्ण इच्क्षा शक्ति और उत्साह के साथ शिक्षा का दी जाती है ।

विवेकानन्द महाविद्यालय में कला, मानविकी, वाणिज्य और सामाजिक विज्ञान में स्नातक की डिग्री चाहने वाली युवा महिलाओं के लिए एक प्रगतिशील और सशक्त शैक्षिक वातावरण है। पूर्वी दिल्ली का यह प्रसिद्ध और अग्रणी ज्ञान केंद्र है जो पूरे देश की छात्राओं को अपनी ओर आकर्षित करता है। विचारों के जीवंत आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और विकसित करने के लिए, महाविद्यालय शिक्षार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए उचित और लिए सशक्त आधार भूमि उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

महाविद्यालय की स्थापना 1970 में गांधी नगर में, दिल्ली प्रशासन (अब एनसीटी दिल्ली सरकार) द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और दिल्ली प्रशासन के अनुदान से की गई थी, जिसका उद्देश्य यमुना पार की महिलाओं को उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करना था। वर्तमान में यह विवेक विहार में स्थित है। इसकी इमारत की आधारशिला 26 अक्टूबर, 1976 को प्रोफेसर एस. नुरुल हसन द्वारा रखी गई थी और इस इमारत को 1979 में राम कृष्ण मिशन के स्वामी रंगनाथानंद द्वारा समर्पित किया गया था। हरे- भरे लॉन के बीच स्थित एक सुन्दर लाल इमारत है, जहाँ सर्वश्रेष्ठ शिक्षा प्रदान की जाती है।

सुविधाएं एवं बुनियादी ढांचा

महाविद्यालय में स्थित पुस्तकालय अच्छी तरह से भंडारित है, पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत है और इसमें अति आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। पुस्तक लौटाने एवं लेने की सुविधा के साथ -साथ पुस्तकालय आरएफआईडी में भी सक्षम है। पुस्तकालय का उद्देश्य उपयोगकर्ताओं की पाठ्यक्रम आधारित आवश्यकताओं का पूर्ण करना है। पाठक नयी प्रौद्योगिकी के माध्यम से लाइब्रेरी और दुनिया से जुड़े हैं । महामारी के दौरान ऑनलाइन सीखने और सिखाने में सहायता के लिए कई ऑनलाइन सेवाएँ प्रारंभ की गईं हैं।

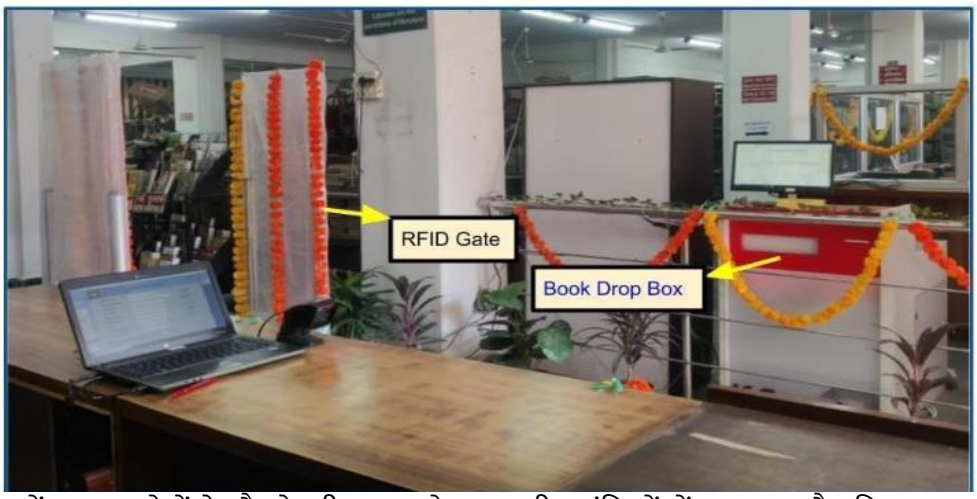

पुस्तकालय में 180 लोगों के बैठने की क्षमता के साथ तीन मंजिलों में हवादार और विशाल वाचनालय हैं। पुस्तकालय संसाधनों का उपयोग करने के लिए संकाय के लिए एक अलग वातानुकूलित विशाल कक्ष निश्चित किया गया है। लाइब्रेरी की तीनों मंजिलों पर ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) स्थापित किया गया है। लाइब्रेरी में आनंददायक पठन अनुभाग में लोकप्रिय फिक्शन, नॉन-फिक्शन, प्रेरणादायक पुस्तकें, करियर विकास पुस्तकें और नॉन-फिक्शन (चौदह दिनों के लिए जारी) जैसे अलग-अलग कोने हैं। एक

विशिष्ट प्रणाली जो हमारी लाइब्रेरी अपनाती है वह यह है कि पाठ्यपुस्तकों को लाल टेप से हाइलाइट किया जाता है (चार दिनों के लिए जारी किया जाता है) और पहचान के लिए पाठ्य संदर्भ पुस्तकों को गोल्डन टेप से हाइलाइट किया जाता है (केवल लाइब्रेरी में परामर्श के लिए)।

इस संग्रह में लगभग 66,714 पुस्तकें शामिल हैं जो वाणिज्य, मानविकी और कुछ विज्ञान पाठ्यक्रमों के लगभग सभी पहलुओं को पूर्ण करती हैं। समृद्ध और अद्यतन संग्रह में पाठ्यक्रम की पाठ्य पुस्तकों के साथ-साथ उच्च अध्ययन और संदर्भ पुस्तकें भी शामिल हैं।

देश-विदेश की विशिष्ट और सामान्य जानकारियों के लिए कॉलेज नियमित रूप से हिंदी और अंग्रेजी में कई पत्रिकाओं और दैनिक समाचार पत्रों की सुविधा भी उपलब्ध करवाता है। लाइब्रेरी में मुख्य पाठ्यपुस्तकों से युक्त एक बुक बैंक है, जो पूरे सेमेस्टर के लिए योग्य छात्राओं को पुस्तकें उपलब्ध करवाता है। यह लाभ आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को दोनों सेमेस्टर के प्रारंभ में ही दिया जाता है।

पुस्तकालय में कॉलेज की दृष्टिबाधित छात्राओं के लिए सुविधा है। इसमें सॉफ्टवेयर के साथ एक नोटबुक और एक ऑप्टिकल स्कैनर है। पुस्तकालय में ब्रेल लिपि की भी कुछ पुस्तकें भी हैं। किसी भी प्रश्न, सहायता और अनुशंसा के लिए पुस्तकालय कर्मचारियों से किसी भी समय संपर्क किया जा सकता है।

शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों की मदद के लिए कॉलेज लाइब्रेरी के पास लाखों ई-संसाधनों तक पहुँच है। ई-संसाधन दिल्ली विश्वविद्यालय के ईएसएस डेटाबेस, इन्फ्लिबनेट के एन-लिस्ट कार्यक्रम के माध्यम से उपलब्ध हैं। सभी छात्रों को ई-संसाधनों तक पहुँचने के लिए एन-लिस्ट के लिए पंजीकृत किया गया है। लाइब्रेरी DELNET (डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क) - एक लाइब्रेरी कंसोर्टिया का भी सदस्य है। DELNET का इंटर लाइब्रेरी ऋण उपयोगकर्ता को उन पुस्तकों को ऋण पर प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करता है जो प्रिंट से बाहर हैं या पुस्तकालय में उपलब्ध नहीं हैं। DELNET के माध्यम से कई ई-संसाधनों तक पहुंच भी उपलब्ध है। पुस्तकालय नियमित आधार पर छात्राओं के लिए विभिन्न मुक्त पहुंच वाले प्रामाणिक संसाधनों के बारे में जानकारी का प्रसार भी करता रहता है। इस प्रकार पुस्तकालय कॉलेज के छात्राओं और शिक्षकों की सभी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विशेष प्रयास करता है। लाइब्रेरी की सदस्यता प्राप्त पत्रिकाओं और पुस्तकों की सामग्री की तालिका तत्काल संदर्भ के लिए उपलब्ध है।

शोध लेखों के लिए साहित्यिक चोरी की जांच करने के लिए पुस्तकालय के भीतर संकाय और छात्रों द्वारा ऑरिजिनल सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जा रहा है। संकाय के लिए उनके अनुसंधान और शिक्षण कार्य में

उपयोग करने के लिए व्यक्तिगत उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड तैयार किए गए हैं। कोई भी व्यक्ति पुस्तकालय द्वारा साहित्यिक चोरी की जांच ऑनलाइन माध्यम से भी करा सकता है।

पुस्तकालय के भौतिक बुनियादी ढांचे के साथ-साथ इसके समृद्ध प्रिंट संग्रह के बारे में समझाने के लिए सभी छात्राओं के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। लाइब्रेरी OPAC लाइब्रेरी पोर्टल के साथ-साथ DELNET के माध्यम से वेब पर उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध है। पुस्तकालय के कार्य घंटों के दौरान, ओपीएसी यूआरएल के माध्यम से मोबाइल पर भी उपलब्ध है (यूनिफ़ॉर्म रिसोर्स लोकेटर)।

पुस्तकालय के बारे में विस्तृत जानकारी और विभिन्न नवीन पुस्तकालय सेवाओं के लिए विभिन्न ऑनलाइन फॉर्मों के लिए, कृपया निम्नलिखित लिंक पर पुस्तकालय पोर्टल देखें:

https://sites.google.com/viveknand.du.ac.in/vivekanda-college-library/home

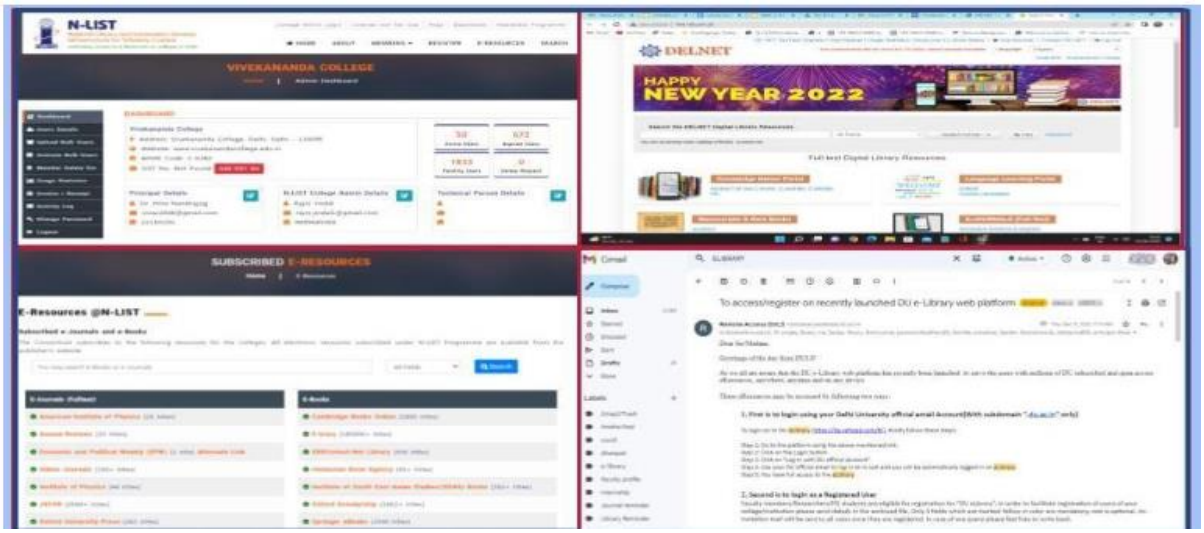

आप लाइब्रेरी से इसके विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे ट्विटर हैंडल, इंस्टाग्राम और यूट्यूब चैनल के माध्यम से जुड़ सकते हैं। इन प्लेटफार्मों का उपयोग पुस्तकालय, इसकी सेवाओं और ई-संसाधनों के बारे में जानकारी प्रसारित करने के लिए किया जाता है। वर्चुअल ओरिएंटेशन प्रोग्राम और कॉलेज और लाइब्रेरी के वर्चुअल टूर की वीडियो रिकॉर्डिंग लाइब्रेरी यूट्यूब चैनल पर अपलोड की गई है। लिंक नीचे दिए गए हैं:

इंस्टाग्राम:- https://www.instagram.com/vivekanda_lib/

ट्विटर:- https://twitter.com/Vivekanda_Li

यूट्यूब:https://www.youtube.com/channel/UCxCObY_J78ZTJdgm_BniMmw/videos

फेसबुक: https://www.facebook.com/vivekandacollegelibrary.

इसका उपयोग विभिन्न कॉलेज कार्यक्रमों और लाइब्रेरी के वर्चुअल ओरिएंटेशन कार्यक्रमों को लाइव-स्ट्रीम करने के लिए भी किया जाता है।

लाइब्रेरी ने वस्तुतः लाइब्रेरी तक त्वरित पहुंच और सूचना के प्रसार के लिए अपने विभिन्न सोशल मीडिया टूल के साथ-साथ अपनी विभिन्न सेवाओं के लिए क्यूआर कोड भी तैयार किए हैं।

लाइब्रेरी के बारे में किसी भी अन्य जानकारी या प्रश्न के लिए, उपयोगकर्ता librarian@viveknand.du.ac.in पर संपर्क कर सकते हैं या हमारे सोशल मीडिया पर हमें DM कर सकते हैं।

पुस्तकालय से संबंधित कुछ मुख्य बातें इस प्रकार हैं:

आगंतुकों की उपस्थिति की रिकॉर्डिंग को डिजिटल कर दिया गया है जो पुस्तकालय के उपयोग के आंकड़ों का विश्लेषण करने में सहयोग करता है।

प्रश्न पत्र: – दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रश्न पत्रों को डिजिटल कर दिया गया है और एक लिंक लाइब्रेरी वेबसाइट पर उपलब्ध है। क्यूआर कोड लाइब्रेरी के नोटिस बोर्ड के साथ-साथ लाइब्रेरी के अंदर भी चिपकाए जाते हैं। ऑनलाइन प्रश्न पत्र दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी उपलब्ध हैं।

ग्रंथ-सूची: ग्रंथ सूची पुस्तकालय में उपलब्धता के आधार पर किसी भी विषय पर मांग/अनुरोध पर प्राप्त की जा सकती है। सदस्य द्वारा किसी भी विषय पर ग्रंथ सूची का अनुरोध किया जा सकता है। नवीनतम पूर्ण वित्तीय वर्ष के नए आगमन की ग्रंथ सूची नियमित रूप से संकाय को भेजी जाती है।

ऑनलाइन सेवाएँ:– इस सेवा के माध्यम से ई-संसाधनों तक पहुँचा जा सकता है। सभी कॉलेज समुदाय को एनलिस्ट (ई-संसाधनों तक पहुंच) के लिए पंजीकृत किया गया है। डीयूएलएस ने मोबाइल पर डीयू ई-लाइब्रेरी के लिए संकाय, पीजी छात्रों और अनुसंधान विद्वानों को भी पंजीकृत किया है। अन्य विविध सेवाएँ कॉलेज पुस्तकालय वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

·**सदस्यों को सहायता**: अच्छी तरह से प्रशिक्षित पुस्तकालय कर्मचारी पाठकों के साथ-साथ संकाय को ओपेक के संचालन और उन्हें आवश्यक किताबें खोजने में मदद करते हैं। वे किसी भी तरह की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। वे उन्हें ऑनलाइन डेटाबेस खोजने, लेख डाउनलोड करने और उन्हें प्रिंट करने या ईमेल के माध्यम से भेजने में भी मार्गप्रशस्त करते हैं।

· 'दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष' के अंतर्गत पुस्तकालय ने एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

· पुस्तकालय विज्ञान के छात्र पुस्तकालय का सर्वेक्षण/भ्रमण करने आते हैं और बाहरी छात्रों को कुछ शर्तों को ध्यान में रखते हुए पुस्तकालय सेवाओं का उपयोग करने की अनुमति दी जाती है।

· विवेकानन्द कॉलेज पुस्तकालय द्वारा शुरू की गई एक और पहल सामग्री लेखन में इंटर्नशिप की पेशकश करना है। ये छात्र लाइब्रेरी के विभिन्न सोशल मीडिया टूल्स के लिए पोस्ट तैयार करते हैं।

· लाइब्रेरी दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग के पुस्तकालय विज्ञान के छात्रों को इंटर्नशिप दे रही है।

पुस्तकालय कर्मचारी उपयोगकर्ताओं को पुस्तकों, कार्यक्रमों और अन्य संसाधनों के माध्यम से सूचना, विचारों और ज्ञान तक समान पहुंच प्रदान करने का प्रयास करने के लिए मिलकर काम करते हैं।

कंप्यूटर लैब – कॉलेज में छात्रों और शिक्षकों के लिए 146 टर्मिनल और 25 लैपटॉप और इंटरनेट सुविधाओं के साथ पांच लैब हैं। ये केंद्र एलसीडी प्रोजेक्टर और स्कैनर जैसी शिक्षण सुविधाओं से भी सुसज्जित हैं। कॉलेज सभी छात्राओं को प्रौद्योगिकी और आधुनिक शिक्षण सामग्री से परिचित कराने का प्रयास करता है। कंप्यूटर एप्लीकेशन की छात्राएं गैर-शिक्षण संकाय के लिए लघु कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम चलाती हैं।

मनोविज्ञान प्रयोगशाला – इस प्रयोगशाला का उद्देश्य सिद्धांत-प्रैक्सिस डोमेन के बीच एक इंटरफ़ेस के रूप में कार्य करना है। यह प्रयोगों को संचालित करने के लिए पारंपरिक उपकरण जैसे टैचिस्टोस्कोप, इलेक्ट्रॉनिक मेमोरी उपकरण, मुलर-लायर उपकरण आदि से सुसज्जित है। प्रयोगशाला में कई प्रकार के मनोवैज्ञानिक परीक्षण और मूल्यांकन तकनीकें भी उपलब्ध हैं। इनमें बुद्धि परीक्षण, व्यक्तित्व परीक्षण, योग्यता परीक्षण, दृष्टिकोण, मूल्य पैमाने आदि शामिल हैं। एप्लाइड मनोविज्ञान संकाय द्वारा नियमित अंतराल पर कार्यशालाएं और प्रयोगात्मक अभ्यास आयोजित किए जाते हैं। प्रयोगशाला में व्याख्यान और बातचीत की सुविधा के लिए एलसीडी प्रोजेक्टर जैसे दृश्य-श्रव्य उपकरण भी हैं।

मुख्य मनोविज्ञान प्रयोगशाला के दो विस्तारों में बायो-फिजियोलॉजिकल लैब और कंप्यूटर लैब शामिल हैं, जहां प्रयोग किए जाते हैं, और यह अनुसंधान कार्य के लिए सुविधाएं भी प्रदान करता है। यहाँ एक विभागीय पुस्तकालय है जो मनोविज्ञान पर पुस्तकों के क्लासिक और नवीनतम संस्करणों के संग्रह से पाठकों को प्रसन्न करता है। विभाग कार्यालय के प्रशासनिक कार्यों को सुचारू बनाने के लिए विभिन्न सुविधाएँ प्रदान करता है।

खाद्य प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला छात्राओं के लिए विभिन्न प्रयोगशाला-उन्मुख व्यावहारिक प्रदर्शन करने के लिए नवीनतम उपकरणों से सुसज्जित है। छात्राओं को बेकरी और भोजन के संरक्षण में विशेष कौशल प्रदान किया जाता है, ताकि वे उद्योग में अन्य पेशेवरों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकें। खाद्य बाज़ार की बदलती माँगों को ध्यान में रखते हुए, हर साल कई कम लागत वाले नए खाद्य उत्पाद भी विकसित किए जाते हैं। यह पुनर्निर्मित होने की प्रक्रिया में है। बी.एससी. की छात्राओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक अतिरिक्त प्रयोगशाला भी विकसित की जा रही है।

संगीतशाला छात्राओं को उनके व्यावहारिक कार्य में सुविधा प्रदान करने के लिए दो संगीत कक्ष विभिन्न प्रकार के उपकरणों से सुसज्जित हैं और इसलिए उन्हें विभिन्न उपकरणों के साथ बेहतर समन्वय के कौशल से लैस किया गया है। छात्राएं हिंदुस्तानी गायन संगीत सीखती हैं और विभिन्न कॉलेज और इंटर-कॉलेज समारोहों में प्रदर्शन करती हैं।

खेलकूद महाविद्यालय में खेल सुविधाओं में एक बड़ा खेल का मैदान शामिल है। कई खेलों के मार्गदर्शन के लिए विशेषज्ञों द्वारा गहन प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रत्येक वर्ष, विवेकानन्द कॉलेज के छात्राएं उल्लेखनीय विशिष्टताएँ हासिल करतीं हैं, और उनमें से कई अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए चुनी जाती हैं। टूर्नामेंट. एथलेटिक्स, हॉकी, तीरंदाजी, नेटबॉल, सॉफ्टबॉल और तायक्वोंडो के लिए सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। एक सिंथेटिक ट्रैक (200 मीटर) बनाया गया है और यह दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों में अपनी तरह का एक ट्रैक है। एस्ट्रोटर्फ के साथ एक अत्याधुनिक हॉकी मैदान की भी सुविधा उपलब्ध है।

महाविद्यालय में दो स्थित दो (विशाल एवं लघु/ शारदा) सभागार

विवेकानन्द सभागार में बैठने की क्षमता 650 है। यह वर्तमान में नवीनीकरण की प्रक्रिया में है। यह सभागार कॉलेज के विभिन्न शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मेजबानी करता है। यह प्रसिद्ध सांस्कृतिक समूहों को छात्रों और समुदाय के लाभ के लिए अपने कार्यक्रम आयोजित करने के लिए भी प्रोत्साहित करता है।

शारदा हॉल वातानुकूलित सुविधा युक्त है जिसमें 120 लोग बैठ सकते हैं। यह एलसीडी प्रोजेक्टर से सुसज्जित है और इसका उपयोग छात्राओं द्वारा विभिन्न शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों के लिए बड़े पैमाने पर किया जाता है।

कैंटीन लीक से हटकर चर्चाओं और सूचनाओं और विचारों के आदान-प्रदान का एक जीवंत केंद्र है। यह रियायती दरों पर स्वच्छ और पौष्टिक नाश्ता, दोपहर का भोजन और पेय पदार्थ प्रदान करता है।

बैंकिंग सेवाएं: छात्र एसबीआई बैंक में व्यक्तिगत खाते खोल सकते हैं। एसबीआई में ऑनलाइन शुल्क भुगतान की सुविधा प्रदान की गई है।

चिकित्सा कक्ष महाविद्यालय में चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं।

पूरे शैक्षणिक सत्र के दौरान छात्रों को मनोवैज्ञानिक परामर्श सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। परामर्श के लिए कॉलेज में एप्लाइड साइकोलॉजी विभाग के एक संकाय सदस्य के अलावा एक विशेषज्ञ परामर्शदाता उपलब्ध है। अब कॉलेज में एक पूर्ण परामर्श कक्ष है।

कैरियर काउंसलिंग और प्लेसमेंट सेल सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन करके छात्राओं को नौकरी प्लेसमेंट के लिए कैरियर परामर्श प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त कंपनियों को भर्ती के लिए परिसर में आमंत्रित किया जाता है। यह दिल्ली विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल में भागीदारी के अतिरिक्त है।

छात्र सूचना बुलेटिन बोर्ड कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में होने वाली सह-पाठ्यचर्चा संबंधी गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदर्शित करता है। बोर्ड महत्वपूर्ण सूचनाएं भी प्रदर्शित करता है छात्राओं को महाविद्यालय की घटनाओं के बारे में खुद को अपडेट रखने की आवश्यकता होती है। वेबसाइट सभी अधिसूचनाओं की जांच करने का एक महत्वपूर्ण स्रोत है।

छात्राओं को बस और रेलवे रियायत प्रदान की जाती है। वे फॉर्म भरकर और कॉलेज के प्रशासनिक कार्यालय से सत्यापित करवाकर डीटीसी बस किराया रियायत का लाभ उठा सकते हैं। दिल्ली के निकटवर्ती क्षेत्रों (जैसे गाजियाबाद, फ़रीदाबाद, आदि) से आने-जाने वाले छात्र प्रशासनिक कार्यालय से

रेलवे रियायत फॉर्म प्राप्त करने के लिए आवेदन जमा कर सकते हैं। उन्हें छुट्टियों के दौरान केवल अपने गृहनगर की यात्रा के लिए रेलवे किराए में छूट भी दी जाती है।

प्रवेश की पुष्टि होने के बाद कॉलेज के प्रत्येक छात्र को एक पहचान पत्र जारी किया जाता है। यह कार्ड हमेशा उसके पास रहना आवश्यक है और मांगे जाने पर इसे प्रस्तुत किया जाना चाहिए। आईडी कार्ड खो जाने की स्थिति में, छात्र को पुलिस में एफआईआर दर्ज करानी होगी और एफआईआर की एक प्रति, एक तस्वीर के साथ कॉलेज कार्यालय में एक आवेदन जमा करके और मामूली भुगतान करने के बाद डुप्लिकेट प्राप्त करना होगा। .

पार्किंग सुविधा उन छात्रों को दी जाती है जो कॉलेज आने-जाने के लिए अपने स्वयं के दोपहिया वाहनों का उपयोग करते हैं। यह केवल वाहन के स्वामित्व का प्रमाण और वैध ड्राइविंग लाइसेंस प्रस्तुत करने पर प्रदान किया जाता है।

नोट: दिल्ली विश्वविद्यालय का 'जनसंख्या शिक्षा संसाधन केंद्र' छात्रों के लिए एचआईवी, एड्स, कामुकता, नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अन्य किशोर मुद्दों पर हेल्पलाइन परामर्श सेवाएँ प्रदान करता है। सहकर्मी समूह प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से डॉक्टरों और प्रशिक्षित परामर्शदाताओं द्वारा जागरूकता प्रदान की जाती है। केंद्र द्वारा विकसित इन सेवाओं के साथ-साथ शिक्षण सामग्री का लाभ कॉलेज के माध्यम से उठाया जा सकता है।

विभागीय विवरण

मनोविज्ञान विभाग

बी ० ए एप्लाइड साइकोलॉजी (विशेष) एक अनुप्रयोग आधारित पाठ्यक्रम है, जिसमें सिद्धांत और व्यवहार का सही मिश्रण है। इस पाठ्यक्रम के अधिकांश पेपरों में एक व्यावहारिक घटक होता है - जिसे क्षेत्र में या प्रयोगशाला सेटिंग में किया जाना है। कार्यक्रम संरचना की समीक्षा से एप्लाइड साइकोलॉजी के एक छात्र को मिलने वाले एक्सपोज़र की सीमा का पता चलेगा। प्रयोगशाला प्रयोगों के संचालन से लेकर साइकोमेट्रिक परीक्षण तक, सांख्यिकी से लेकर क्षेत्र आधारित और अन्य शोध अध्ययनों के साथ-साथ इंटर्नशिप तक, छात्राओं को सभी क्षेत्रों में मौलिक ज्ञान से लैस किया जाता है। यह पाठ्यक्रम क्लिनिकल मनोविज्ञान, परामर्श, संगठनात्मक व्यवहार, स्वास्थ्य मनोविज्ञान, मीडिया मनोविज्ञान और जीवन कौशल में करियर बनाने के लिए एक आधार प्रदान करता है। यह छात्राओं को शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों के लिए प्रासंगिक ज्ञान और कौशल प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम छात्राओं को अपने और दूसरों के बारे में गहरी और अधिक सार्थक समझ प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। विभाग विविध शिक्षण पद्धतियों को अपनाने में सिद्धस्थ है, जिसमें न केवल व्याख्यान और पावर-पॉइंट प्रस्तुतियों जैसे पारंपरिक तरीके शामिल हैं, बल्कि अधिक आकर्षक अनुभवात्मक और चिंतनशील शिक्षण, समूह चर्चा और ऑडियो-विज़ुअल सहायता का उपयोग भी शामिल है। विभाग नियमित अंतराल पर कार्यशालाएं/व्याख्यान/सेमीनार भी आयोजित करता है। अधिकांश संकाय सदस्य पीएच.डी.शोध छात्रों के शोध विशेषज्ञ के रूप में भी कार्य करते हैं।उन्होंने कई अनुसंधान परियोजनाओं का नेतृत्व भी किया है। विभाग सक्रिय रूप से सामाजिक आउटरीच गतिविधियों, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता पैदा करने, और विशिष्ट सलाहकार के रूप में कार्य कर रहा है।

यह पाठ्यक्रम छात्राओं को अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान से संबंधित समकालीन रुझानों और इस क्षेत्र में उनके विकास के प्रति जागरूकता और समझ विकसित करने के लिए है। मनोविज्ञान अनुशासन पाठ्यक्रम प्रशिक्षण और आत्म-चिंतन के माध्यम से छात्राओं को प्रासंगिक शैक्षणिक और व्यावसायिक कौशल सीखने में सक्षम बनाता है । यह कार्यक्रम शिक्षण मानकों को बनाए रखते हुए, छात्राओं के मूल्यांकन और मानव कल्याण के लिए व्यक्तिगत/समुदाय के मनोविज्ञान के इंटरफेस को सबसे आगे रखने के लिए तैयार किया गया है। पाठ्यक्रम को सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ सहित अनुशासन की वर्तमान वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। अलग-अलग शोध आलेख को शामिल करके मनोविज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों जैसे - सामाजिक मनोविज्ञान, विकासात्मक मनोविज्ञान, मनोविज्ञान में प्रणाली, मनोवैज्ञानिक विकारों को समझना, परामर्श मनोविज्ञान, औद्योगिक/संगठनात्मक व्यवहार, स्वास्थ्य मनोविज्ञान आदि ।

विभाग के सदस्य

प्रो. वनिता सोंधी (एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.)
डॉ. अर्पणा बेनीवाल (एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.)
डॉ. शिवांतिका शरद (एम.ए., पीएच.डी.)
प्रो. सलमा सेठ (एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.)
डॉ. सुनील कुमार वर्मा (प्रभारी शिक्षक) (एम.ए., डी.फिल.)
डॉ. चंद्र प्रकाश कपूर (एम.ए., पीएच.डी)

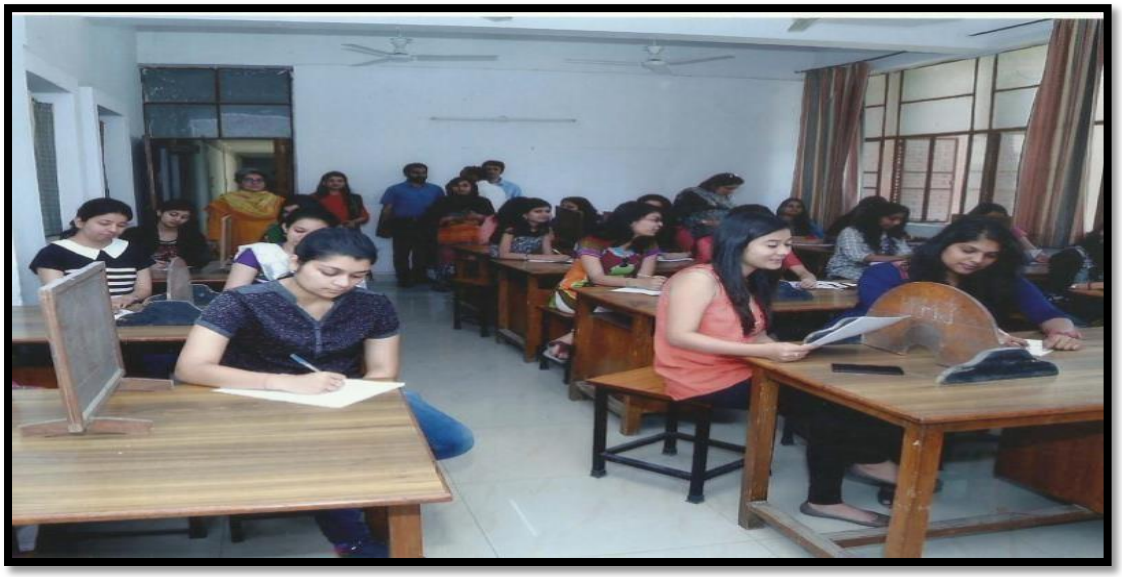

वाणिज्य विभाग

कॉलेज वाणिज्य में दो पाठ्यक्रम प्रदान करता है: बी.कॉम (ऑनर्स) और बी.कॉम (प्रोग्राम)। बैचलर ऑफ कॉमर्स कार्यक्रम किसी व्यक्ति की सीखने की क्षमता को बढ़ाने और उसे वास्तविक दुनिया के अनुभवों के माध्यम से नेटवर्क विकसित करने का अवसर प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। ये पाठ्यक्रम एक शैक्षिक अनुभव प्रदान करते हैं जो अकादमिक उत्कृष्टता से परिपूर्ण हैं । द व्यवसाय पर एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य प्रदान करने की दृष्टि से ये पाठ्यक्रम, कौशल, ज्ञान और अनुभव को बढ़ाते हैं। छात्राओं का व्यावसायिक, सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों में करियर बनाने के लिए का मार्ग प्रशस्त किया जाता है।

वाणिज्य में डिग्री बीमा और बैंकिंग, मानव संसाधन प्रबंधन, विपणन प्रबंधन, विज्ञापन, स्टॉक मार्केट, वित्त, लेखांकन, कानून, लागत और प्रबंधन लेखांकन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, कंप्यूटर विज्ञान जैसे व्यावसायिक क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला में प्रवेश करने की गुंजाइश प्रदान करती है। ई-कॉमर्स विभाग पूरे वर्ष बहुत सक्रिय रहता है और क्विज़, वाद-विवाद, समूह चर्चा, प्रतियोगिता, सेमीनार/सम्मेलन, विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञों के व्याख्यान, औद्योगिक दौरे आदि जैसी कई गतिविधियाँ आयोजित करता है। विभाग एक वाणिज्य डाइजेस्ट "द ब्लू इंकपॉट" भी निकालता है। ”। यह छात्रों को रचनात्मक रूप से खुद को अभिव्यक्त करने और अपने अध्ययन के क्षेत्र से संबंधित लेख लिखने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

वाणिज्य को समाज और व्यवसाय के बीच एक कड़ी के रूप में देखा जाता है। समय के साथ दोनों के बीच बातचीत की प्रकृति और उद्देश्य में जबरदस्त बदलाव आया है। सूचना प्रौद्योगिकी ने व्यवसाय के आकार और डिजाइन को फिर से तैयार किया है, जिससे इसकी प्रकृति और सामाजिक कामकाज के मैट्रिक्स में बदलाव आया है। इस परिवर्तन के निहितार्थ को पहचानते हुए, बी.कॉम. पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में व्यवसाय जगत की कार्यप्रणाली और समझ पैदा करना है। इसे प्राप्त करने के लिए, यह पाठ्यक्रम छात्राओं को गठनात्मक कामकाज, वित्तीय प्रणालियों, अर्थव्यवस्था की समझ, व्यवसाय को नियंत्रित करने वाले कानूनों, समाज तक पहुंचने के लिए व्यवसायों द्वारा अपनाई गई रणनीतियों आदि के विभिन्न पहलुओं को जानने का अवसर प्रदान करता है। छात्राएं ं केवल रोजगार प्राप्त कर सकती हैं बल्कि उद्यमियों और नौकरी सृजनकर्ताओं के रूप में समाज की सेवा कर सकती हैं । अन्वेषण कर नये प्रयोगों के लिए स्वयं को तैयार कर सकती हैं।

विभाग के सदस्य

श्रीमती चंद्र कान्ता बंसल (एम.कॉम., एम.फिल).

डॉ. वीना जैन (एम.कॉम., एम.फिल., पीएच.डी.)

श्रीमती मीनाक्षी अग्रवाल (एम.कॉम., एम.फिल).

श्रीमती पूनम गुप्ता (एम.कॉम., एम.फिल.)

श्रीमती राधिका श्रीनिवासन (एम.कॉम., एम.फिल)

श्रीमती सुषमा अग्रवाल (एम.कॉम., एम.फिल.)

डॉ. पवन गुप्ता एम.कॉम., एम.फिल., पीएच.डी.

सुश्री रचना मेघ (एम.कॉम., बी.एड.)

डॉ. रंजीता फुकन (प्रभारी शिक्षिका) (एम.कॉम., पीएच.डी.)

डॉ. शुभाश्री बोस (एम.कॉम., एम.फिल., पीएच.डी.)

सुश्री शिल्पा (एम.कॉम).

डॉ. शफ़ाक ज़रीन (एम.कॉम., पीएच.डी.)

श्री देवेन्द्र कुमार (एम.कॉम)

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

चूँकि हम डिजिटल युग में रहते हैं, अधिकांश उद्योग डेटा और सॉफ्टवेयर प्रोग्राम पर निर्भर हैं। कंप्यूटर विज्ञान और आईटी हर चीज को प्रभावित करता है – वैज्ञानिक अनुसंधान से लेकर स्वास्थ्य विकास, परिवहन, बैंकिंग, संचार आदि तक। इसने दुनिया में गतिविधियों के पूरे स्पेक्ट्रम को बदल दिया है और जीवन के सभी पहलुओं को प्रभावित है।

कॉलेज का कंप्यूटर विज्ञान विभाग 2008 में मुट्ठी भर छात्रों के साथ स्थापित किया गया था। धीरे-धीरे इस विभाग का विकास हुआ और इसे पहचान मिली। विभाग छात्राओं के लिए व्यापक अवसर प्रदान करता है। विभाग 4 वर्षीय बी.ए. (एनईपी) पाठ्यक्रम चलता है। । विभाग बी.ए. में कंप्यूटर विज्ञान के अंतर्गत मुख्य और लघु अनुशासन प्रदान करता है। विभाग सामान्य ऐच्छिक, कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम और कंप्यूटर में मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है।

विभाग के पास उच्च शिक्षा प्राप्त,मेधावी और योग्य संकाय हैं। ये शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशासनिक जिम्मेदारियों में सक्रिय रूप से शामिल हैं। नई शिक्षण पद्धतियाँ सीखने के लिए संकाय विभिन्न कार्यशालाओं और सेमिनारों में भाग लेता है; जिससे शिक्षण और प्रभावी बन सके ।

बी.ए. में अनुशासन और कंप्यूटर एप्लीकेशन पाठ्यक्रम किसी को भी एम.सी.ए, एम.एससी. जैसे क्षेत्रों में उच्च अध्ययन करने में सक्षम बनाता है। छात्राएं कंप्यूटर साइंस में एम.एससी. आईटी में, एमबीए (आईटी) आदि में भी प्रवेश लें सकती हैं। यह बहुराष्ट्रीय आईटी उद्योगों में काम करने के रास्ते भी खोलता है।

विभाग की अपनी कंप्यूटर सोसायटी, इंफॉर्मेटिका है। यह आईटी सोसायटी पूरे वर्ष विभिन्न कार्यशालाओं और तकनीकी कार्यक्रमों का आयोजन करती है। सोसायटी नियमित रूप से गैर-आईटी छात्राओं के लिए कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम आयोजित करती है। छात्रों को आईटी उद्योग से परिचित कराने के लिए औद्योगिक दौरे भी किए जाते हैं।

विभाग के सदस्य

सुश्री ईशा गुप्ता (प्रभारी शिक्षिका) (एमसीए, एम.टेक (आईटी),पीएचडी*)

डॉ. अवनीश आनंद सिंह (एमसीए, एम.फिल, पीएच.डी.)

डॉ. रेनू गर्ग (एमसीए, एम.टेक, पीएच.डी.)

अर्थशास्त्र

बी.ए. में अर्थशास्त्र को एक अनुशासन पाठ्यक्रम के रूप में पेश किया जाता है। यह पाठ्यक्रम स्नातक डिग्री को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित कार्यक्रमों के साथ तुलनीय बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है और

इसमें वैकल्पिक कार्यक्रमों के चयन में लचीलेपन के साथ कठोर प्रशिक्षण का संयोजन किया गया है। इसका उद्देश्य ऐसे छात्रों को तैयार करना है जो वैश्विक बाजार में रोमांचक अवसरों के लिए तैयार हैं: चाहे वह कॉर्पोरेटिव क्षेत्र, सार्वजनिक क्षेत्र, गैर-सरकारी/सामाजिक क्षेत्र में नौकरियां हों या अर्थशास्त्र या संबंधित विषयों में उच्च अध्ययन करने की इच्छा हो। कार्यक्रमों में टर्म पेपर, प्रेजेंटेशन आदि के रूप में स्वतंत्र अनुसंधान घटक शामिल हैं। विभाग अन्य ऑनर्स विषयों के छात्रों को परिचयात्मक सूक्ष्मअर्थशास्त्र, मैक्रोइकॉनॉमिक्स, भारतीय अर्थव्यवस्था ।, धन और बैंकिंग आदि जैसे सामान्य वैकल्पिक पेपर प्रदान करता है।

एक पाठ्यक्रम के रूप में अर्थशास्त्र, अर्थशास्त्र अनुशासन में छात्राओं को भविष्य में आगे बढ़ने के लिए एक ठोस आधार प्रदान करता है। यह छात्राओं को घरों, फर्मों और सरकारी संस्थानों के व्यवहार और बातचीत की अवधारणा और व्याख्या के लिए एक तार्किक प्रतिमान प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम छात्राओं को समकालीन प्रासंगिकता वाले पाठ्यक्रमों के एक सेट से वैकल्पिक पाठ्यक्रम चुनने की अनुमति देता है, जिससे को छात्राओं को शिक्षा, कानून, प्रबंधन, पत्रकारिता, सरकार और कई अन्य क्षेत्रों में करियर के लिए तैयारी करने की सुविधा मिलती है। यह कार्यक्रम अर्थशास्त्र अनुशासन में वैश्विक मानकों के अनुरूप है। यह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों की कड़ी मे एक महाविद्यालय है जो स्नातक छात्राओं को प्रशिक्षण प्रदान करता है।

कार्यक्रम सीखने के उद्देश्य :

1) छात्र अर्थशास्त्र की मुख्य अवधारणाओं जैसे अवसर लागत, को समझाने में सक्षम होंगे।
बाजार, संतुलन, तुलनात्मक लाभ, मुद्रास्फीति और विकास।

2) छात्रों को अर्थशास्त्र में उपयोग किए जाने वाले अनुकूलन उपकरणों की गहन समझ होगी और वे अर्थशास्त्र में समस्याओं को हल करने के लिए इन उपकरणों को लागू करने में सक्षम होंगे।

3) छात्र डेटा को ग्राफिक रूप से प्रस्तुत करने और डेटा विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय और अर्थमितीय उपकरणों का उपयोग करने में सक्षम होंगे।

4) छात्र कार्यक्रम के अंतिम वर्ष के दौरान एक स्वतंत्र अनुसंधान परियोजना पर काम करके महत्वपूर्ण अनुसंधान कौशल प्राप्त करेंगे। वे एक शोध विचार तैयार करने, साहित्य समीक्षा करने और विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।

5) छात्र लोक कल्याण कार्यक्रमों, कराधान, सब्सिडी, व्यापार संरक्षण, स्थिरता आदि जैसी आर्थिक नीतियों का मूल्यांकन करने के लिए अर्थशास्त्र में अपने ज्ञान को लागू करने में सक्षम होंगे।

6) छात्र लिखित रूप में तार्किक तर्क तैयार करने में सक्षम होंगे और छात्र अकादमिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अर्थशास्त्र में विद्वतापूर्ण सामग्री को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करने में भी सक्षम होंगे।

विभाग के सदस्य
श्री गगन पाहवा (एम.ए.)

श्री अमित कुमार (एम.ए.)

सुश्री विशाखा जैन (प्रभारी शिक्षिका) (एम.ए., एम.फिल)

अंग्रेज़ी

वर्ष 1970 में स्थापित, अंग्रेजी विभाग में साहित्य, साहित्यिक सिद्धांत, सांस्कृतिक अध्ययन, लिंग अध्ययन, अनुवाद और अंग्रेजी भाषा शिक्षण के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वाले संकाय सदस्य शामिल हैं। विभाग शिक्षण के पारंपरिक और प्रयोगात्मक तरीकों के संयोजन में विश्वास करता है। छात्राओं की शिक्षा में शिक्षकों की

भागीदारी कक्षा और कक्षा के बाहर तक फैली हुई है। एक दूसरे के साथ पारस्परिक सहयोग रखने की भावना विभाग के प्रत्येक छात्र को समग्र रूप से विकसित करने में मदद करती है। शिक्षक यह भी सुनिश्चित करते हैं कि छात्रों के ज्ञान और जागरूकता के विस्तार में सहायता के लिए छात्रों को शहर में होने वाली विभिन्न पुस्तक लॉन्च, सेमिनार, फिल्म स्क्रीनिंग, नाटक, नृत्य गायन और वार्ता के बारे में अपडेट रखा जाए। विभाग न केवल पाठ्यक्रम पढ़ाने में बल्कि छात्रों को उनके करियर की योजना तय करने और उनके लिए उपलब्ध विभिन्न अवसरों पर चर्चा करने में सहायता करने में भी विश्वास रखता है। शिक्षाविदों को आगे बढ़ाने के अलावा, हमारे छात्रों ने शिक्षण, सरकारी नौकरियों, कानूनी व्यवसायों, मास मीडिया और प्रकाशन में सफल करियर बनाया है।

क्रिएट इंग्लिश लिटरेरी सोसाइटी विभाग की सांस्कृतिक जीवन रेखा है। छात्र समन्वयक इसके तत्वावधान में विभिन्न साहित्यिक गतिविधियों का आयोजन करते हैं। अंग्रेजी विभाग विभिन्न साहित्य उन्मुख गतिविधियों जैसे नाटक, रचनात्मक लेखन, पेपर प्रस्तुतीकरण, अनुवाद, एक्सटेम्पोर, वाद-विवाद, भित्तिचित्र, पुस्तक कवर डिजाइनिंग और अंग्रेजी साहित्यिक सोसायटी द्वारा आयोजित साहित्यिक प्रश्नोत्तरी में छात्रों की भागीदारी को प्रोत्साहित करता है। अंग्रेजी विभाग की एक पहल छात्रों को शोध के लिए तैयार करना है। 2023 में "क्षेत्रीय साहित्य में भारतीय पहचान की खोज", 2022 में "लिंग और दृश्य संस्कृति" और 2019 में "हार्ट ऑफ़ क्वीरनेस" पर तीन राष्ट्रीय छात्र सेमिनार आयोजित किए गए हैं, जिन्हें देश भर के छात्र पेपर प्रस्तुतकर्ताओं से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। वार्षिक समाचार पत्र वर्डवीव्स उभरते कवियों, लेखकों और चित्रकारों को एक रचनात्मक और प्रेरक मंच प्रदान करता है। यह उनके विचारों और भावनाओं को बड़े पाठक वर्ग तक पहुंचने में मदद करता है।

रीडिंग क्लब का लक्ष्य विविध शैलियों, लेखकों और ग्रंथों के साथ जुड़ाव के माध्यम से छात्रों के साहित्यिक क्षितिज का विस्तार करना है। फिल्म स्क्रीनिंग सत्र छात्रों को महत्वपूर्ण साहित्यिक ग्रंथों के सिनेमाई रूपांतरण से परिचित कराते हैं। साहित्य की सराहना को और बढ़ाने के लिए प्रख्यात लेखकों और शिक्षाविदों के व्याख्यान भी आयोजित किए जाते हैं।

विभाग द्वारा पेश किया गया स्नातक कार्यक्रम छात्रों को "साहित्य" की श्रेणी को परिभाषित/समालोचना करने और साहित्यिक अध्ययन, पाठ्यचर्या और सिद्धांत के उद्भव को समझने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य अनुकरणीय प्रतिनिधित्व के रूप में साहित्य की पूर्वकल्पित धारणाओं का मुकाबला करना और रहस्य को दूर करना, सांस्कृतिक उत्पादन के हिस्से के रूप में साहित्य को रेखांकित करना, ऐतिहासिक विशिष्टता में दृढ़ता से अंतर्निहित होना, निर्धारित पाठों के साथ गहन जुड़ाव के माध्यम से एकीकृत तरीके से भाषा कौशल विकसित करना और शिक्षार्थियों को साथ देना है।

विश्वविद्यालय के विभाग के सदस्य

डॉ. ज्योतिका एलहांस एम.ए., पीएच.डी.

डॉ. हिना नंदराजोग (ऑफ़. प्रिंसिपल) एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.

डॉ. नलिनी गांधी कपूर (प्रभारी शिक्षक) एम.ए., पीएच.डी.

डॉ. सोफिया पीडीई एम.ए., पीएच.डी..

डॉ. आंचला पालीवाल एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.

डॉ. चंद्रेयी मुखर्जी एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.

श्री अमित कुमार एम.ए., एम.फिल.

श्री अरुणाभा बोस एम.ए., एम.फिल.

श्री युमनाम रॉकी एम.ए., एम.फिल.

पर्यावरण अध्ययन

पर्यावरण अध्ययन हर विषय के स्नातक छात्रों के लिए एक अनिवार्य मुख्य पाठ्यक्रम है। विभाग ने पर्यावरण अध्ययन को पारंपरिक तरीकों के माध्यम से सैद्धांतिक के बजाय छात्रों के लिए एक अनुभवात्मक शिक्षा बनाने के लिए कई अनूठी पहल और परियोजनाएं शुरू की हैं। इस विषय का एक प्रमुख योगदान छात्रों को हमारे दैनिक जीवन में पर्यावरण और स्थिरता से संबंधित मुद्दों के बारे में जागरूक करना और उन्हें ऐसे मुद्दों से निपटने के लिए तैयार करना और कैरियर विकास की चुनौतियों का सामना करना है।

विभाग पड़ोस और समुदाय में पर्यावरण से संबंधित मुद्दों से निपटने के लिए व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है। यह छात्रों को इंटर्नशिप और शोध के अवसर प्राप्त करने में भी सुविधा प्रदान करता है। किसी की समझ को बढ़ाने के लिए फ़ील्ड कार्य करने के लिए फ़ील्ड यात्राएँ आयोजित की जाती हैं।

यह पाठ्यक्रम पर्यावरण की सुरक्षा के दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के संदर्भ में विभिन्न डोमेन (वैज्ञानिक, सामाजिक, आर्थिक और कानूनी) के साथ-साथ प्राकृतिक प्रक्रियाओं का ज्ञान प्रदान करके समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से छात्रों के बीच महत्वपूर्ण सोच विकसित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसका उद्देश्य जैव विविधता का संरक्षण, सतत जीवन की दिशा में सामाजिक समानता और अर्थव्यवस्था को नियंत्रित करना है।

विभाग के सदस्य

डॉ. सीमा शर्मा एम.एससी.,पी.एच.डी

डॉ. सुभाष चंद्रा (प्रभारी शिक्षक) एम.एससी.,पी.एच.डी

खाद्य प्रौद्योगिकी एवं गृह विज्ञान विभाग

यह एक जीवंत विभाग है जो छात्रों को भोजन की गुणवत्ता और सुरक्षा बढ़ाने के लक्ष्य में योगदान देने के लिए संवेदनशील बनाने की दिशा में काम कर रहा है। खाद्य प्रौद्योगिकी और गृह विज्ञान विभाग स्नातक स्तर पर व्यापक कार्यक्रम (बीए खाद्य प्रौद्योगिकी और बीएससी ऑनर्स गृह विज्ञान) प्रदान करता है जो छात्रों को खाद्य उद्योग, शिक्षा, गैर-सरकाली जाती है और छात्रों को अंग्रेजी, हिंदी, फ्रेंच और संस्कृत में अपनी रचनात्मकता व्यक्त करने का अवसर देती है। यह उभरते कवियों, कहानीकारों और निबंधकारों को अपने रचनात्मक आग्रहों को अभिव्यक्ति देने का मौका देता है। इसके अलावा, छात्रों को छात्र संपादक, चित्रकार आदि बनने का अवसर भी प्रदान किया जाता है।

कॉलेज ने 2020 में बी.एससी. गृह विज्ञान (विशेष) पाठ्यक्रम की शुरुआत की । यह पाठ्यक्रम अनुसंधान, भोजन और कपड़ा उद्योगों के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण संगठनों में शिक्षण, अनुसंधान के क्षेत्र में रोजगार के अवसर और छात्रों को गृह विज्ञान के सभी क्षेत्रों में आवश्यक ज्ञान, कौशल और योग्यता प्रदान करता है। छात्राएं आहार संबंधी अभ्यास, शिक्षा, बाल विकास, रणनीतिक योजना और संचार प्रौद्योगिकी जानकारी प्राप्त करती हैं । यह पाठ्यक्रम मानव जीवन के अध्ययन को सुविधाजनक बनाने और उसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी की सामग्री को एकीकृत करता है। इसलिए इसका दृष्टिकोण स्वाभाविक रूप से अंतःविषय है। परिणामस्वरूप, छात्रों को अनुसंधान संगठनों, खाद्य और कपड़ा उद्योगों, आहार अभ्यास, शिक्षा, बाल विकास डोमेन, हरित भवनों की मान्यता, रणनीतिक योजना और संचार प्रौद्योगिकियों में रोजगार मिलता है ।यह पाठ्यक्रम छात्रों को ज्ञान प्राप्त करने की पांच दिशाएं ,जानकारी, और विशेषज्ञता भी प्रदान करता है।

i खाद्य और पोषण

ii मानव विकास और बचपन अध्ययन

iii संसाधन प्रबंधन और डिज़ाइन अनुप्रयोग

iv विकास संचार एवं विस्तार

v कपड़ा और परिधान विज्ञान

बीएससी के गृह विज्ञान (विशेष) पाठ्यक्रम का उद्देश्य इस प्रकार हैं:

1. छात्राओं को ज्ञान, कौशल, और मूल्यपरक दृष्टिकोण से गृह विज्ञान के सभी क्षेत्रों में सामुदायिक कार्य करने में सक्षम बनाना।

2. सिद्धांत और अनुसंधान में वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता और उत्कृष्टता सुनिश्चित करें।

3. छात्राओं को उनकी संबंधित विशेषज्ञता के आधार पर उच्च शिक्षा के लिए तैयार करना ।

4 लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए छात्राओं को विज्ञान की प्रयोगशालाओं से समुदाय तक ले जाने के लिए प्रशिक्षित करना।

बी.एससी. गृह विज्ञान (विशेष) पाठ्यक्रम छात्रों में निम्नलिखित विशेषताओं को विकसित करने और बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा:

1 सीखने के सभी पाँच क्षेत्रों में अनुशासनात्मक ज्ञान

2 समुदाय में विभिन्न संदेश प्राप्त करने और संप्रेषित करने में संचार कौशल

3 अनुसंधान विधियों के प्रति कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव, जो प्रासंगिक और स्पष्ट हो

4 टीम भावना से सहयोग एवं सहभागिता

5 स्वतंत्र रूप से कार्य करने की क्षमता के साथ स्व-निर्देशित शिक्षा

6 विविध सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ में सहजता के साथ बहुसांस्कृतिक क्षमता

7 नैतिक जागरूकता और तार्किकता

8 नेतृत्व की गुणवत्ता और समस्या समाधान के लिए टीमों को संगठित करने और संगठित करने की क्षमता।

विभाग के सदस्य

डॉ .सुखनीत सूरी (शिक्षक प्रभारी) : एम.एससी, पीजीडीडीपीएचएन, पीएच.डी

डॉ. आरुषि जैन: एम.एससी., पीएच.डी

फ्रेंच विभाग

विवेकानन्द महाविद्यालय में फ्रेंच विभाग 2008 में अस्तित्व में आया। फ्रेंच अध्ययन का उद्देश्य लगभग 29 देशों में बोली जाने वाली वैश्विक भाषा का ज्ञान प्राप्त करना है; एक ऐसी भाषा जो दुनिया में दूसरी सबसे ज्यादा सीखी जाने वाली विदेशी भाषा है। फ्रेंच संयुक्त राष्ट्र, नाटो, यूनेस्को, डब्ल्यूएचओ, यूएनएचसीआर और अंकटाड जैसे कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों की आधिकारिक कामकाजी भाषाओं में से एक है।

वैश्वीकृत दुनिया में रहते हुए, कोई भी विदेशी भाषा के महत्व को नजरअंदाज नहीं कर सकता है। बहुभाषी होने से न केवल कैरियर की संभावनाओं में सुधार होता है बल्कि एक नई संस्कृति की समझ भी बढ़ती है और इसके बाद, किसी की सामाजिक और बौद्धिक सीमाएँ बढ़ती हैं। कहने की जरूरत नहीं है, एक विदेशी भाषा का ज्ञान सीखने वाले को बहुराष्ट्रीय वातावरण में एक कदम आगे रखता है।

यहां विवेकानंद कॉलेज में, हम इसके महत्व को स्वीकार करते हैं और बी.ए. में फ्रेंच को मुख्य अनुशासन विषय के रूप में पेश करते हैं। कार्यक्रम. एनईपी के तहत फ्रेंच को केवल माइनर विषय के रूप में चुना जा सकता है। भाषा को बुनियादी स्तर से मध्यवर्ती और उन्नत स्तर तक पढ़ाया जाएगा, जिससे छात्राओं को विशेष रूप से भाषा क्षमताओं और सामान्य रूप से इसके आसपास की विषय वस्तु, जैसे संस्कृति और सभ्यता, अन्य भाषाओं में अनुवाद, साहित्य आदि प्राप्त करने में मदद मिलेगी। फ्रेंच सीखने से पर्यटन उद्योग, आतिथ्य उद्योग, एयरलाइंस, दूतावासों, शिक्षण और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में दुभाषियों और

अनुवादकों के रूप में नौकरी के कई अवसर खुलते हैं। कोई व्यक्ति फ्रेंच भाषा में विशेषज्ञता के साथ भी भारतीय विदेश सेवा परीक्षा में शामिल हो सकता है।

यह कार्यक्रम निम्नलिखित प्रमुख क्षेत्रों को कवर करना है-

1 फ्रेंच भाषा का अध्ययन (बुनियादी स्तर, मध्यवर्ती स्तर और उन्नत स्तर)

2 विशिष्ट उद्देश्यों के लिए भाषा का अध्ययन, जैसे बिजनेस फ्रेंच, पर्यटन के लिए फ्रेंच, अनुवाद आदि।

3 फ्रेंच और फ्रैंकोफ़ोन देशों में जीवन

4 फ्रेंच और फ्रैंकोफ़ोन साहित्य

विभाग के छात्रों ने कॉलेज में एक सांस्कृतिक उत्सव "ला फ्रेन-टैसी" का आयोजन किया। विभिन्न प्रतियोगिताएं, उदा. इस सांस्कृतिक कार्यक्रम के हिस्से के रूप में फ्रेंच कविता पाठ, गायन, पोस्टर-मेकिंग, क्विज़ आदि आयोजित किए गए।

प्राध्यापक सदस्य - सुश्री कनिका कुमार (प्रभारी शिक्षक) एम.ए., एम.फिल.

<u>हिन्दी विभाग</u>

हिंदी विभाग कॉलेज के शुरूआती विभागों में है. स्नातक स्तर पर हिन्दी विशेष की छात्राओं को साहित्य, भाषा और बदलती हुई संस्कृति के विभिन्न पहलुओं की दृष्टि से पारंगत करने का प्रयास किया जाता है. इस लक्ष्य की पूर्ती के लिए विभाग में भाषा और साहित्य, अस्मिता विमर्श, पत्रकारिता, अनुवाद इत्यादि विभिन्न विशेषज्ञताओं के साथ कई संकाय सदस्य हैं. विभाग के सदस्य अपनी शिक्षा-पद्धति में परंपरागत और तकनीक आधारित प्रयोगात्मक माध्यमों का इस्तेमाल करते हैं और छात्राओं को इन माध्यमों की बारीकियों में अपेक्षानुरूप प्रशिक्षित और प्रोत्साहित भी करते हैं. मेंटर व्यवस्था के तहत विभाग के सभी सदस्य छात्राओं से व्यक्तिगत तौर पर जुड़े भी रहते हैं जिससे वे छात्राओं की विभिन्न व्यक्तिगत और अकादमिक समस्याओं का निदान कर उनके सर्वांगीण विकास की ओर प्रेरित कर सकें.

कॉलेज पुस्तकालय में हिंदी भाषा और साहित्य से सम्बंधित विविध विषयों की किताबों की प्रचुर संख्या उपलब्ध है और विभाग द्वारा लगातार इसे और समृद्ध बनाने की कोशिश रहती है. साहित्यिक रुचि और गतिविधियों को परिष्कृत करने के लिए विभिन्न विधाओं के रचनाकार, विशेषज्ञों को बुलाकर, फिल्म स्क्रीनिंग करके छात्राओं के अनुभवों का विस्तार किया जाता है. हिंदी विभाग 'कस्तूरी दीवार-पत्रिका' के माध्यम से नवीन रचनात्मक लेखन- प्रतिभा को प्रोत्साहित करता है. तीनों वर्षों का पाठ्यक्रम जहाँ साहित्य, भाषा इत्यादि के अध्ययन का संस्कार देता है, वहीं पत्रिका उनकी कविता, कहानी इत्यादि रचनात्मक लेखन को अवसर प्रदान करता है. इससे जुड़कर छात्राएं रिपोर्टर, संपादिका और लेखिका की कार्यशैली का अनुभव प्राप्त करती है. इसके अलावा नुक्कड़ नाटक, काव्य- गोष्ठी, वाद- विवाद जैसी

प्रतियोगिताएं छात्राओं को साहित्य एवं कलात्मकता से जोडती हैं. समय- समय पर छात्राओं को विश्वविद्यालय में होने वाली राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लेने का अवसर दिया जाता है और शैक्षणिक यात्राओं का भी आयोजन करता है.

छात्राएं अपने पाठ्यक्रम के ख़त्म होने के बाद अपनी रुचि के अनुरूप भविष्य निर्धारण करने में स्वयं को सक्षम अनुभव करती हैं. व्यावसायिक दृष्टि से मीडिया के विभिन्न माध्यमों, मसलन रेडियो, टी.वी, वेब मीडिया में कंटेंट लेखक, उदघोषक, संपादक अथवा अनुवादक किसी भी क्षेत्र को अपनाकर आगे बढ़ सकती हैं. स्कूल और कॉलेज में अध्यापन का कार्य भी इन छात्राओं के लिए उपलब्ध एक लोकप्रिय विकल्प है. विभिन्न सरकारी उपक्रमों (सरकारी कंपनियों) और बैंकिंग सेक्टर में हिंदी अनुवादक और हिंदी अधिकारी के रूप में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं. इसके अतिरिक्त हिन्दी भाषा और साहित्य जगत में शोध कार्य हेतु भी लोकप्रिय विकल्प उपलब्ध हैं. वर्तमान समय में कई विदेशी कम्पनियां अपने व्यापार का विस्तार करना चाहती हैं और इसके लिए उन्हें हिन्दी प्रशिक्षकों की जरुरत पड़ती है. इसी प्रकार विदेशी राजदूतावासों में भी समय- समय पर हिन्दी प्रशिक्षकों की जरुरत पड़ती है और इस क्षेत्र में अच्छे वेतन का आकर्षण भी रहता है. हिंदी विभाग की अनगिनत पूर्व छात्राएं उपर्युक्त सभी क्षेत्र में लगातार सक्रिय हैं.

संकाय सदस्य

प्रो. सरोज कुमारी	एम.ए., एम.फिल.,पीएचडी., बी.एड.
श्री मुकेश बर्णवाल	एम.ए.,एम.फिल., बी.एड., पीएचडी.
डॉ.योजना कालिया (विभागाध्यक्ष)	एम.ए., एम.फिल., पीएचडी.
डॉ. बबिता जायसवाल	एम.ए., एम.फिल., पीएचडी.
डॉ. मीना पाण्डेय	एम.ए., एम.फिल., पीएचडी.
डॉ. प्रतिभा जैमिनी	एम.ए., एम.फिल., पीएचडी.
डॉ. ओमवीर सिंह	एम.ए., एम.फिल., पीएचडी.
डॉ. शीतल	एम.ए., एम.फिल., पीएचडी.
डॉ. अमित कुमार	एम.ए. , एम.फिल., पीएचडी.
डॉ. उदय सिंह मीना	एम.ए., एम.फिल., पीएचडी.

हिन्दी दिवस और शिक्षक दिवस के अवसर पर कस्तूरी
Report

WELCOME
FRESHERS
स्वागतम्

इतिहास

इतिहास अतीत की कुंजी और भविष्य का प्रवेश द्वार है।

कॉलेज स्तर पर, इतिहास शिक्षण विषयों और भौगोलिक क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला तक फैला हुआ है। हम छात्रों में इतिहास और उसके स्रोतों के अध्ययन के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित करने पर जोर देते हैं। उन्हें विभिन्न दृष्टिकोणों से अतीत का अध्ययन करने और जिस दुनिया में वे रहते हैं उसे ऐतिहासिक प्रक्रियाओं और जागरूक विकल्पों के उत्पाद के रूप में समझने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इतिहास शिक्षण और लेखन एक अंतःविषय दृष्टिकोण की ओर बढ़ गया है, इसलिए इसमें समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र और साहित्यिक अध्ययन जैसे अन्य विषयों के साथ घनिष्ठ सहयोग शामिल है। अपने अध्ययन के कार्यक्रम के दौरान, छात्रों में संचार और प्रस्तुति, तर्क और बहस, टीम वर्क और समय प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण कौशल भी विकसित होते हैं, जो उन्हें कॉलेज के बाद जीवन के लिए तैयार होने में मदद करेंगे। इतिहास का अनुशासन छात्रों के लिए कई संभावनाओं के द्वार खोलता है। शिक्षण और अनुसंधान के अलावा, इतिहास की शिक्षा प्रशासनिक सेवाओं में शामिल होने के उद्देश्य से उपयोगी है। जिन छात्रों के पास कला और मानविकी के क्षेत्रों में कुछ पृष्ठभूमि है, वे कार्टोग्राफी (मानचित्र निर्माण) और एटलस बनाने के क्षेत्र के लिए प्रशिक्षण लेकर इतिहास के अपने अध्ययन का उपयोग भी कर सकते हैं। मास मीडिया और पर्यटन अन्य क्षेत्र हैं जो इतिहास की पृष्ठभूमि वाले छात्रों का स्वागत करते हैं। छात्रों के लिए काम करने के अन्य दिलचस्प स्थान अभिलेखागार और संग्रहालय हैं, जबकि पुरातत्व भी एक दिलचस्प पेशेवर अवसर प्रदान करता है।

पाठ्यक्रम के अलावा, छात्र समय-समय पर हिस्ट्री सोसाइटी - "संस्कृति" द्वारा आयोजित पाठ्येतर गतिविधियों में भी शामिल होते हैं। हमारी सहयोगी स्वर्गीय डॉ. अलका रानी की स्मृति में हर वर्ष एक स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया जाता है। अन्य व्याख्यान/सेमिनार भी आयोजित किए जाते हैं और साथ ही ऐतिहासिक स्थलों की शैक्षिक यात्रा भी आयोजित की जाती है, जो आकर्षक तरीके से हमारे अतीत के बारे में जानने का एक अच्छा अवसर है।

यह पाठ्यक्रम स्नातक विशेषताओं जैसे कल्याण, भावनात्मक स्थिरता, महत्वपूर्ण सोच, सामाजिक न्याय और रोजगार योग्यता कौशल को विकसित करने की पेशकश करता है। बी ० ए इतिहास (विशेष) छात्राओं को शैक्षणिक रूप में आयोजित क्षेत्र में हालिया इतिहास लेखन तक पहुंच प्रदान करता है जो सुलभ और दिलचस्प है। यह एक अंतःविषय पाठ्यक्रम छात्रों के लिए संरचित है, जो उन्हें इतिहास के अनुशासन का संक्षिप्त और संपूर्ण परिचय प्रदान करता है और उनके संज्ञानात्मक अनुशासन के प्रति संवेदनशील रहता है जिसका वे अध्ययन भी कर रहे हैं। यह संचार के तरीकों को खोलने के लिए मानविकी और सामाजिक विज्ञान मेके विषयों के साथ अंतरसंबंधता के कई बिंदु प्रदान करता है जिसके द्वारा एक ऐतिहासिक संवेदनशीलता का एक समृद्ध अनुभव प्राप्त हो सकता है।

विभाग के सदस्य

सुश्री रूपाली वर्मा एम.ए.

प्रो. युथिका मिश्रा एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.

डॉ. स्वाति रंजन चौधरी एम.ए., पीएच.डी.

सुश्री गोपिका भंडारी एम.ए., एम.फिल.

प्रो संध्या शर्मा (प्रभारी शिक्षक) एम.ए., एम.फिल. पीएच.डी. डॉ. रमन कुमार सिंह एम.ए., पीएच.डी.

डॉ. शाहनाज़ बेगम एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.

श्री तुलसी चौहान एम.ए.

गणित विभाग

गणित सभी विज्ञानों में विशिष्ट है क्योंकि ये सभी विषय किसी न किसी तरह से गणित से जुड़े हुए हैं। यह हमारे दैनिक जीवन के सभी क्षेत्रों में लागू होता है। इसका अध्ययन करके व्यक्ति विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण और

कौशल विकसित कर सकता है। यह पाठ्यक्रम गणित में उद्देश्यपूर्ण क्षमताओं और दक्षताओं की समझ विकसित करता है। यह पाठ्यक्रम गणितीय रणनीतियों के मौलिक अनुप्रयोगों से संबंधित है जो सैद्धांतिक गणित की सीमा के बाहर सामान्य अवधारणाओं पर लागू होते हैं। गणित में स्नातक करने वाले लोग किसी समस्या या स्थिति में शामिल सभी धारणाओं पर अपना ध्यान केंद्रित करना सीखते हैं और एक जटिल समस्या को सुव्यवस्थित चरणों की श्रृंखला में तोड़ना सीखते हैं। गणित की अवधारणाएँ हमें तार्किक क्षमता के निर्माण और विश्लेषणात्मक एवं आलोचनात्मक सोच और तार्किक योग्यता की आदत विकसित करने में मदद करती हैं। गणित व्यक्ति को होशियार बनाता है और दूसरों से आगे रखता है। मूलतः, व्यापार जगत में प्रत्येक अच्छे पद के लिए गणित की कुछ समझ की आवश्यकता होती है।

हमारे विभाग की शिक्षण पद्धति गणित, लेटेक्स,एचटीएमएल और एक्सेल जैसे विभिन्न सॉफ्टवेयरों में व्याख्यान, ट्यूटोरियल, प्रस्तुतियाँ और व्यावहारिक को जोड़ती है। छात्रों के पास करने के लिए नियमित लिखित कार्य, परीक्षण, परियोजना कार्य और कई विषयों पर प्रस्तुतियाँ होती हैं। प्रत्येक सेमेस्टर में, छात्रों को व्यावहारिक अभ्यास करना होता है। वे विभिन्न अवधारणाओं की कल्पना करते हैं जैसे कार्यों का ग्राफिकल प्रतिनिधित्व, अंतर समीकरणों को हल करना और गणितीय सॉफ्टवेयर का उपयोग करके कंप्यूटर पर समस्याओं का अनुकूलन। इस तरह, छात्र वास्तव में उन विषयों की कल्पना करते हैं, जिनका उन्होंने सिद्धांत में अध्ययन किया है।

विभाग शैक्षणिक गतिविधियों के साथ पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों के बीच संतुलन बनाने में विश्वास रखता है। विभाग की गतिविधियों की पूरी योजना और कार्यान्वयन छात्रों द्वारा संकाय सदस्यों के परामर्श से किया जाता है। इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं के समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए जिम्मेदारी की भावना, नेतृत्व गुण, टीम प्रबंधन और इवेंट मैनेजमेंट का व्यावहारिक अनुभव पैदा करना है। बीएससी गणित (विशेष) का उद्देश्य आलोचनात्मक, तार्किक और विश्लेषणात्मक रूप से सोचने की क्षमता विकसित करना है और इसलिए रोजमर्रा की जिंदगी में गणितीय तर्क का उपयोग करना है। गणित में डिग्री हासिल करने से छात्रों को शिक्षा, अनुसंधान, सरकारी क्षेत्र, व्यापार क्षेत्र और उद्योग में करियर की तैयारी में मूल्यवान विचारों से परिचित कराया जाएगा। बी.एससी. गणित (विशेष) कार्यक्रम शास्त्रीय कैलकुलस और बीजगणित से लेकर आधुनिक क्रिप्टोग्राफी, सूचना सिद्धांत और नेटवर्क सुरक्षा तक गणित की पूरी श्रृंखला को कवर करता है। यह पाठ्यक्रम विशेष रूप से गणित के लिए कैलकुलस, वास्तविक और जटिल विश्लेषण, सार बीजगणित, विभेदक समीकरण (गणितीय मॉडलिंग सहित), संख्या सिद्धांत, ग्राफ सिद्धांत और संभाव्यता और सांख्यिकी की एक संरचित नींव रखता है।

गणित एक व्यापक विषय है जो बड़ी संख्या में नौकरियां प्रदान करता है। इसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रवेश को सक्षम बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। गणित की डिग्री वाले लोगों की कई क्षेत्रों में मांग है। कुछ संभावित करियर अवसर इस प्रकार हैं:

1 अकाउंटेंसी और व्यावसायिक सेवाएँ

2 रसायन और दवा निर्माता

3 सॉफ्टवेयर विकास कंपनियाँ

4 अनुसंधान और विकास फर्म

5 बीमांकिक पेशा

6 एयरलाइंस और अन्य परिवहन कंपनियां

7 बैंकिंग - निवेश बैंकिंग, खुदरा बैंकिंग

8 कंप्यूटिंग और आईटी

9 सामान्य प्रबंधन

10 आपरेशनल रिसर्च

11 स्नातकोत्तर अध्ययन - एमएससी और पीएच.डी

12 सांख्यिकीय अनुसंधान

13 शिक्षण संस्थानों

विभाग के सदस्य

श्रीमती अंजू नागपाल एम.एससी., एम.फिल.
श्रीमती अनीता बख्शी (प्रभारी शिक्षिका) एम.एससी., एम.फिल.

श्रीमती सीमा तनेजा एम.ए., एम.फिल.

डॉ. संध्या जैन एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.

डॉ. शिवानी दुबे एम.एससी., पीएच.डी.

श्रीमती प्रीति छाछिया एम.ए.

श्री अरबिंद कुमार एम.एससी., एम.टेक.

डॉ. रितिका नागपाल एम.एससी., पीएच.डी.

संगीत

संगीत भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का एक अभिन्न अंग है। कॉलेज में हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत (गायन) को बी.ए. में एक अनुशासन विषय के रूप में प्रस्तावित किया जा रहा है। संगीत एक अनूठा और विशिष्ट विषय है जिसमें सिद्धांत के साथ-साथ व्यावहारिक घटक (प्रदर्शन/मौखिक परीक्षा) दोनों शामिल हैं। भारतीय शास्त्रीय संगीत के विकास, सदियों से इसके इतिहास, संगीत प्रणालियों और विभिन्न रूपों के ज्ञान के बारे में सामान्य अध्ययन को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत डिजाइन किए गए संगीत पाठ्यक्रमों में शामिल किया गया है। संगीत विभाग छात्राओं को भारतीय संगीत की समृद्ध विरासत और विविध शैलियों के बारे में जागरूक करने के लिए व्याख्यान, संगीत कार्यक्रम/कार्यशालाएं और विभिन्न इंटरैक्टिव कार्यक्रम भी आयोजित करता है। एक विषय (सिद्धांत और प्रदर्शन) के रूप में संगीत का अध्ययन छात्रों को हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की उत्पत्ति, विकास और प्रचलित रूपों से परिचित कराएगा। दुनिया भर में संगीत उद्योग में तेजी से विकास के साथ, इच्छुक छात्र प्रदर्शन, रचना, संगीत शिक्षा, फिल्मों और वृत्तचित्रों के लिए संगीत निर्माण और संगीत पत्रकारिता में एक आकर्षक करियर बना सकते हैं।

विभाग के सदस्य

प्रो. नीता माथुर (प्रभारी शिक्षक) एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.

डॉ. दीपा वार्ष्णेय एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.

श्री मुजीब हिलाल तबला संगतकार

राजनीति विज्ञान

राजनीति विज्ञान विभाग कॉलेज के सबसे पुराने विभागों में से एक है। राजनीति विज्ञान (विशेष) पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को न केवल रोजगार के लिए बल्कि एक जागरूक नागरिक के रूप में जीवन के लिए तैयार करता है और विश्लेषणात्मक और पेशेवर कौशल विकसित करने में मदद करना है। राजनीति विज्ञान का अध्ययन सार्वजनिक, निजी और गैर-लाभकारी निजी क्षेत्रों में नौकरी के व्यापक अवसर खोल सकता है। यह छात्राओं को सरकारी, संस्थागत और राजनीतिक व्यवहार पर एक ठोस पृष्ठभूमि प्रदान करता है। ऑनर्स कार्यक्रम छात्रों को विभिन्न दृष्टिकोणों का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित करके महत्वपूर्ण कौशल विकसित करने के माध्यम से पत्रकारिता और कानून से लेकर कैरियर विकल्पों के व्यापक स्पेक्ट्रम को अपनाने में मदद करता है। बी.ए. में राजनीति विज्ञान को एक अनुशासन विषय के रूप में भी पेश किया जाता है।

छात्राएं विभाग द्वारा आयोजित समसामयिक मुद्दों, क्विज़, व्याख्यान या सेमिनारों पर बहस के माध्यम से पूरे वर्ष विभिन्न शैक्षणिक और सह-पाठयक्रम गतिविधियों में शामिल होती हैं। विभाग द्वारा संसद/राष्ट्रपति भवन की शैक्षणिक यात्राएं भी आयोजित की जाती हैं।

बी ए राजनीति विज्ञान (विशेष) का उद्देश्य छात्रों को राजनीति के उन प्रश्नों को प्रस्तुत करने के तरीके से अवगत कराना है, जिनका समाज में विचार और अस्तित्व के अधिक महत्वपूर्ण प्रश्नों पर प्रभाव पड़ता है और जिन तरीकों से इसे हल किया जाता है। विभिन्न परंपराओं के दार्शनिकों का परिचय देकर, छात्र कुछ बुनियादी राजनीतिक सवालों के जवाब दे सकते हैं: हम राजनीतिक समुदायों में क्यों रहते हैं? सरकार का सर्वोत्तम स्वरूप क्या है? मानव स्वभाव राजनीतिक निर्णय लेने को कैसे प्रभावित करता है? हमें अक्षम शासकों का विरोध कैसे और किन परिस्थितियों में करना चाहिए? पाठ्यक्रम के अंत तक, छात्र आधुनिकता के विचार को समझने और आधुनिकता के माध्यम से उत्पन्न सामाजिक परिवर्तनों और इसके निर्धारित राजनीतिक सुझावों के बीच संबंध स्थापित करने में सक्षम होते हैं।

विभाग के सदस्य

डॉ. अंजना कुमारी एमए, एम.फिल, पीएच.डी
डॉ. सुनीता एमए, एम.फिल, पीएच.डी
डॉ. मुस्कान एम.ए., एम.फिल.,पी.एच.डी. सुश्री प्रिया शर्मा (प्रभारी शिक्षक) एम.ए., एम.फिल
डॉ. गार्गी सेनगुप्ता एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
श्री जसपरताप सिंह

संस्कृत

विश्व की प्राचीनतम भाषाओं में से एक संस्कृत भाषा है, संस्कृतको देववाणी भी कहा जाता है। समस्त ज्ञान, विज्ञान, सभ्याचार एवं जीवन दर्शन संस्कृत वाङमय में निबद्ध है। इस भाषा के अध्ययन के पश्चात अध्येता को शास्त्र-ज्ञान, वेद-विद्या, भारतीय-दर्शन, संस्कृत साहित्य को समझने में सहायता मिलती है। इसके अतिरिक्त संस्कृत अध्ययन रोजगार के अनेकविध अवसर प्रदान करता है। इससे योग, आयुर्वेद, ज्योतिषशास्त्र, वास्तुशास्त्र में कैरियर बनाने में सहायता मिलती है। पुरातत्व, संग्रहालय

विज्ञान एवं पांडुलिपिविज्ञान संबंधी क्षेत्रों में कार्य करने के लिए संस्कृत-अध्ययन प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सहायक है। जन-सामान्य के मध्य संस्कृत-भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए बहुविध संगठन क्रियाशील हैं, जहां बड़ी संख्या में संस्कृत-प्रशिक्षकों की आवश्यकता रहती है।

विवेकानंद महाविधालय में संस्कृत विषय ऑनर्स स्तर पर एवं बी॰ ए॰ प्रोग्राम में एक प्रमुख विषय के रूप में पढ़ाया जाता है। संस्कृत एम॰ए॰ की छात्राओं को भी महाविद्यालय में प्रवेश की सुविधा उपलब्ध है। शोध कार्य में रुचि रखने वाली छात्राएँ भी इस विषय का चुनाव कर विविध क्षेत्रों में कार्य करने में सक्षम होती है।

वर्तमान युग में संस्कृत विश्व अध्ययन के साथ-साथ विविध क्षेत्रों में सफलता के नए आयाम खोलता है। तुलनात्मक भाषा का अध्ययन करने वाले भी इसे पढ़कर अनेकविध शोध कार्य करते है। पत्रकारिता को करने वाली छात्राओं को भी संस्कृत विशेष का अध्ययन लाभकर है। विदेश में भी संस्कृत के विद्यार्थी कार्य करने में सक्षम है।

विभाग के सदस्य

डॉ॰ धनपति देवी कश्यप (विभागाध्यक्षा	एम॰ ए॰, एम॰ फिल॰, पीएच॰ डी॰
डॉ. कामिनी तनेजा	एम॰ ए॰, पीएच॰ डी॰
डॉ. दिलीप कुमार जैस्वाल	एम॰ ए॰, एम॰ फिल॰, पीएच॰ डी॰
डॉ. रतीश चंद्र झा	एम॰ ए॰, एम॰ फिल॰, पीएच॰ डी॰
डॉ. प्रीती श्रीवास्तव	एम॰ ए॰, एम॰ फिल॰, पीएच॰ डी॰

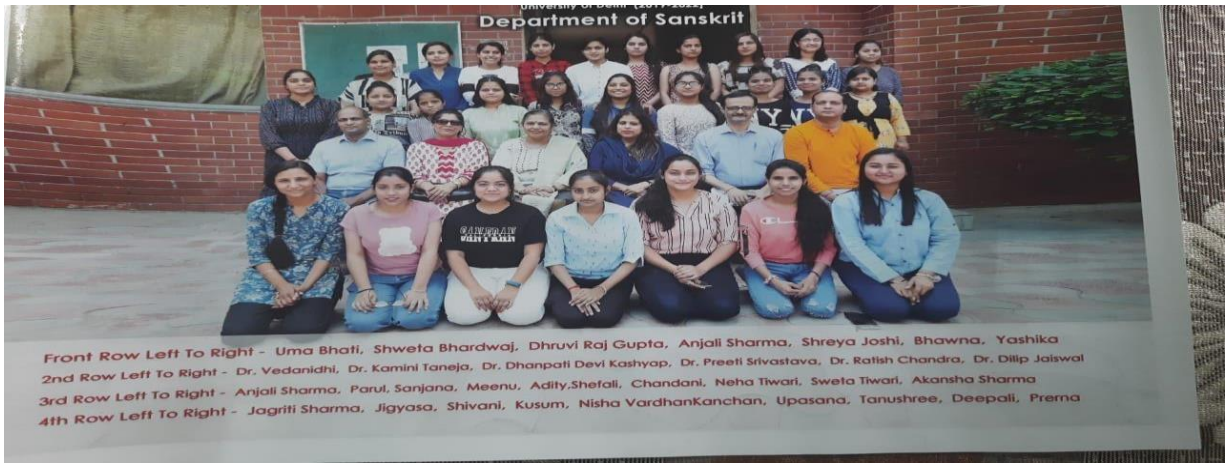

ऐड-ऑन-प्रोग्राम

आज के चुनौती पूर्ण दुनिया में युवा महिलाओं के समग्र विकास और कौशल निर्माण के माध्यम से उनके सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए, कॉलेज ने कई एड-ऑन कार्यक्रम चलाए हैं। ये कार्यक्रम करियर के अवसरों को बढ़ाते हैं और युवा महिलाओं के लिए नए रास्ते खोलते हैं, खासकर उन महिलाओं के लिए जो वंचित पृष्ठभूमि से आती हैं लेकिन जीवन में अपनी पहचान बनाने का दृढ़ संकल्प रखती हैं। कॉलेज में निम्नलिखित ऐड-ऑन पाठ्यक्रम चलाएं जाते हैं-

i अनुवाद और तत्काल भाषांतरण

ii हिंदी पत्रकारिता

iii स्पोकन इंग्लिश में प्रवीणता

Iv जर्मन भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स

अनुवाद और तत्काल भाषांतरण यूजीसी द्वारा प्रायोजित प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम है जो कॉलेज द्वारा चलाए जाते है जिसमें 3-4 महीने की अवधि में 30 व्याख्यान होते हैं, जिसके बाद ढाई घंटे की परीक्षा होती है। इसमें एसओएल, एनसीडब्ल्यूईबी और अन्य कॉलेजों के छात्र भी आवेदन कर सकते हैं। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य अनुवाद सिद्धांतों , कक्षा में असाइनमेंट और कक्षा परीक्षणों पर ध्यान देने के साथ-साथ छात्रों को अंतर-भाषा अनुवाद, विशेष रूप से हिंदी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से हिन्दी में प्रशिक्षण देना होता है। यह पाठ्यक्रम छात्रों को अनुवाद के क्षेत्र में नौकरी के पर्याप्त अवसर प्रदान करता है।

हिंदी पत्रकारिता यूजीसी द्वारा वित्त पोषित 4 महीने का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की तकनीक से परिचित कराना और उसी क्षेत्र में संभावित करियर के लिए उनके कौशल को निखारना है। कॉलेज के भीतर और बाहर के जाने-माने मीडियाकर्मी और संकाय सदस्य व्याख्यान देते हैं। इस पाठ्यक्रम की अवधि 4 महीने है, जिसमें 24 व्याख्यान शामिल हैं। कक्षाएं सप्ताह में दो बार आयोजित की जाती हैं, प्रत्येक कक्षा 90 मिनट की होती है। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए किसी मान्यता प्राप्त शैक्षणिक बोर्ड से 10+2 की परीक्षा पास होना आवश्यक है है। स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) और गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी) के छात्र भी के लिए पाठ्यक्रम आवेदन कर सकते हैं।

स्पोकन इंग्लिश में प्रवीणता कॉलेज द्वारा प्रस्तावित एक यूजीसी अनुमोदित ऐड-ऑन प्रोग्राम है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य नौकरी के साक्षात्कार, समूह चर्चा, भाषण और अन्य दैनिक व्यवहारों पर स्पष्ट ध्यान देने के साथ अंग्रेजी में छात्रों के संचार कौशल को निखारना है। गैर-अंग्रेजी पृष्ठभूमि के छात्र इस पाठ्यक्रम का मुख्य केंद्र हैं क्योंकि इससे उन्हें अंग्रेजी बोलने का कौशल हासिल करने और आत्मविश्वास हासिल करने में मदद मिलती है।

जर्मन भाषा में प्रमाणपत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रम *: कॉलेज एक स्व-वित्तपोषित, अंशकालिक प्रमाणपत्र और जर्मन भाषा में एक डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रस्तावित करता है। ये पाठ्यक्रम अपने छात्रों को कौशल ज्ञान प्रदान करते हैं और उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाते हैं। ये कार्यक्रम जर्मनिक और रोमांस अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध हैं और प्राप्त आधिकारिक दिशानिर्देशों के अनुसार चलाए जाते हैं। कार्यक्रम दिल्ली विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुसार वार्षिक परीक्षा के साथ वार्षिक मोड में चलाए जाते हैं। सफल छात्र अपने प्रमाणित दस्तावेज़ कॉलेज कार्यालय से प्राप्त करते हैं - जब भी दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा जारी किया जाता है।

जिन उम्मीदवारों ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली की सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा (10+2) या उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त परीक्षा कम से कम 45% अंकों के साथ उत्तीर्ण की है, वे आवेदन करने के लिए पात्र हैं। सीटों की कुल संख्या 60 तक सीमित है और प्रवेश 10+2 के अंकों के आधार पर योग्यता के क्रम में किया जाएगा। कक्षाएं नियमित कक्षाओं के बाद दोपहर में आयोजित की जाती हैं। सप्ताह में कुल 6 घंटे की परीक्षा होगी.

डिप्लोमा कार्यक्रम केवल उन छात्रों को पेश किया जाएगा जिन्होंने जर्मन भाषा में प्रमाणपत्र कार्यक्रम पूरा कर लिया है।

इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के संबंध में अधिसूचना अगस्त महीने में कॉलेज नोटिस बोर्ड और कॉलेज की वेबसाइट पर अस्थायी रूप से प्रदर्शित की जाएगी।

कानूनी जागरूकता एक और अल्पकालिक ऐड-ऑन कार्यक्रम है जिसे कॉलेज समय-समय पर दिल्ली राज्य कानूनी प्राधिकरण (डीएसएलए) के सहयोग से चलाता है।

***कृपया ध्यान दें कि ये पाठ्यक्रम छात्रों की उपलब्धता के अनुसार चलेंगे।**

छात्र जीवन

राष्ट्रीय सेवा योजना

कॉलेज में एन.एस.एस. नामक संगठन सक्रिय है। वह संगठन जो पूरे वर्ष गतिविधियाँ चलाता है, और छात्राओं में सेवा और त्याग के आवश्यक गुणों को विकसित करने में मदद करता है। यह समाज के कल्याण में रुचि रखने वाले छात्रों का एक स्वैच्छिक निकाय है। यह खेल और युवा मामलों के मंत्रालय द्वारा प्रायोजित है। गतिविधियाँ एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन में कॉलेज और सामुदायिक स्तर पर आयोजित की जाती हैं। समय-समय पर पड़ोसी गांवों में कार्य शिविर आयोजित किये जाते हैं। शहरी क्षेत्रों में, सामाजिक संस्थानों, प्रशिक्षण संस्थानों, अस्पतालों आदि का दौरा आयोजित किया जाता है। परिसर के अंदर, रक्तदान, स्वच्छता और स्वास्थ्य शिक्षा अभियान नियमित आधार पर आयोजित किए जाते हैं।

कार्यक्रम अधिकारी: डॉ. शुभाश्री बोस

खेल

कॉलेज उन छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करता है जो विभिन्न खेलों में भाग लेने के इच्छुक हैं। छात्र विशिष्टता हासिल करते हैं और उनमें से कई अंतर-विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय खेलों के लिए चुने जाते हैं। कॉलेज निम्नलिखित खेलों में अवसर प्रदान करता है: एथलेटिक्स, हॉकी, तीरंदाजी, नेटबॉल, सॉफ्टबॉल, तायक्वोंडो। कॉलेज अतिरिक्त-भित्तिचित्र आयोजित करता है जहां टीमें अंतर-कॉलेज, अंतर-राज्य और अंतर-विश्वविद्यालय स्तर और अखिल भारतीय राष्ट्रीय, महिला महोत्सव आदि प्रतियोगिताओं में भाग लेती हैं और जीतती हैं। उपरोक्त प्रतियोगिताओं में विशिष्टता हासिल करने वाले छात्रों को पुरस्कार दिया जाता है। खेल दिवस और वार्षिक दिवस।

हर साल एक उत्साहपूर्ण खेल दिवस आयोजित किया जाता है, जिसमें कॉलेज के सभी छात्र, शिक्षक और कर्मचारी उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं।

जो छात्र अंतर-कॉलेज प्रतियोगिताओं, अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में कॉलेज का प्रतिनिधित्व करते हैं, वे स्नातक कार्यक्रम पूरा करने के बाद निम्नलिखित कार्य कर सकते हैं:

शारीरिक शिक्षा में डिप्लोमा (2 वर्ष)

एन.एस.एन.आई.एस. कोचिंग में डिप्लोमा (1 वर्ष)

शारीरिक शिक्षा में मास्टर (शारीरिक शिक्षा में डिप्लोमा पूरा करने के बाद 2 वर्ष)

अपना डिप्लोमा पूरा करने के बाद छात्र विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं जैसे स्कूल और कॉलेजों में पढ़ाना, जिम संचालन, संबंधित खेलों में एक विशेष कोच बनना आदि।

शैक्षणिक सोसायटी

कॉलेज के प्रत्येक विभाग की अपनी सोसायटी है जो कॉलेज/अंतर-कॉलेज/अंतर-विश्वविद्यालय स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन करके रचनात्मक सोच के लिए एक मंच प्रदान करती है।

छात्राओं की संपूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए, छात्राओं को कक्षा शिक्षण के अलावा, उनकी विविध प्रतिभा का पता लगाने के लिए पूरे वर्ष सक्रिय रूप से प्रेरित किया जाता है। प्राथमिक उद्देश्य नृत्य, वाद-विवाद, संगीत, कला और शिल्प, प्रश्नोत्तरी, फोटोग्राफी, फैशन, पर्यावरण जागरूकता और रचनात्मक लेखन सहित विभिन्न गतिविधियों का पोषण और मंच प्रदान करना है। जीवंत सांस्कृतिक माहौल का हमारी छात्राओं के व्यक्तित्व पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। वे भाग लेती हैं और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के मूल्यों की सराहना करना सीखती हैं। ये सांस्कृतिक गतिविधियाँ उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद करती हैं क्योंकि वे दीवारों से परे सीखते हैं और टीम वर्क, प्रबंधन और संगठन के सबक सीखते हैं। कॉलेज निम्नलिखित सोसाइटियों के माध्यम से सांस्कृतिक गतिविधियों की एक श्रृंखला प्रदान करता है।

कॉलेज पत्रिका और दीवार पत्रिका

ईशा कॉलेज पत्रिका, जो अपनी बहुभाषिता के लिए उल्लेखनीय है, हर साल निकाली जाती है और छात्रों को अंग्रेजी, हिंदी, फ्रेंच और संस्कृत में अपनी रचनात्मकता व्यक्त करने का अवसर देती है। यह उभरते कवियों, कहानीकारों और निबंधकारों को अपने रचनात्मक आग्रहों को अभिव्यक्ति देने का मौका देता है। इसके अलावा, छात्राओं को छात्र संपादक, चित्रकार आदि बनने का अवसर भी प्रदान किया जाता है।

कस्तूरी कॉलेज के हिंदी विभाग की एक पहल है और रचनात्मक लेखन को प्रोत्साहित करती है। यह मंच छात्राओं को विभिन्न विषयों पर आत्म-अभिव्यक्ति और चर्चा के अवसर प्रदान करता है। इसकी सर्वोत्तम प्रविष्टियों को ईशा में शामिल किया जाता है।

महिला विकास प्रकोष्ठ

महिला विकास प्रकोष्ठ का उद्देश्य छात्राओं को समूह चर्चा, वाद-विवाद, पेपर प्रस्तुतियों, थिएटर और कार्यशालाओं आदि के माध्यम से विभिन्न समसामयिक राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

छात्र संघ (सांस्कृतिक परिषद सहित)

छात्र संघ एक सक्रिय संगठन है, जो शिक्षकों की एक समिति के मार्गदर्शन से, शैक्षिक दौरों, सांस्कृतिक गतिविधियों, शैक्षणिक गतिविधियों और मिलन समारोहों के माध्यम से छात्रों में सर्वश्रेष्ठ विकसित करने के लिए तैयार की गई विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में प्रभावी नेतृत्व प्रदान करता है। अंतर-कॉलेज शीतकालीन उत्सव पल्लवी छात्रों की विविध प्रतिभाओं और उत्साह को प्रदर्शित करता है और छात्र संघ द्वारा आयोजित गतिविधियों का उच्च बिंदु है। कॉलेज का छात्र संघ दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ से संबद्ध है।

आर्ट एंड क्राफ्ट सोसाइटी - कलाकृति: छात्राओं को हस्तशिल्प और कलाकृतियाँ बनाने के लिए ड्राइंग, पेंटिंग, स्केचिंग आदि सहित अपने विभिन्न कौशल का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। उनके काम को कॉलेज के कार्यक्रमों के दौरान प्रदर्शित किया जाता है। ऐसे आयोजनों के लिए कॉलेज को सजाने की जिम्मेदारी भी इन्हीं छात्रों की होती है।

क्रिएटिव राइटिंग सोसाइटी_- एहसास: हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छात्रों की लेखन प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए लघु कहानी/कविता/एकालाप लेखन सहित कई प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। चयनित लेख कॉलेज पत्रिका में भी प्रकाशित होते हैं।

वाद-विवाद सोसायटी - महत्वाकांक्षी, बुद्धिजीवी छात्राओं को वक्तृत्व कौशल में तैयार किया जाता है ताकि वे तार्किक रूप से सोचने और अपने तर्क को व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत करने में सक्षम हो सकें।

इको क्लब - इको क्लब 26 फरवरी, 2021 को अस्तित्व में आया और छात्राओं समुदाय के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए पर्यावरण और सतत विकास के क्षेत्र में काम कर रहा है।

एक्टस - टीम एक्टस उद्यमिता की शक्ति के साथ वंचित लोगों को बदलने के लिए सामाजिक आउटरीच परियोजनाएं शुरू करती है। विवेकानन्द कॉलेज की एनेक्टस टीम का दृष्टिकोण समुदायों को स्थायी तरीके से सशक्त बनाना और प्रेरणा की तलाश करना, एक बेहतर दुनिया बनाना और दूसरों को एक उज्ज्वल दृष्टिकोण प्रदान करना है।

उद्यमिता सेल - कॉलेज ने छात्रों में मानसिकता बनाने और छोटे पैमाने पर व्यवसाय शुरू करने के बारे में कौशल और जानकारी प्रदान करने के लिए एक उद्यमिता सेल की स्थापना की है।

फैशन सोसायटी: यह एक अलग फैशन सोसायटी है, जो शरीर और कपड़ों के बारे में रूढ़िवादिता को तोड़ती है। थीम में वन्यजीवों को बचाना, अपशिष्ट का पुनर्चक्रण करना शामिल है

फिल्म सोसायटी - सिने-क्रेज: छात्रों को फिल्म निर्माण की कला और शिल्प के बारे में जानकारी देने और सराहना के लिए कॉलेज परिसर में नियमित रूप से स्क्रीन फिल्में/वृत्तचित्र/लघु क्लिप प्रसारित की जाती हैं।

फाइनेंसियो - इस सोसायटी का उद्देश्य छात्रों को सामान्य हित के वित्तीय मामलों पर ज्ञान प्रदान करना है

क्रिएटिव राइटिंग सोसाइटी - एहसास: हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छात्रों की लेखन प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए लघु कहानी/कविता/एकालाप लेखन सहित कई प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। चयनित लेख कॉलेज पत्रिका में भी प्रकाशित होते हैं।

वाद-विवाद सोसायटी - महत्वाकांक्षी बुद्धिजीवी: इच्छुक छात्रों को वक्तृत्व कौशल में तैयार किया जाता है ताकि वे तार्किक रूप से सोचने और अपने तर्क को व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत करने में सक्षम हो सकें।

इको क्लब - इको क्लब 26 फरवरी, 2021 को अस्तित्व में आया और छात्रों और समुदाय के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए पर्यावरण और सतत विकास के क्षेत्र में काम कर रहा है।

एक्टस - टीम एक्टस उद्यमिता की शक्ति के साथ वंचित लोगों को बदलने के लिए सामाजिक आउटरीच परियोजनाएं शुरू करती है। विवेकानन्द कॉलेज की एनेक्टस टीम का दृष्टिकोण समुदायों को स्थायी तरीके से सशक्त बनाना और प्रेरणा की तलाश करना, एक बेहतर दुनिया बनाना और दूसरों को एक उज्ज्वल दृष्टिकोण प्रदान करना है।

उद्यमिता सेल - कॉलेज ने छात्रों में मानसिकता बनाने और छोटे पैमाने पर व्यवसाय शुरू करने के बारे में कौशल और जानकारी प्रदान करने के लिए एक उद्यमिता सेल की स्थापना की है।

भारतीय शास्त्रीय नृत्य सोसायटी - नृत्यम: छात्रों के बीच विभिन्न भारतीय शास्त्रीय नृत्य रूपों की समझ विकसित करना और उनकी सराहना करना है।

भारतीय लोक नृत्य सोसायटी - थिरकन: भारत के जीवंत कई लोक नृत्यों का छात्रों द्वारा अभ्यास और प्रदर्शन किया जाता है।

इंडियन म्यूजिक सोसाइटी - ध्वनि: भारतीय संगीत की विविध शैलियों जैसे भारतीय शास्त्रीय, हिंदुस्तानी गायन, कव्वाली, सूफी और बॉलीवुड से संबंधित है।

इंफॉर्मेटिका - आईटी सोसायटी: इंफॉर्मेटिका विवेकानंद कॉलेज की तकनीकी सोसायटी है जो 26 फरवरी, 2021 को अस्तित्व में आई और विभिन्न कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का आयोजन करके सूचना

प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में छात्रों को नए अवसर प्रदान करने के लिए काम कर रही है। साथ ही सामाजिक, भावनात्मक और बौद्धिक कामकाज को भी बढ़ाना है।

कैरा (योग) – समाज योग की प्राचीन भारतीय कला/विज्ञान के अभ्यास के माध्यम से शारीरिक और मानसिक कल्याण को बढ़ावा देता है।

ओपन माइक – इस सोसायटी का लक्ष्य प्रत्येक छात्र को किसी भी विषय पर अपनी राय व्यक्त करने का मौका देना है। इसका उद्देश्य छात्राओं को मंच-भय से मुक्त करना और सार्वजनिक बोलने के लिए आत्मविश्वास पैदा करना है।

फ़ोटोग्राफ़ी सोसाइटी – क्लिक-ओ-मेनिया: यह छात्राओं के परिप्रेक्ष्य को बदलने का प्रयास करता है और उन्हें अपने फोटोग्राफी कौशल और इसकी सराहना में प्रतिबिंबित करने में सहायता करता है। यह सोसायटी फोटोग्राफी पर प्रतियोगिताएं, प्रदर्शनियां और कार्यशालाएं भी आयोजित करती है।

क्विज़ सोसाइटी – छात्राओं को ज्ञान की विस्तृत श्रृंखला से परिचित कराने के लिए कई विषयों पर क्विज़ आयोजित की जाती हैं।

स्पिक मैके – इस राष्ट्रव्यापी आंदोलन का उद्देश्य विभिन्न कलाओं के शास्त्रीय और लोक रूपों की समृद्ध भारतीय विरासत के बारे में जागरूकता और सराहना को बढ़ावा देना है।

नुक्कड़ नाटक (नुक्कड़ नाटक) – बुनियाद: छात्र जागरूकता पैदा करने के लिए महत्वपूर्ण समसामयिक समस्याओं पर नुक्कड़ नाटक तैयार करते हैं और प्रदर्शन करते हैं। छात्राओं के लिए पाठ और सत्र आयोजित करने के लिए थिएटर और अभिनय प्रशिक्षकों को भी आमंत्रित किया जाता है।

टेड एक्स – यह एक थीम चुनकर और अपने विचारों को साझा करने के लिए प्रेरक वक्ताओं की एक आकाशगंगा को एक साथ लाकर फैलाने लायक विचारों को बढ़ावा देता है।

वेस्टर्न डांस सोसाइटी – जीवंत: छात्र कई समकालीन नृत्य रूपों को शामिल करते हुए नृत्य दिनचर्या का अभ्यास और प्रदर्शन करते हैं।

वेस्टर्न म्यूजिक सोसाइटी (वाइब्स): छात्राओं को वाद्य और स्वर पश्चिमी संगीत की सराहना करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

विवेकानन्द सोसायटी – कॉलेज की विवेकानन्द सोसायटी भारत के महान विचारक और दार्शनिक स्वामी विवेकानन्द के जीवन, शिक्षाओं और दर्शन पर आधारित व्याख्यान, प्रस्तुतियाँ और संवादात्मक चर्चाएँ आयोजित करती है।

स्पिक मैके: युवाओं के बीच भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए यह एक ऐसा संगठन है जो छात्राओं को प्रसिद्ध कलाकारों के व्याख्यानों, संगीत कार्यक्रमों और विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से शास्त्रीय संगीत, नृत्य, नाटक, मूर्तिकला, चित्रकला, फिल्मों, हेरिटेज वॉक आदि की प्राचीन परंपराओं के प्रति जागरूक और परिचित कराकर उन्हें उनकी जड़ों की ओर वापस खींचता है। ये समाज अंतर-कॉलेज/विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं, इंट्रा-कॉलेज और अंतर-कॉलेज कार्यक्रम आयोजित करते हैं और प्रत्येक कॉलेज के कार्य को बेहद सफल बनाने के लिए भारी प्रयास करते हैं। प्रत्येक समाज संकाय सदस्यों द्वारा निर्देशित होता है।

कॉलेज महोत्सव: पल्लवी

पल्लवी – कॉलेज शीतकालीन उत्सव एक वार्षिक विशेषता है, जो छात्रों को विभिन्न तरीकों से अपनी व्यक्तिगत प्रतिभाओं का पता लगाने के लिए एक मंच प्रदान करता है। विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियाँ जैसे नृत्य, संगीत, पेंटिंग, कोलाज बनाना, एक्सटेम्पोर, क्विज़, भित्तिचित्र, फैशन शो आदि छात्रों के लिए बहुत आनंद का स्रोत हैं।

* प्रत्येक सोसायटी में छात्राओं की पर्याप्त संख्या होती है जो शिक्षक निर्देशिका और छात्र नेतृत्व में कार्य करती है।

छात्रवृत्ति

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार आरक्षित वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों और निम्न आय वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करती है।

कॉलेज छात्रवृत्ति (वार्षिक दिवस पर) : निम्नलिखित छात्रवृत्तियाँ प्रतिवर्ष छात्रों को दी जाती हैं। संस्थान प्राधिकारी की सिफारिश के आधार पर छात्रवृत्ति के मानदंड, उपलब्धता और राशि को बदला जा सकता है।

गीतिका नागपाल खुराना छात्रवृत्ति (2006 में स्थापित)

यह छात्रवृत्ति तृतीय वर्ष के ऑनर्स छात्र को दी जाती है, प्रत्येक विषय से एक (बी.कॉम. ऑनर्स को छोड़कर), द्वितीय वर्ष की विश्वविद्यालय परीक्षा में उच्चतम अंकों के आधार पर। यह द्वितीय वर्ष के अंग्रेजी (एच) के छात्र को प्रथम वर्ष की विश्वविद्यालय परीक्षा में उच्चतम अंकों के आधार पर भी दिया जाता है।

सुनीति गोयल मेमोरियल पुरस्कार (2006 में स्थापित)

यह छात्रवृत्ति हिंदी (ऑनर्स) तृतीय वर्ष की विश्वविद्यालय परीक्षा में टॉप करने वाली छात्रा को दी जाती है।

श्री जे.एन. सेठ मेमोरियल अवार्ड (2008 में स्थापित)

बी.ए. तृतीय वर्ष के जरूरतमंद एवं मेधावी विद्यार्थी को मात्र 5000/- रूपये दिये जाते हैं। इसके लिए उस छात्रा को द्वितीय वर्ष की विश्वविद्यालय परीक्षा के अंकों के आधार पर न्यूनतम 55% अंक प्राप्त करने के साथ-साथ अपने सभी पेपर पास करने चाहिए।

प्रो. वी.के. डबलिश मेमोरियल अवार्ड (2008 में स्थापित)

अंग्रेजी (ऑनर्स) तृतीय वर्ष के उस छात्रा को वार्षिक पुरस्कार दिया जाता है जिसके 4 सेमेस्टर के संयुक्त अंक सबसे अधिक हैं।

नमन और मेहान आहुलुवालिया छात्रवृत्ति (2008 में स्थापित)

छात्रवृत्ति एप्लाइड साइकोलॉजी (ऑनर्स) तृतीय वर्ष के छात्र को द्वितीय वर्ष की विश्वविद्यालय परीक्षा में उच्चतम अंकों के आधार पर दी जाती है।

एस. नीला मेमोरियल स्कॉलरशिप (2009 में स्थापित)

यह छात्रवृत्ति बी.ए. के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी को दी जाती है। बी.ए. (प्रो.) द्वितीय वर्ष से जिसने संगीत में प्रथम वर्ष की परीक्षा में उच्चतम अंक प्राप्त किए हों या जिसे संगीत विभाग के प्रभारी शिक्षक की अनुशंसा प्राप्त हो ।

सुल्तान चंद द्रोपदी देवी मेमोरियल छात्रवृत्ति (2010 में स्थापित)

यह छात्रवृत्ति बी.कॉम (ऑनर्स) तृतीय वर्ष के छात्र को दी जाती है, जिसने बी.कॉम (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष की विश्वविद्यालय परीक्षा में उच्चतम अंक (70% और अधिक) प्राप्त किए हैं। यदि किसी वर्ष में, दो या दो से अधिक उम्मीदवार समान अंक प्राप्त करते हैं, तो छात्रवृत्ति का मूल्य उनके बीच समान रूप से विभाजित किया जाएगा।

डॉ. उषा अग्रवाल तेजस्विनी छात्रवृत्ति (2010 में स्थापित

बीकॉम (प्रो.) तृतीय वर्ष, की छात्रा जिसने बी.कॉम (प्रो.) द्वितीय वर्ष की विश्वविद्यालय परीक्षा में उच्चतम अंक (70% और अधिक) प्राप्त किए हों उसे ये छात्रवृत्ति दी जाती है। (यदि किसी वर्ष में, दो या दो से अधिक उम्मीदवार समान अंक प्राप्त करते हैं, तो छात्रवृत्ति का मूल्य उनके बीच समान रूप से विभाजित किया जाता है।

सुल्तान चंद मेमोरियल स्कॉलरशिप (2011 में स्थापित)

यह छात्रवृत्ति बी.कॉम (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष के छात्र को दी जाती है, जिसने बी.कॉम (ऑनर्स) प्रथम वर्ष सेमेस्टर II विश्वविद्यालय परीक्षा में उच्चतम अंक प्राप्त किए हों । यदि किसी वर्ष में, दो या दो से अधिक उम्मीदवार समान अंक प्राप्त करते हैं, तो छात्रवृत्ति का मूल्य उनके बीच समान रूप से विभाजित किया जाएगा।

श्री सुल्तान चंद मेमोरियल छात्रवृत्ति बंदोबस्ती (2017 में स्थापित)

यह स्कॉलरशिप बीकॉम के छात्रों को दी जाती है। एवं बी.कॉम. (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष और पासआउट छात्र, जिन्होंने बी.कॉम में उच्चतम अंक प्राप्त किए हैं। एवं बी.कॉम. (एच) प्रथम वर्ष और तृतीय वर्ष की विश्वविद्यालय परीक्षा। यदि किसी वर्ष में, दो या दो से अधिक उम्मीदवार समान अंक प्राप्त करते हैं, तो छात्रवृत्ति का मूल्य उनके बीच समान रूप से विभाजित किया जाता है ।

डॉ. भोला नाथ तिवारी प्रोत्साहन पुरस्कार (2012 में स्थापित)

बी.ए. हिन्दी (विशेष) तृतीय वर्ष की छात्रा को यह वार्षिक पुरस्कार द्वितीय वर्ष में सर्वाधिक उच्चतम अंक प्राप्त करने पर दिया जाता है।

लेफ्टिनेंट श्री. एन.एन. रॉय चौधरी छात्रवृत्ति (2012 में स्थापित)

यह छात्रवृत्ति वर्तमान शैक्षणिक वर्ष की सर्वश्रेष्ठ छात्रा को दी जाती है।

के.एन.सूरी (विशेष योग्यता वाले छात्राओं के लिए) (2017 में स्थापित)

यह छात्रवृत्ति द्वितीय वर्ष के दिव्यांग छात्राओं को बिना ई आर के प्रथम वर्ष की विश्वविद्यालय परीक्षा में उच्चतम अंक प्राप्त करने के आधार पर दी जाती है और दृष्टि विकलांग छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति के मानदंडों में 15% की छूट दी जाती है।

रेनू साहनी प्रोत्साहन पुरस्कार (2020 में स्थापित)

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी द्वितीय वर्ष के छात्र को प्रथम वर्ष की विश्वविद्यालय परीक्षा में सर्वोच्च अंकों के आधार पर पुरस्कार दिया जाता है।

पी.एन. मट्टू मेमोरियल पुरस्कार (2020 में स्थापित)

ये पुरस्कार बी.ए हिंदी (विशेष) तृतीय वर्ष की छात्रा को द्वितीय वर्ष की विश्वविद्यालय परीक्षा में सर्वोच्च अंक के आधार पर दिया जाता है।

एस.एल. साहनी मेमोरियल पुरस्कार (2020 में स्थापित)

ये पुरस्कार एम.ए. (हिन्दी) अंतिम वर्ष की छात्रा को एम.ए. (हिन्दी) पूर्व वर्ष की विश्वविद्यालय परीक्षा में उच्चतम अंक प्राप्त करने के आधार पर दिया जाता है।

श्रीमती स्वदेश गांधी मेमोरियल पुरस्कार (2007 में स्थापित)

यह पुरस्कार खेल समिति की अनुशंसा पर खेल के क्षेत्र में महाविद्यालय में उनके योगदान के आधार पर उत्कृष्ट खेल छात्रा को दिया जाता है।

दौलत राम एजुकेशनल सोसाइटी पुरस्कार (2023 में स्थापित) (3 पुरस्कार)

ये पुरस्कार छात्राओं को निम्नलिखित आधार पर दिए जाते हैं –

i) कॉलेज में अपने योगदान के आधार पर उत्कृष्ट छात्रा

ii) खेल के आधार पर उत्कृष्ट छात्रा

iii) ईसीए के आधार पर उत्कृष्ट छात्रा

सुनीता कोहली सर्वश्रेष्ठ गणित छात्रा पुरस्कार (2023 में स्थापित)

यह पुरस्कार गणित ऑनर्स के उत्कृष्ट छात्र को दिया जाता है।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (केवल एससी और ओबीसी छात्रों के लिए) (एनसीटी दिल्ली सरकार, एससी/एसटी/ओबीसी/अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, बी-ब्लॉक, द्वितीय तल, विकास भवन, आईपी एस्टेट, नई दिल्ली द्वारा स्थापित) 110002)

ये छात्रवृत्ति उन एससी/ओबीसी छात्राओं को दी जाती है जिनकी पारिवारिक आय प्रति वर्ष 2 लाख रुपये से कम है। छात्रवृत्ति फॉर्म अगस्त माह में उपलब्ध करा दिये जाते हैं। अधिक विवरण/जानकारी के लिए, कृपया देखें: www.scstwelfare.delhigovt.nic.in|

मेरिट स्कॉलरशिप (एससी/एसटी/ओबीसी/अल्पसंख्यक के लिए) (एनसीटी दिल्ली सरकार द्वारा स्थापित, एससी/एसटी/ओबीसी/अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, बी-ब्लॉक, द्वितीय तल, विकास भवन, आई.पी. एस्टेट, नई दिल्ली - 110002)

यह छात्रवृत्ति एससी/एसटी/ओबीसी/अल्पसंख्यक छात्रों को दी जाती है जिन्होंने सीनियर सेकेंडरी परीक्षा/पिछली कक्षाओं में 60% और उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। छात्रवृत्ति फॉर्म अगस्त माह में उपलब्ध होंगे। अधिक विवरण/जानकारी के लिए, कृपया देखें:

www.scstwelfare.delhigovt.nic.in|

शुल्क रियायत एवं छात्र सहायता कोष

कॉलेज बहुत जरूरतमंद और योग्य छात्रों को वार्षिक शुल्क में रियायत देता है। छात्राओं को शुल्क रियायत के लिए घोषित तिथियों पर फॉर्म (कैशियर के पास उपलब्ध) भरकर कार्यालय में निर्धारित समय में जमा किया जाना आवश्यक है।

जरूरतमंद और योग्य छात्रों की मदद के लिए छात्र सहायता कोष की भी स्थापना की गई है। इस योजना के तहत सहायता के लिए आवेदन अधिसूचित तिथियों तक कॉलेज कार्यालय में पहुंच जाना चाहिए।

प्रवेश

2023-2024

प्रवेश समिति

डॉ. धनपति देवी कश्यप: प्रवेश के लिए संयोजक एवं नोडल अधिकारी

डॉ. वीणा जैन : सह संयोजक

श्रीमती सी.के. बंसल: सदस्य

प्रो. युथिका मिश्रा: सदस्य

सुश्री गोपिका भंडारी: सदस्य

डॉ. प्रतिभा जैमिनी : सदस्य

श्री अमित (इंग्लैंड) : सदस्य

डॉ. चंद्र प्रकाश कपूर: सदस्य

सक्षम समिति/समान अवसर सेल

डॉ. सोफिया पाडे : संयोजक डॉ. मुकेश बर्णवाल : सदस्य

आंतरिक शिकायत समिति (यौन उत्पीड़न के विरुद्ध)

श्रीमती अंजू नागपाल : संयोजक

ईसीए और खेल प्रवेश

श्रीमती सीमा तनेजा: ईसीए प्रवेश के लिए नोडल अधिकारी

डॉ. रंजीता फुकन: खेल प्रवेश के लिए नोडल अधिकारी

सामान्य प्रवेश के लिए हेल्प डेस्क समिति

प्रो युथिका मिश्रा: संयोजक

डॉ. वीणा जैन: सह-संयोजक सुश्री गोपिका भंडारी: सदस्य

एससी/एसटी/ओबीसी/पीडब्ल्यूबीडी/ईडब्ल्यूएस प्रवेश के लिए सहायता डेस्क समिति

डॉ. रंजीता फुकन: नोडल अधिकारी डॉ. सोफिया पाडे: सदस्य

डॉ. मुकेश बर्नवाल : सदस्य

प्रवेश के संबंध में शिकायत समिति

डॉ. रंजीता फुकन: संयोजक प्रो. वनिता सोंधी: सदस्य

एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस/पीडब्ल्यूडी प्रवेश के लिए शिकायत उप-समिति

डॉ. रंजीता फुकन: नोडल अधिकारी

प्रो. सरोज कुमारी: संपर्क अधिकारी, एससी/एसटी डॉ. सुनील कुमार वर्ना: संपर्क अधिकारी, ओबीसी

श्रीमती सी.के. बंसल: संपर्क अधिकारी, ईडब्ल्यूएस डॉ. मुकेश बर्नवाल: संपर्क अधिकारी, पीडब्ल्यूडी

एंटी रैगिंग कमेटी

श्रीमती सीमा तनेजा

तालिका -1
सीटों का आवबंटन

							अतिरिक्त			
विषय	**कुल संख्या** **स्वीकृत संख्या**	**यू आर**	**ओ बी सी (27 %)**	**एस सी (15%)**	**एस टी (7.5 %)**	**ई डब् ल्यू एस (10 %)**	**पी डब् ल्यू डी (5 %)**	**के एम (5 %)**	**स्पोर्ट्स (3%)**	**ई सी ए (2%)**
बी ए (प्रो .)	192	78	52	29	14	19	10	10	06	04
बी कॉम (प्रो.)	144	58	39	22	11	14	07	07	04	03
बी कॉम (ऑनर्स)	98	40	26	15	07	10	05	05	03	02
बी ए (ऑनर्स) एप्लाइड मनोविज्ञान	49	20	13	07	04	05	02	02	01	01

बी ए (ऑनर्स) अंग्रेजी	58	23	16	09	04	06	03	03	02	01
बी ए (ऑनर्स) हिन्दी	58	23	16	09	04	06	03	03	02	01
बी ए (ऑनर्स) इतिहास	58	23	16	09	04	06	03	03	02	01
बी ए (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान	58	23	16	09	04	06	03	03	02	01
बी ए (ऑनर्स) संस्कृत	58	23	16	09	04	06	03	03	02	01
बीएससी (ऑनर्स) गणित	58	23	16	09	04	06	03	03	02	01
बीएससी (ऑनर्स) गृह विज्ञान (2020-21 से जारी)	30	12	08	05	02	03	02	02	01	01
Total	861	346	234	132	62	87	44	44	27	17

तालिका -II

अनुशासन के अनुसार बी.ए. (प्रो.) सीट मैट्रिक्स

क्रम संख्या	विषय संयोजन	कुल संख्या / स्वीकृत संख्या	यू आर	ओ बी सी (27%)	एस सी (15%)	एस टी (7.5%)	ई डब्ल्यू एस (10%)

1	कंप्यूटर – ईको	14	6	4	2	1	1
2	कंप्यूटर –अंग्रेजी	13	5	4	2	1	1
3	कंप्यूटर –गणित	16	8	4	2	1	1
4	कंप्यूटर– राजनीति विज्ञान	9	4	2	1	1	1
5	ईको – एफ . आर	10	3	3	2	1	1
6	ईको– गणित –	11	4	3	2	1	1
7	ईको – राजनीति विज्ञान	14	6	4	2	1	1
8	अंग्रेजी – एफ. आर	14	6	4	2	1	1
9	अंग्रेजी – एफ. टी	14	6	4	2	1	1
10	एफ. टी – इतिहास	12	5	3	2	1	1
11	एफ. टी – राजनीति विज्ञान	10	3	3	2	1	1
12	इतिहास – संगीत	12	5	3	2	1	1
13	इतिहास – राजनीति विज्ञान –	20	9	5	3	2	1
14	इतिहास – संस्कृत	10	3	3	2	1	1
15	संगीत – संस्कृत	13	5	4	2	1	1

	कुल योग	192	78	53	30	16	15

प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए सामान्य वैकल्पिक विषयों (जैनरिक इलेक्टिव) की सूची :2023-24

क्रम संख्या	**विषय**
1	**वाणिज्य**
2	**कंप्यूटर अनुप्रयोग**
3	**अर्थशास्त्र**
4	**अंग्रेजी**
5	**गृह विज्ञान (खाद्य प्रौद्योगिकी)**
6	**हिन्दी**
7	**इतिहास**
8	**गणित**
9	**राजनीति विज्ञान**
10	**संस्कृत**

नोट : उपरोक्त सूची से जीई विषयों की पेशकश छात्रों की मौजूद पर्याप्त संख्या के आधार पर की जाएगी, ऐसा न होने पर विषय की पेशकश स्वीकार नहीं की जाएगी। एक से अधिक विकल्प होने पर प्रस्तुत किए जाने वाले पेपर का निर्णय संबंधित विभाग द्वारा किया जाएगा।

शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 के लिए कॉलेज में निम्नलिखित खेलों के तहत यूजी कार्यक्रम की कुल प्रवेश की .5% सीटें

कार्यक्रम - विशिष्ट पात्रताएँ

क्रम संख्या	वर्ग	माहिलाओं के लिए सीटें
1	आर्चरी	2
2	बास्केटबाल	2
3	हैन्ड्बॉल	5
4	हॉकी	8
5	कबड्डी	5
कुल		22

शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 के लिए कॉलेज में निम्नलिखित ईसीए गतिविधियों के तहत यूजी कार्यक्रम की कुल प्रवेश की 2.5% सीटें

ई सी ए गतिविधियां		सहवर्ग	ई सी ए सीटों की संख्या
क्रिएटिव राइटिंग	1अ.	क्रिएटिव राइटिंग (हिन्दी)	1
	1ब.	क्रिएटिव राइटिंग (अंग्रेजी)	1
डांस	2अ.	इंडियन क्लासिकल	2
डिबेट	3अ	डिबेट (हिन्दी)	1
	3ब.	डिबेट (अंग्रेजी)	1
डिजिटल मीडियल	4अ.	फोटोग्राफी	2

	4स .	ऐनीमैशन	1
फाइन आर्ट	5अ .	सकेचिंग & पेंटिंग	2
म्यूजिक (वोकल)	6अ .	इंडियन (क्लासिकल एंड लाइट)	2
म्यूजिक; इंस्ट्रूमेंटल इंडियन	7a.	तबला	1
	7f.	हारमोनियम	1
2.5 थिएटर	9	थिएटर	2
क्विज	10	क्विज	2
NSS	13	NSS	1
Yoga	14	Yoga	2
		कुल	**22**

प्रवेश की समय-सारणी और शुल्क वापसी दिशानिर्देशों के संबंध में महत्वपूर्ण नोट्स:

1 दिल्ली विश्वविद्यालय के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2023-2024 के लिए यूजी प्रवेश के लिए कार्यक्रम बाद में घोषित किया जाएगा। कृपया डीयू की वेबसाइट यानी www.du.ac.in या http://admission.uod.ac.in पर जाएं।

2 दिल्ली विश्वविद्यालय के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2023-2024 के लिए पीजी प्रवेश के लिए कार्यक्रम बाद में घोषित किया जाएगा। कृपया डीयू की वेबसाइट यानी www.du.ac.in या http://admission.uod.ac.in

3 दिल्ली विश्वविद्यालय अधिसूचना के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2023-2024 के लिए प्रवेश वापस लेने/रद्द करने पर शुल्क वापसी के नियम बाद में घोषित किए जाएंगे, कृपया डीयू की वेबसाइट यानि www.du.ac.in या http://admission.uod.ac.in पर जाएं।

4 सुरक्षा जमा/कॉशन मनी क्लीयरेंस प्राप्त करने के बाद वापस कर दी जाएगी (केवल मूलधन राशि), बशर्ते कि वह कॉलेज छोड़ने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर इसकी वापसी के लिए आवेदन करें । कॉलेज कॉशन मनी की वापसी के लिए आवेदन पत्र कॉलेज के लेखा विभाग से प्राप्त किया जा सकता है।

प्रवेश से संबंधित जानकारी: 2023-2024 और शैक्षणिक कैलेंडर पर अधिक अपडेट के लिए, कृपया डीयू वेबसाइट यानी
www.du.ac.in या http://admission.uod.ac.in पर जाएं।

प्रवेश नियम

विश्वविद्यालय द्वारा अपने संबद्ध कॉलेजों के माध्यम से विभिन्न संकायों के तहत अध्ययन की तीन प्रमुख धाराओं अर्थात् कला / मानविकी / वाणिज्य में स्नातक पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं। इसे नीचे संक्षेप में प्रस्तुत किया गया है:

I कला/मानविकी
क) कला स्नातक
ब) बैचलर ऑफ आर्ट्स (ऑनर्स)

II वाणिज्य
क) बैचलर ऑफ कॉमर्स
ख) बैचलर ऑफ कॉमर्स (ऑनर्स)

III विज्ञान
क) बीएससी (ऑनर्स) गृह विज्ञान
ख) बीएससी (ऑनर्स) गणित

स्नातक प्रवेश बुलेटिन 2023-24 के अनुसार - दिल्ली विश्वविद्यालय प्रवेश के लिए महत्वपूर्ण बिंदु

1. सभी स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश सीयूईटी (यूजी)-2023 में प्राप्त अंकों के आधार पर होगा (स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल), गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी, और विदेशी नागरिकों को छोड़कर)।
2. शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए स्नातक कार्यक्रम में प्रवेश पाने के इच्छुक पात्र उम्मीदवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के सूचना बुलेटिन और कॉलेज प्रॉस्पेक्टस की सामग्री के साथ-साथ प्रकाशित अधिसूचनाओं, अपडेट और सूचनाओं को अवश्य पढ़ना चाहिए। दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट बहुत सावधानी से पढ़ें।
3. उम्मीदवार को किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं कक्षा की परीक्षा या इसके समकक्ष अध्ययन और उत्तीर्ण होना चाहिए।
4. उम्मीदवार को भारत में या भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) द्वारा 10+2 प्रणाली के समकक्ष मान्यता प्राप्त किसी भी विदेशी देश में किसी भी बोर्ड/विश्वविद्यालय परीक्षा की बारहवीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण होनी चाहिए।

5 दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए, उम्मीदवार को CUET(UG)-2023 में उन विषयों में उपस्थित होना अनिवार्य है जिनमें वह बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण कर रही है।

6 यदि बारहवीं कक्षा में पढ़ा गया विषय सीयूईटी (यूजी) -2023 में उल्लिखित नहीं है, तो उम्मीदवार को उस भाषा/डोमेन विशिष्ट विषय में उपस्थित होना होगा जो उस विषय के समान/निकटता से संबंधित है, उसने बारहवीं कक्षा में अध्ययन किया है (उदाहरण के लिए) , यदि किसी उम्मीदवार ने बारहवीं कक्षा में बायोकैमिस्ट्री का अध्ययन किया है, तो उसे CUET(UG)-2023 में जीव विज्ञान में उपस्थित होना होगा

7 प्रवेश केवल भाषा और/या डोमेन विशिष्ट विषयों के अंकों के संयोजन पर आधारित होगा जिसमें एक उम्मीदवार संबंधित कार्यक्रम-विशिष्ट पात्रता के अनुसार सीयूईटी (यूजी) -2023 में उपस्थित हुआ है।

8 शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में प्रवेश के लिए केवल CUET(UG)-2023 में प्राप्त अंकों पर विचार किया जाएगा।

9 उम्मीदवारों को कार्यक्रम-विशिष्ट आवश्यकताओं का सावधानीपूर्वक अध्ययन करना चाहिए और फिर CUET(UG)-2023 के भाषा और/या डोमेन विशिष्ट विषयों में उपस्थित होना चाहिए।

10 उम्मीदवारों को यह जांचने की सलाह दी जाती है कि वे उस कार्यक्रम के लिए सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं जिसके लिए वे प्रवेश परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं। प्रवेश अध्ययन के संबंधित कार्यक्रम में आवेदन करने के लिए निर्धारित पात्रता आवश्यकताओं को पूरा करने वाले उम्मीदवार के अधीन है। यदि कोई उम्मीदवार संबंधित कार्यक्रम में आवेदन करने के लिए निर्धारित किसी पात्रता मानदंड को पूरा नहीं करता है और प्रवेश परीक्षा में उपस्थित होता है, तो यह उम्मीदवार के अपने जोखिम और लागत पर है। यदि किसी भी स्तर पर, यह पाया जाता है कि पात्रता आवश्यकताएँ पूरी नहीं हुई हैं, तो प्रवेश, यदि दिया गया है, तो वास्तव में रद्द कर दिया जाएगा।

11 सीयूईटी (यूजी) -2023 के लिए पंजीकरण करने से पहले, उम्मीदवार को सलाह दी जाती है कि वे सूचना बुलेटिन को ध्यान से पढ़ें और दिल्ली विश्वविद्यालय अधिनियम, 1922 और विश्वविद्यालय में उपलब्ध दिल्ली विश्वविद्यालय के क़ानून, अध्यादेश, नियम और विनियमों से परामर्श लें। वेबसाइट, उसके लिए बाध्यकारी होगी।

12 सीयूईटी (यूजी) -2023फॉर्म भरते समय उम्मीदवारों को सावधान रहना चाहिए क्योंकि उम्मीदवार के नाम, हस्ताक्षर और फोटो जैसे कुछ फ़ील्ड बाद में सीयूईटी (यूजी) -2023 से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्वतः-एकीकृत कर दिए जाएंगे। ये फ़ील्ड गैर-संपादन योग्य होंगे.

13 दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश-1 के अनुसार, विश्वविद्यालय और उसके कॉलेजों में स्नातक कार्यक्रम (कार्यक्रमों) में प्रवेश के लिए कोई न्यूनतम आयु सीमा नहीं है, उन कार्यक्रमों को छोड़कर जहां संबंधित नियामक निकाय, जैसे कि मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई), नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन (एनसीटीई), डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीआई) आदि ने अपने नियमों में न्यूनतम आयु की आवश्यकता निर्धारित की है।

14 स्नातक कार्यक्रम में प्रवेश के लिए गैप ईयर कोई बाधा नहीं होगी। हालाँकि, ऐसे उम्मीदवारों को शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में प्रवेश के लिए CUET(UG)-2023 में भी उपस्थित होना होगा।

15 आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवार का नाम उम्मीदवार के नाम से मेल खाना चाहिए जैसा कि उनके संबंधित स्कूल बोर्ड योग्यता प्रमाणपत्र और

सीयूईटी (यूजी) -2023 में दिखाई देता है। इसी प्रकार माता-पिता का नाम भी प्रमाणपत्रों में मेल खाना चाहिए।

16 स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए सामान्य दिशानिर्देश (यूजी प्रवेश 2023 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के सूचना बुलेटिन के अनुसार)

17 उम्मीदवार को भारत का नागरिक होना चाहिए।

18 दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए, सभी उम्मीदवारों (अतिरिक्त सीटों के लिए आवेदन करने वालों सहित) को CUET(UG)-2023 के लिए https://CUET(UG)-2023 . samarth.ac.in पर पंजीकरण करना होगा

19 उम्मीदवार को भारत का नागरिक होना चाहिए।

20 दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए, सभी उम्मीदवारों (अतिरिक्त सीटों के लिए आवेदन करने वालों सहित) को CUET(UG)-2023 के लिए https://CUET(UG)-2023.samarth.ac.in पर पंजीकरण करना होगा।

21 सीट आवंटन के लिए उम्मीदवारों को दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉमन सीट आवंटन सिस्टम (यूजी) -2023 पर आवेदन करना होगा।

22 उम्मीदवार को किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं कक्षा की परीक्षा या इसके समकक्ष अध्ययन और उत्तीर्ण होना चाहिए।

23 उम्मीदवार को भारत में या भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) द्वारा 10+2 प्रणाली के समकक्ष मान्यता प्राप्त किसी भी विदेशी देश में किसी भी बोर्ड/विश्वविद्यालय परीक्षा की बारहवीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण होनी चाहिए।

24 स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के उद्देश्य से अंतराल वर्ष वाले उम्मीदवारों को कोई नुकसान नहीं होगा।

25 सिख और ईसाई अल्पसंख्यक उम्मीदवार भी विश्वविद्यालय के अल्पसंख्यक कॉलेजों में अल्पसंख्यक कोटा के तहत प्रवेश ले सकते हैं।

26 प्रत्येक कार्यक्रम में 10% अतिरिक्त सीटें विदेशी नागरिकों के लिए आरक्षित हैं। विदेशी छात्र श्रेणी के तहत प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को विदेशी छात्र रजिस्ट्री वेबसाइट: https://fsr.du.ac.in पर आवेदन करना होगा।

27 सभी यू जी कार्यक्रमों में प्रवेश कॉमन सीट आवंटन प्रणाली (सीएसएएस (यूजी) -2023) के माध्यम से किया जाएगा।

28 एसओएल में प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को www.sol.du.ac.in पर पंजीकरण करना होगा

29 एनसीडब्ल्यूईबी में प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को http://admission.du.ac.in पर पंजीकरण करना होगा।

निम्नलिखित श्रेणियों को "अतिसंख्यक" नामित किया गया है:

I PwBD (बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्ति);'

II सीडब्ल्यू (अर्ध-सैन्य सहित सशस्त्र बलों के कर्मियों के बच्चे/विधवाएं);

III ईसीए (पाठ्येतर गतिविधियाँ);

IV खेल

V के एम (कश्मीरी प्रवासी);

VI पीएमएसएस (जम्मू और कश्मीर के लिए प्रधान मंत्री की विशेष छात्रवृत्ति);

VII एसएस (नामांकित सिक्किमी छात्र);

VIII WQ (वार्ड कोटा);

IX OQ (अनाथ कोटा)।

स्नातक प्रवेश के लिए पात्रता आवश्यकताएँ

सामान्य न्यूनतम पात्रता*
उम्मीदवार को किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं कक्षा या इसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।
***न्यूनतम पात्रता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, केवल एक बोर्ड की मार्कशीट/डिग्री पर विचार किया जाएगा (उदाहरण के लिए, यदि कोई उम्मीदवार गणित को छोड़कर पांच विषयों के साथ सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में उपस्थित हुआ है और बाद में किसी अन्य बोर्ड से गणित में शामिल होता है और उत्तीर्ण होता है) राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईसीएस) के रूप में, न्यूनतम पात्रता केवल सीबीएसई द्वारा जारी उसकी मार्कशीट से सुनिश्चित की जाएगी)।**

दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए CUET(UG)-2023 में चुनी जाने वाली भाषाओं और डोमेन विशिष्ट विषयों की सूची

सूची ए: सीयूईटी (यूजी) -2023 की धारा 1ए धारा 1बी की भाषाएँ

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से कम से कम एक भाषा में उपस्थित होना होगा			
अरबी	**गुजराती**	**मणिपुरी**	**सिन्धी**
असमिया	**हिन्दी**	**मराठी**	**स्पेनिश**
बंगाली	**इटालियन**	**नेपाली**	**तमिल**
बोड़ो	**जापानी**	**उड़िया**	**तेलुगु**
चीनी	**कन्नड**	**फारसी**	**तिबत्ती**
डोगरी	**कश्मीरी**	**पंजाबी**	**उर्दू**
अंग्रेजी	**कोंकणी**	**रूसी**	
फ्रेंच	**मैथिली**	**संस्कृत**	
जर्मन	**मलयालम**	**संथाली**	

सूची बी

CUET(UG)-2023 के खंड II में उल्लिखित डोमेन विशिष्ट विषयों को सूची B1 और सूची B2 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। उम्मीदवार को उन विषयों को चुनने के लिए कार्यक्रम-विशिष्ट पात्रता का उल्लेख करना होगा जिनमें उसे सीयूईटी (यूजी) -2023 में उपस्थित होना चाहिए:

	विषयों की सूची बी 1		**विषयों की सूची बी 2**
1	**अकाउंटेनसी**	1	**ऐग्रीकल्चर**
2	**ऐन्थ्रपालजी Anthropology**	2	**इंजीननियर ग्राफिक्स**

3	बायलोजी / बायलोजिकल स्टडीस / बायोटेक्नोलोजी / बायोकमिस्ट्री	3	एंटेरपरनौशीप
4	बिजनस स्टडीस	4	फाइन आर्ट्स / विसिल आर्ट्स (स्कल्प्चर / पेंटिंग) / कमर्शियल आर्ट
5	केमिस्ट्री	5	नॉलीज ट्रडिशन एंड प्रैक्टिसिस ऑफ इंडिया
6	कंप्युटर साइंस / इनफोरमेटिक प्रेकटीसेस	6	मास मीडिया /मास कम्युनिकेशन
7	इकोनॉमिक्स / बिजनेस इकोनॉमिक्स	7	पेरफॉर्मीनग आर्ट
8	एनवायरनमेंट स्टडीस	8	फिसिकल एजुकेशन /एनसीसी / योगा
9	ज्योग्राफी / जेओलॉजी	9	टीचिंग अपटिट्यूड
10	हिस्ट्री		
11	होम साइंस		
12	लीगल स्टडीस		
13	मैथमेटिक्स		
14	फिजिक्स		
15	पॉलिटिकल साइंस		
16	साइकोलॉजी		
17	संस्कृत		
18	सोशोलोजी		

भाषा, कला और सामाजिक विज्ञान में स्नातक पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम हेतु –विशिष्ट पात्रता
बी ए (ऑनर्स) एप्लाइड मनोविज्ञान	उम्मीदवार को निम्नलिखित विषय संयोजन में CUET (UG) –2023 में उपस्थित होना होगा : सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी1 से कोई दो विषय + सूची बी1 या सूची बी2 में से कोई एक विषय मेरिट उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त CUET (UG) –2023 अंकों पर आधारित होगी।
बी ए (ऑनर्स) अंग्रेजी	उम्मीदवार को निम्नलिखित विषय संयोजन में CUET (UG) –2023 में उपस्थित होना होगा : सूची ए से अंग्रेजी + सूची बी1 से कोई दो विषय + सूची बी1 या सूची बी2 में से कोई एक विषय मेरिट उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त CUET (UG) –2023 अंकों पर आधारित होगी।

बी ए (ऑनर्स) **हिन्दी**	**उम्मीदवार को निम्नलिखित विषय संयोजन में CUET (UG) –2023 में उपस्थित होना होगा :** **सूची ए से हिंदी + सूची बी1 से कोई दो विषय + सूची बी1 या सूची बी2 में से कोई एक विषय** **मेरिट उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त CUET (UG) –2023 अंकों पर आधारित होगी।**
बी ए (ऑनर्स) **इतिहास**	**उम्मीदवार को निम्नलिखित विषय संयोजन में CUET (UG) –2023 में उपस्थित होना होगा :** **सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी1 से कोई दो विषय + सूची बी1 या सूची बी2 में से कोई एक विषय** **मेरिट उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त CUET (UG) –2023 अंकों पर आधारित होगी।**
बी ए (ऑनर्स) **राजनीति विज्ञान**	**उम्मीदवार को निम्नलिखित विषय संयोजन में CUET (UG) –2023 में उपस्थित होना होगा :** **सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी1 से कोई दो विषय + सूची बी1 या सूची बी2 में से कोई एक विषय** **मेरिट उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त CUET (UG) –2023 अंकों पर आधारित होगी।**

बी ए (ऑनर्स) संस्कृत	योजन I : सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी1 से संस्कृत + कोई दो विषय जिनमें से एक सूची बी1 से होना चाहिए। या संयोजन II : सूची ए से कोई एक भाषा + सूची ए से संस्कृत + कोई दो विषय जिनमें से एक सूची बी1 से होना चाहिए। या संयोजन III : सूची ए से संस्कृत + कोई तीन विषय जिनमें से कम से कम दो सूची बी1 से होने चाहिए। या संयोजन IV : सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी1 से कोई दो विषय + सूची बी1 या सूची बी2 में से कोई एक विषय। मेरिट उपरोक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वोत्तम CUET(UG)-2023 स्कोर पर आधारित होगी। जिन अभ्यर्थियों ने प्रवेश के लिए संयोजन IV का विकल्प चुना है, उन पर केवल तभी विचार किया जाएगा यदि संयोजन I/II/III का चयन करने वाले सभी अभ्यर्थियों पर विचार करने के बाद सीटें खाली रह जाती हैं।
बी.ए. (प्रो.)	उम्मीदवार को निम्नलिखित विषय संयोजनों में CUET(UG)-2023 में उपस्थित होना होगा: संयोजन I : सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी1 से कोई दो विषय + सूची बी1 या सूची बी2 में से कोई एक विषय। या संयोजन II : सूची A में से कोई एक भाषा + सूची B1 या सूची B2 में से कोई एक विषय + CUET(UG)-2023 का खंड III (सामान्य परीक्षण) मेरिट उपरोक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वोत्तम CUET(UG)-2023 स्कोर पर आधारित होगी। ध्यान दें: चूंकि CUET(UG)-2023 अनुभागों का वेटेज समान नहीं है, इसलिए उचित अनुपातिकता की जाएगी।

सीटों की संख्या भिन्न हो सकती है. अतिरिक्त सीटें दिल्ली विश्वविद्यालय के मानदंडों के अनुसार होंगी।

बी.ए. का नामकरण (प्रोग.) संयोजन जिसमें एक उम्मीदवार को प्रवेश दिया जाता है, यूजीसीएफ (अंडर-ग्रेजुएट पाठ्यचर्या रूपरेखा) के आलोक में बदल सकता है। कृपया बी.ए. से संबंधित अधिक जानकारी के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट पर विजिट करते रहें। (प्रोग.) संयोजन.

विज्ञान और गणित में स्नातक पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम	**पाठ्यक्रम हेतु -विशिष्ट पात्रता**
बीएससी (ऑनर्स) गृहविज्ञान	. उम्मीदवार को निम्नलिखित विषय संयोजनों में CUET(UG)-2023 में उपस्थित होना होगा: संयोजन I : जीवविज्ञान/जैविक अध्ययन/जैव प्रौद्योगिकी/जैव रसायन + भौतिकी + सूची बी1 या सूची बी2 में से कोई एक विषय। या संयोजन II : जीव विज्ञान / जैविक अध्ययन / जैव प्रौद्योगिकी / जैव रसायन + रसायन विज्ञान + सूची बी1 या सूची बी2 में से कोई एक विषय। मेरिट उपरोक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वोत्तम CUET(UG)-2023 स्कोर पर आधारित होगी। उम्मीदवारों को CUET(UG)-2023 में सूची A की किसी एक भाषा में न्यूनतम 30% अंक प्राप्त करना होगा

बीएससी (ऑनर्स))मैथमेटिक्स	उम्मीदवार को निम्नलिखित विषय संयोजन में CUET(UG)-2023 में उपस्थित होना होगा: सूची ए से कोई एक भाषा + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + कोई दो विषय जिनमें से एक सूची बी1 से होना चाहिए। मेरिट उपरोक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त CUET(UG)-2023 अंकों पर आधारित होगी।

वाणिज्य में स्नातक पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम हेतु -विशिष्ट पात्रता
बी.कॉम (प्रो.)	उम्मीदवार को निम्नलिखित विषय संयोजनों में CUET(UG)-2023 में उपस्थित होना होगा: संयोजन I : सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी1 से कोई दो विषय + सूची बी1 या सूची बी2 में से कोई एक विषय। या संयोजन II : सूची ए में से कोई एक भाषा + सूची बी1 या सूची बी2 में से कोई एक विषय + सीयूईटी (यूजी)-2023 (सामान्य टेस्ट) का खंड III। मेरिट उपरोक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वोत्तम CUET(UG)-2023 स्कोर पर आधारित होगी। ध्यान दें: चूंकि CUET(UG)-2023 अनुभागों का वेटेज समान नहीं है, इसलिए उचित अनुपातिकता की जाएगी।

बी.कॉम **(ऑनर्स)**	उम्मीदवार को निम्नलिखित विषय संयोजनों में CUET(UG)-2023 में उपस्थित होना होगा: संयोजन I : सूची ए से कोई एक भाषा + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + कोई दो विषय जिनमें से कम से कम एक सूची बी1 से होना चाहिए। या संयोजन II : सूची ए में से कोई एक भाषा + अकाउंटेंसी/बुक कीपिंग + कोई दो विषय जिनमें से कम से कम एक सूची बी1 से होना चाहिए। मेरिट उपरोक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वोत्तम CUET(UG)-2023 स्कोर पर आधारित होगी।

आरक्षण नीतियाँ

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए सीटों का आरक्षण

सीटों की कुल संख्या का 22.5% अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है (अनुसूचित जाति के लिए 15% और अनुसूचित जनजाति के लिए 7.5%, यदि आवश्यक हो तो विनिमेय)।

पंजीकरण और प्रवेश के समय उम्मीदवार के पास अपने नाम का जाति/जनजाति प्रमाण पत्र होना चाहिए। जाति प्रमाण पत्र में स्पष्ट रूप से लिखा होना चाहिए:

अ उसकी जाति/जनजाति का नाम
ब चाहे उम्मीदवार एससी या एसटी से संबंधित हो
स उम्मीदवार का जिला और राज्य या केंद्र शासित प्रदेश का सामान्य निवास स्थान, और
ड उपयुक्त सरकार. भारत की अनुसूची जिसके तहत उसकी जाति/जनजाति को एससी या एसटी के रूप में अनुमोदित किया गया है।

प्रवेश के समय उम्मीदवार को वैध मूल एससी या एसटी जाति/जनजाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

निम्नलिखित को अपेक्षित एससी/एसटी प्रमाणपत्र जारी करने का अधिकार है:

(अ) जिला मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/कलेक्टर/उपायुक्त/अपर. डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी वजीफा मजिस्ट्रेट/सिटी मजिस्ट्रेट/उपविभागीय मजिस्ट्रेट/तालुका मजिस्ट्रेट/कार्यकारी मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त सहायक आयुक्त।
ब मुख्य प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट/अपर. मुख्य प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट/प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट।

(स) राजस्व अधिकारी, जो तहसीलदार के पद से नीचे का न हो।

(ड) उस क्षेत्र का उप-विभागीय अधिकारी जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार सामान्य रूप से रहता है।

(ई) प्रशासक/प्रशासक के सचिव/विकास अधिकारी (लक्षद्वीप द्वीप समूह)।

उम्मीदवार ध्यान रखें कि किसी अन्य व्यक्ति/प्राधिकरण से प्राप्त एससी/एसटी प्रमाणपत्र किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से संबंधित है, तो उम्मीदवार की जाति/जनजाति को भारत की अनुसूची के आधार पर उचित सरकार में सूचीबद्ध किया जाना चाहिए।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित सभी सीटें भरना कॉलेजों का वैधानिक दायित्व है।

कॉलेज शिक्षा के माध्यम के आधार पर किसी भी एससी/एसटी उम्मीदवार को प्रवेश देने से इनकार नहीं करेंगे। किसी विशेष भाषा के ज्ञान में किसी भी कमी को दूर किया जाना चाहिए; इस प्रयोजन के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से उपलब्ध अनुदान का उपयोग करके कॉलेज द्वारा उपचारात्मक कक्षाओं की व्यवस्था की जा सकती है।

अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी, गैर-क्रीमी लेयर, केंद्रीय सूची) के लिए सीटों का आरक्षण

27% सीटें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) (गैर-क्रीमी लेयर, केंद्रीय सूची) से संबंधित उम्मीदवारों के लिए आरक्षित होंगी।

ओबीसी उम्मीदवार को प्रवेश देते समय, कॉलेज यह सुनिश्चित करेगा कि जाति ओबीसी की केंद्रीय सूची में शामिल है (ओबीसी की स्थिति केंद्रीय (भारत सरकार) द्वारा अधिसूचित ओबीसी की सूची के आधार पर निर्धारित की जाएगी) सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सिफारिशों पर वेबसाइट http://ncbc.nic.in/ पिछड़ा वर्ग /index.html पर उपलब्ध है।)

प्रमाणपत्र में उम्मीदवार की गैर-क्रीमी लेयर स्थिति का उल्लेख होना चाहिए (डीओपीटी कार्यालय ज्ञापन संख्या 36012/22/93-स्था. (एससीटी) दिनांक 15.11.1993 में उल्लिखित प्राधिकारी द्वारा जारी गैर-क्रीमी लेयर स्थिति)।

ओबीसी उम्मीदवार जो 'नॉन-क्रीमी लेयर' से संबंधित हैं और जिनकी जाति केवल ओबीसी की केंद्रीय सूची में दिखाई देती है, वे ओबीसी श्रेणी ('नॉन-क्रीमी लेयर' के संबंध में ओबीसी प्रमाणपत्र की वैधता अवधि) के तहत प्रवेश के लिए विचार किए जाने के पात्र होंगे। डीओपीटी कार्यालय ज्ञापन संख्या 36036/2/2013-स्था. (Res-I) दिनांक 31 मार्च 2016 के अनुसार उम्मीदवारों की क्रीमी लेयर स्थिति)। प्रमाणपत्र 31 मार्च, 2023 को या उसके बाद जारी किया जाना चाहिए।

ओबीसी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित सभी सीटें भरना कॉलेजों का वैधानिक दायित्व है।

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए आरक्षण नीति

दिल्ली विश्वविद्यालय के नोटिफिकेशन (संदर्भ संख्या Aca. I / EWS का आरक्षण / 2019/63 दिनांक 28 मार्च 2019 और संदर्भ संख्या Aca. I / EWS का आरक्षण / 2019/101 दिनांक 15 मई 2019) के अनुसार, आरक्षण के लिए आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) श्रेणी के लिए, विश्वविद्यालय विभागों / केंद्रों / कॉलेजों ने ईडब्ल्यूएस श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों के प्रवेश के लिए 10% सीटें आरक्षित की हैं। प्रमाणपत्र 31 मार्च, 2023 को या उसके बाद जारी किया जाना चाहिए।

अतिरिक्त सीटों पर प्रवेश

सभी अतिरिक्त सीटों पर प्रवेश CUET(UG)-2023 के माध्यम से होगा। सुपरन्यूमेरी सीटों पर प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को CUET(UG)-2023 में उपस्थित होना होगा।

वर्ग

PwBD बेंचमार्क विकलांगता वाले PwBD व्यक्ति
सीडब्ल्यू अर्ध-सैन्य सहित सशस्त्र बलों के कार्मिकों के सीडब्ल्यू बच्चे/विधवाएँ
ईसीए पाठ्येतर गतिविधियाँ
खेल खेल
केएम कश्मीरी प्रवासी
पीएमएसएस जम्मू और कश्मीर एसएस नामांकित सिक्किमी छात्रों के लिए पीएमएसएस प्रधान मंत्री की विशेष छात्रवृत्ति
डब्ल्यूक्यू दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का डब्ल्यूक्यू वार्ड कोटा
ओक्यू अनाथ कोटा

बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्तियों (पीडब्ल्यूबीडी) के लिए सीटों का आरक्षण

ए. लोकोमोटर विकलांगता -
लोकोमोटर विकलांगता (एक व्यक्ति की मस्कुलोस्केलेटल या तंत्रिका तंत्र की पीड़ा के परिणामस्वरूप स्वयं और वस्तुओं की गति से जुड़ी विशिष्ट गतिविधियों को निष्पादित करने में असमर्थता या दोनों), जिनमें शामिल हैं-
1. "कुष्ठ रोग से ठीक हुआ व्यक्ति" का अर्थ वह व्यक्ति है जो कुष्ठ रोग से ठीक हो गया है लेकिन वह निम्नलिखित कारणों से पीड़ित है-
प्रथम , हाथों या पैरों में संवेदना की हानि, साथ ही आंख और पलक में संवेदना और पैरेसिस की हानि, लेकिन विकृति की कोई अभिव्यक्ति नहीं ।
द्वितीय. प्रकट विकृति और पक्षाघात लेकिन उनके हाथों और पैरों में पर्याप्त गतिशीलता हो ताकि वे सामान्य आर्थिक गतिविधि में संलग्न हो सकें ।
तृतीय अत्यधिक शारीरिक विकृति के साथ-साथ बढ़ती उम्र जो उसे कोई भी लाभकारी व्यवसाय करने से रोकती है, और अभिव्यक्ति "कुष्ठ ठीक हो गया" का अर्थ तदनुसार लगाया जाएगा;
2. "सेरेब्रल पाल्सी" का अर्थ शरीर की गतिविधियों और मांसपेशियों के समन्वय को प्रभावित करने वाली गैर-प्रगतिशील न्यूरोलॉजिकल स्थिति का एक समूह है, जो मस्तिष्क के एक या अधिक विशिष्ट क्षेत्रों को होने वाली क्षति के कारण होता है, जो आमतौर पर जन्म से पहले, उसके दौरान या उसके तुरंत बाद होता है;
3. "बौनापन" का अर्थ एक चिकित्सीय या आनुवंशिक स्थिति है जिसके परिणामस्वरूप एक वयस्क की ऊंचाई 4 फीट 10 इंच (147 सेंटीमीटर) या उससे कम होती है;

4. "**मस्कुलर डिस्ट्रॉफी**" का अर्थ वंशानुगत आनुवंशिक मांसपेशी रोग का एक समूह है जो मानव शरीर को हिलाने वाली मांसपेशियों को कमजोर कर देता है और मल्टीपल डिस्ट्रोफी वाले व्यक्तियों में यह बीमारी होती है।
उनके जीन में गलत और गुप्त जानकारी होती है, जो उन्हें स्वस्थ मांसपेशियों के लिए आवश्यक प्रोटीन बनाने से रोकती है। यह प्रगतिशील कंकाल की मांसपेशियों की कमजोरी, मांसपेशियों के प्रोटीन में दोष, और मांसपेशियों की कोशिकाओं और ऊतकों की मृत्यु की विशेषता है।
5. "एसिड अटैक पीड़ित" का अर्थ एसिड या इसी तरह के संक्षारक पदार्थ फेंकने से हुए हिंसक हमलों के कारण विकृत हुआ व्यक्ति है।

बी. दृश्य हानि -

6. "**अंधापन**" का अर्थ ऐसी स्थिति है जहां सर्वोत्तम सुधार के बाद किसी व्यक्ति में निम्नलिखित में से कोई भी स्थिति हो -
1. दृष्टि की पूर्ण अनुपस्थिति; या
2. सर्वोत्तम संभव सुधार के साथ बेहतर आंख में दृश्य तीक्ष्णता 3/60 से कम या 10/200 (स्नेलेन) से कम; या
3. 10 डिग्री से कम का कोण अंतरित करने वाले दृष्टि क्षेत्र की सीमा।
7. "**कम दृष्टि**" का अर्थ ऐसी स्थिति है जहां किसी व्यक्ति को निम्नलिखित में से कोई भी स्थिति हो, अर्थात्:
1. सर्वोत्तम संभव सुधार के साथ बेहतर आंख में दृश्य तीक्ष्णता 6/18 से अधिक या 20/60 से 3/60 तक या 10/200 (स्नेलेन) तक नहीं होनी चाहिए; या
2. 40 डिग्री से कम के कोण को 10 डिग्री तक अंतरित करने वाले दृष्टि क्षेत्र की सीमा।

सी. श्रवण हानि -

8. "**बधिर**" का अर्थ है दोनों कानों में बोलने की आवृत्ति में 70 डीबी श्रवण हानि वाले व्यक्ति ।
9. "**सुनने में कठिनाई**" का अर्थ है दोनों कानों में बोलने की आवृत्ति में 60 डीबी से 70 डीबी श्रवण हानि वाला व्यक्ति;
10. "**वाक् और भाषा विकलांगता**" का अर्थ है जैविक या तंत्रिका संबंधी कारणों से भाषण और भाषा के एक या अधिक घटकों को प्रभावित करने वाली लेरिंजेक्टॉमी या वाचाघात जैसी स्थितियों से उत्पन्न होने वाली स्थायी विकलांगता।

डी. बौद्धिक विकलांगता :

एक ऐसी स्थिति जो बौद्धिक कार्यप्रणाली (तर्क, सीखना, समस्या समाधान) और अनुकूली व्यवहार दोनों में महत्वपूर्ण सीमा की विशेषता रखती है, जिसमें हर दिन, सामाजिक और व्यावहारिक कौशल की एक श्रृंखला शामिल है, जिसमें शामिल हैं-
11. "**विशिष्ट सीखने की अक्षमता**" का अर्थ स्थितियों का एक विषम समूह है जिसमें बोली जाने वाली या लिखित भाषा को संसाधित करने में कमी होती है, जो समझने, बोलने, पढ़ने, लिखने, वर्तनी, या गणितीय गणना करने में कठिनाई के रूप में प्रकट हो सकती है और अवधारणात्मक विकलांगता, डिस्लेक्सिया, डिस्ग्राफिया, डिस्केल्कुलिया, डिस्प्रेक्सिया और विकासात्मक वाचाघात जैसी स्थितियाँ शामिल हैं।
12. "**ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर**" का अर्थ है एक न्यूरो-विकासात्मक स्थिति जो आमतौर पर जीवन के पहले तीन वर्षों में दिखाई देती है जो किसी व्यक्ति की संवाद करने, रिश्तों को समझने और

दूसरों से संबंधित होने की क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है, और अक्सर असामान्य या रूढ़िवादी अनुष्ठानों या व्यवहारों से जुड़ी होती है।

ई. मानसिक व्यवहार :

"मानसिक बीमारी" का अर्थ सोच, मनोदशा, धारणा, अभिविन्यास या स्मृति का एक बड़ा विकार है जो निर्णय, व्यवहार, वास्तविकता को पहचानने की क्षमता या जीवन की सामान्य मांगों को पूरा करने की क्षमता को गंभीर रूप से क्षीण करता है, लेकिन इसमें मंदता शामिल नहीं है। किसी व्यक्ति के दिमाग का अधूरा विकास, विशेष रूप से बुद्धि की असामान्यता की विशेषता।

एफ. क्रोनिक न्यूरोलॉजिकल स्थितियों के कारण होने वाली विकलांगता, जैसे –

13. "**मल्टीपल स्केलेरोसिस**" का अर्थ एक सूजन, तंत्रिका तंत्र की बीमारी है जिसमें मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी की तंत्रिका कोशिकाओं के अक्षतंतु के चारों ओर माइलिन आवरण क्षतिग्रस्त हो जाते हैं, जिससे माइलिनेशन हो जाता है और मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी में तंत्रिका कोशिकाओं की क्षमता प्रभावित होती है।
14. "**पार्किंसंस रोग**" का अर्थ तंत्रिका तंत्र की एक प्रगतिशील बीमारी है जो कंपकंपी, मांसपेशियों की कठोरता और धीमी, अनिश्चित गति से चिह्नित होती है, जो मुख्य रूप से मध्यम आयु वर्ग और बुजुर्ग लोगों को प्रभावित करती है जो मस्तिष्क के बेसल गैन्लिया के अध: पतन और न्यूरोट्रांसमीटर डोपामाइन कमी से जुड़ी होती है।

जी. रक्त विकार –
15. "**हीमोफीलिया**" का अर्थ एक वंशानुगत बीमारी है, जो आमतौर पर केवल पुरुषों को प्रभावित करती है, लेकिन महिलाओं द्वारा उनके पुरुष बच्चों को प्रेषित होती है, जिसमें रक्त की सामान्य थक्के जमने की क्षमता की हानि या हानि होती है, जिससे कि मामूली घाव के कारण घातक रक्तस्राव हो सकता है।
16. "**थैलेसीमिया**" का अर्थ वंशानुगत विकारों का एक समूह है जिसमें हीमोग्लोबिन की मात्रा कम या अनुपस्थित होती है।
17. "**सिकल सेल रोग**" का अर्थ है एक हेमोलिटिक विकार जो क्रोनिक एनीमिया, दर्दनाक घटनाओं और संबंधित ऊतक और अंग क्षति के कारण विभिन्न जटिलताओं से होता है; "हेमोलिटिक" लाल रक्त कोशिकाओं की कोशिका झिल्ली के विनाश को संदर्भित करता है जिसके परिणामस्वरूप हीमोग्लोबिन निकलता है।

एच. एकाधिक विकलांगताएं (उपर्युक्त निर्दिष्ट विकलांगताओं में से एक से अधिक) :

बधिर अंधापन सहित बहु-विकलांगताएं, जिसका अर्थ है एक ऐसी स्थिति जिसमें किसी व्यक्ति में सुनने और देखने की अक्षमताओं का संयोजन हो सकता है, जिससे गंभीर संचार, विकासात्मक और शैक्षणिक समस्याएं हो सकती हैं।

कोई अन्य श्रेणी जिसे केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित किया जा सकता है।

बेंचमार्क विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूबीडी) के संबंध में फीस में रियायत/माफी

अ विश्वविद्यालय के संकायों, विभागों, केंद्रों और संस्थानों/कॉलेजों में अध्ययन के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने वाले शारीरिक विकलांग उम्मीदवारों को प्रवेश शुल्क, दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए सदस्यता को छोड़कर, परीक्षा शुल्क और अन्य विश्वविद्यालय शुल्क सहित शुल्क के भुगतान से छूट दी जाएगी। संघ और पहचान पत्र शुल्क (विश्वविद्यालय के अध्यादेश X(4) में संशोधन के अनुसार)।

ब PwBD उम्मीदवार जो अनारक्षित श्रेणी के लिए कट-ऑफ को पूरा करते हैं और अनारक्षित श्रेणी (UR) में प्रवेश लेंगे, उन्हें PwBD उम्मीदवार के लिए प्रासंगिक शुल्क का भुगतान करना होगा।

स कार्यकारी परिषद के संकल्प संख्या 50 दिनांक 03.11.2012 के अनुसार, विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्रावासों/हॉलों में रहने वाले शारीरिक विकलांग छात्रों को वापसी योग्य सावधानी शुल्क और मेस शुल्क को छोड़कर सभी छात्रावास शुल्क और शुल्क के भुगतान से छूट दी गई है। शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति जो छात्र हैं, उन्हें मेस शुल्क का 50% भुगतान करना होगा और उनके मेस शुल्क का शेष 50% दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वहन किया जाएगा। कॉलेजों के विभिन्न छात्रावासों में रहने वाले PwBD छात्रों के संबंध में कॉलेजों द्वारा समान मानदंड अपनाए जाने हैं।

ड PwBD छात्र जो फ़ेलोशिप/वित्तीय सहायता प्राप्त कर रहे हैं, उन्हें निम्नलिखित शर्तों के अधीन फीस/शुल्क/मेस शुल्क के भुगतान से छूट दी जाएगी।

फैलोशिप का मूल्य	फीस माफी आदि से छूट।
रुपये तक. 3000/- प्रति माह	फीस माफी + 50% मेस सब्सिडी
रु. 3001/- से रु. 8000/- प्रति माह	फीस माफ़ लेकिन मेस सब्सिडी नहीं
रु. 8001/- और अधिक प्रति माह	कोई फीस माफी नहीं और कोई हॉस्टल सब्सिडी नहीं

उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित करना होगा कि PwBD प्रमाणपत्र उम्मीदवार के नाम पर है और किसी मान्यता प्राप्त सरकारी अस्पताल द्वारा जारी किया गया है, जिसमें उम्मीदवार की विधिवत सत्यापित तस्वीरें हैं।

सशस्त्र बलों (सीडब्ल्यू) के कार्मिकों के बच्चों/विधवाओं के लिए आरक्षण

सभी कॉलेजों में कार्यक्रम-वार, इस श्रेणी के तहत उम्मीदवारों के लिए पांच प्रतिशत (5%) सीटें आरक्षित हैं।

विश्वविद्यालय के सीडब्ल्यू कोटा के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - 2023 2022 में उपस्थित होना होगा।

ऐसे सभी उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी प्राधिकारी द्वारा जारी शैक्षिक रियायत प्रमाण पत्र उचित लेटरहेड पर अपलोड करना होगा:

सचिव, केन्द्रीय सैनिक बोर्ड, दिल्ली।
सचिव, राज्य जिला सैनिक बोर्ड।
प्रभारी अधिकारी, अभिलेखा कार्यालय।
प्रथम श्रेणी वजीफा मजिस्ट्रेट।
गृह मंत्रालय (वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वाले पुलिस कर्मियों के लिए)

किसी अन्य प्रारूप की अनुमति नहीं होगी। सही प्रारूप में प्रमाण पत्र के बदले माता-पिता या आश्रित के आईडी कार्ड, मेडिकल कार्ड, राशन कार्ड, सीएसडी कार्ड आदि के रूप में सीडब्ल्यू श्रेणी के प्रमाण स्वीकार्य नहीं हैं। प्रमाण पत्र में प्राथमिकता का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए। जिन प्रमाणपत्रों में प्रासंगिक प्राथमिकता का उल्लेख नहीं है, उन पर विचार नहीं किया जाएगा।

अर्ध-सैन्य अकादमी (प्राथमिकता I से V) सहित सशस्त्र सेनाओं (प्राथमिकता I से IX) के अनुयायियों के बच्चों/विधवाओं को निम्नलिखित में क्रमिक रूप से प्रवेश की अनुमति दी जा सकती है:

प्राथमिकता I मारे गए रक्षा कैथेड्रल की विधवाओं/अधिभोगियों के दौरान हुई कार्रवाई के तहत कार्रवाई;
प्राथमिकता II रक्षा कर्मियों के वे बच्चे जो कार्रवाई के दौरान विकलांग हो गए और सैन्य सेवा के कारण विकलांगता के कारण सेवा से बाहर कर दिए गए हैं।
प्राथमिकता III र क्षा कर्मियों की विधवाएं / संरचनात्मक मृत्यु शांति काल में सैन्य सेवा के कारण हुई हो;
सैन्य सेवा के कारण विकलांगता के कारण नीचे दिए गए हैं;
प्राथमिकता V पूर्व सैनिकों और सेवारत लोगों के बच्चे, जिनमें वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वाले पुलिस के कर्मचारी भी शामिल हैं;
1. परमवीर चक्र
2 अशोक चक्र
3. महावीर चक्र
4 कीर्ति चक्र
5 वीर चक्र
6 शौर्य चक्र
7 राष्ट्रपति पुलिस पदक के लिए वीरता
8 सेना पदक (वीरता), नौ सेना पदक (वीरता), वायु सेना पदक (वीरता)
9 प्रेषण में उल्लेखित
10 पुलिस पदक/अग्निशमन सेवाओं के लिए वीरता पदक/ वीरता पदक
प्राथमिकता VI भूतपूर्व सैनिकों के वार्ड।
प्राथमिकता VII भूतपूर्व सैनिकों की पत्नियाँ:
1 रक्षा मंत्रालय की कार्रवाई में अक्षम हो गए और सेवा से बाहर हो गए।
II रक्षा सैन्य सेवा के दौरान विकलांगता का कारण सामने आया और सैन्य सेवा के दौरान विकलांगता का कारण सामने आया
III भूतपूर्व सैनिक और सेवारत कर्मचारी जो वीरता पुरस्कार प्राप्त कर रहे हैं।

प्राथमिकता VIII सेवारत कार्मिकों के वार्ड
प्राथमिकता IX से वारत कार्मिकों की पत्नियाँ

*विश्वविद्यालय ईसीसी के साथ-साथ सहायक दस्तावेज भी मांग सकते हैं।

कश्मीरी प्रवासियों का आरक्षण (किमी)

कश्मीरी प्रवासियों के बच्चों के लिए सभी कॉलेजों में कार्यक्रम-वार 5% तक सीटें आरक्षित हैं। कश्मीरी प्रवासियों के सभी वार्डों को संभागीय आयुक्त/राहत आयुक्त द्वारा जारी कश्मीरी प्रवासियों के रूप में पंजीकरण का प्रमाण पत्र अपलोड करना होगा।
कश्मीरी प्रवासी कोटा के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को CUET(UG)-2023 में उपस्थित होना होगा।

जम्मू-कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधान मंत्री की विशेष छात्रवृत्ति योजना

जम्मू-कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधान मंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को CUET(UG)-2023 में उपस्थित होना होगा।

सिक्किम के छात्रों के लिए सीटों का नामांकन

सिक्किम नामांकन योजना के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को CUET(UG)-2023 में उपस्थित होना होगा।

सरकार द्वारा नामांकित सिक्किम के छात्र। सिक्किम के उन कॉलेजों में प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय द्वारा विचार किया जाएगा जहां छात्रावास सुविधाएं उपलब्ध हैं (एसी संकल्प 51 दिनांक 05/06/1980 और 122 दिनांक 17/12/1990)। संबंधित कॉलेजों में प्रवेश के साथ-साथ छात्रावास आवास के लिए सिक्किम के छात्रों का आवंटन कुलपति द्वारा अपने विवेक से किया जाएगा।

इन नामांकित सीटों की संख्या नीचे दी गई है:

पाठ्यक्रम	सीटें
बी ए प्रो	**3**
बी ए विशेष	**1**
बी कॉम .प्रो	**4**
बी कॉम .आनर्स	**2**
बीएससी भौतिक विज्ञान/अनुप्रयुक्त भौतिक विज्ञान	**2**

बीएससी जीवन विज्ञान/अनुप्रयुक्त जीवन विज्ञान	**2**
कुल	**14**

दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का वार्ड कोटा

दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के वार्ड कोटा के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को CUET(UG)-2023 में उपस्थित होना होगा।

विश्वविद्यालय और उसके कॉलेज के कर्मचारियों, शिक्षण और गैर-शिक्षण दोनों के बच्चों को प्रवेश अकादमिक परिषद के संकल्प 9ए और बी दिनांक 27.11.2020 और उसके बाद के संशोधनों के अनुसार दिया जाएगा।

पंजीकरण के समय उम्मीदवारों के पास उचित अधिकारियों द्वारा जारी वैध रोजगार प्रमाणपत्र होना चाहिए। केवल पंजीकरण के समय अपलोड किए गए रोजगार प्रमाणपत्र पर ही विचार किया जाएगा। आई-कार्ड, आधार कार्ड और/या कोई अन्य दस्तावेज़ स्वीकार नहीं किया जाएगा।

अनाथ कोटा

अनाथों के लिए सुपरन्यूमेरी कोटा के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को CUET(UG)-2023 में उपस्थित होना होगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर अध्ययन के प्रत्येक कार्यक्रम में दो उम्मीदवारों (एक पुरुष और एक महिला) को प्रवेश देगा। ये दोनों सीटें सुपरन्यूमेररी होंगी. विश्वविद्यालय की परिषद ने आगे निर्णय लिया कि विश्वविद्यालय के कॉलेजों में ऐसे छात्रों के प्रवेश और अध्ययन जारी रखने के लिए किए गए व्यय को विश्वविद्यालय कल्याण निधि या कॉलेज छात्र कल्याण निधि से पूरा किया जाएगा, जैसा भी मामला हो, प्रवेश के लिए यूनिवर्सिटी या कॉलेज में.

पाठ्येतर गतिविधियाँ (ईसीए) और खेल कोटा

ईसीए और/या स्पोर्ट्स के लिए सुपरन्यूमेरी कोटा के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) –2023 में उपस्थित होना होगा।

ईसीए और स्पोर्ट्स सुपरन्यूमेरी सीटों पर प्रवेश के लिए सीयूईटी (यूजी) –2023 स्कोर को 25% और प्रमाणपत्र/परीक्षण/प्रदर्शन को 75% का वेटेज दिया जाएगा।

आगे का विवरण दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अलग से अधिसूचित किया जाएगा। कृपया नियमित रूप से विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखें।

पाठ्यक्रम के लिए कृपया वेबसाइट www.du.ac.in पर जाएं

अध्यादेश XV-बी: विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच अनुशासन संबंधित

1. अनुशासन और अनुशासनात्मक कार्रवाई से संबंधित सभी शक्तियां कुलपति में निहित हैं।

2. कुलपति सभी या ऐसी शक्तियां जो वह उचित समझे प्रॉक्टर को और ऐसे अन्य व्यक्तियों को सौंप सकता है जिन्हें वह इस संबंध में निर्दिष्ट कर सकता है।

3. अध्यादेश के तहत अनुशासन लागू करने की शक्ति की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना निम्नलिखित को घोर अनुशासनहीनता के कार्य माना जाएगा।

1. किसी भी संस्थान/विभाग के शिक्षण और गैर-शिक्षण स्टाफ के किसी भी सदस्य और दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी भी छात्र के खिलाफ शारीरिक हमला, या शारीरिक बल का उपयोग करने की धमकी।

2. किसी भी हथियार को ले जाना, उपयोग करना या उपयोग करने की धमकी देना

3. नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1976 के प्रावधानों का कोई भी उल्लंघन

4. अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों की स्थिति, गरिमा एवं सम्मान का हनन

5. कोई भी प्रथा-चाहे मौखिक हो या अन्यथा-महिलाओं का अपमान करने वाली हो

6. किसी भी प्रकार से रिश्वत देने या भ्रष्टाचार करने का प्रयास

7. संस्थागत संपत्ति का जानबूझकर विनाश

8. धार्मिक या सांप्रदायिक आधार पर द्वेष या असहिष्णुता पैदा करना

9. विश्वविद्यालय प्रणाली के शैक्षणिक कामकाज में किसी भी प्रकार से व्यवधान उत्पन्न करना;

10. अध्यादेश XV-सी के अनुसार रैगिंग का निषेध।

4. अनुशासन बनाए रखने से संबंधित अपनी शक्तियों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना और अनुशासन बनाए रखने के हित में ऐसी कार्रवाई करना जो उसे उचित लगे, कुलपति, अपनी उपरोक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ऐसा कर सकती है। आदेश या निर्देश दें कि कोई भी छात्र या छात्राएँ:

1 निष्कासित किया; जाए

2 एक निश्चित अवधि के लिए निष्कासित किया जाए; या

3 किसी निश्चित अवधि के लिए किसी कॉलेज में किसी कार्यक्रम या अध्ययन कार्यक्रम में प्रवेश नहीं लिया जाए,।

4 विश्वविद्यालय का विभाग या संस्थान; या

5 निर्दिष्ट रुपये की राशि का जुर्माना लगाया जाएगा; या

6 एक या अधिक वर्षों के लिए विश्वविद्यालय या कॉलेज या विभागीय परीक्षा या परीक्षाओं में भाग लेने से वंचित किया जाएगा; या संबंधित छात्र या छात्रा जिस परीक्षा या परीक्षा में शामिल हुए हैं उसका परिणाम रद्द कर दिया जाए।

5. संबंधित विभागों में संस्थान, हॉल और शिक्षण। वे अपने अधिकारों का प्रयोग अपने कॉलेजों, संस्थानों या विभागों में ऐसे शिक्षकों के माध्यम से कर सकते हैं या उन्हें अधिकार सौंप सकते हैं, जैसा कि वे इन उद्देश्यों के लिए निर्दिष्ट कर सकते हैं।

6. जैसा कि ऊपर कहा गया है, कुलपति और प्रॉक्टर की शक्तियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, अनुशासन और उचित आचरण के विस्तृत नियम बनाए जाएंगे। इन नियमों को, जहां आवश्यक हो, इस विश्वविद्यालय में कॉलेजों के प्राचार्यों, हॉलों के प्रमुखों, संकायों के डीन और शिक्षण विभागों के प्रमुखों द्वारा पूरक किया जा सकता है। प्रत्येक छात्र से अपेक्षा की जाएगी कि वह स्वयं इन नियमों की एक प्रति उपलब्ध कराए। प्रवेश के समय, प्रत्येक छात्र को एक घोषणा पर हस्ताक्षर करने की आवश्यकता होगी कि प्रवेश पर वह खुद को कुलपति और विश्वविद्यालय के कई अधिकारियों के अनुशासनात्मक क्षेत्राधिकार के अधीन प्रस्तुत करता है, जिनके पास अनुशासन का अभ्यास करने का अधिकार निहित हो सकता है। अधिनियमों, क़ानूनों, अध्यादेशों और नियमों के तहत जो विश्वविद्यालय द्वारा बनाए गए हैं।

अध्यादेश XV-सी: रैगिंग के लिए निषेध और सजा

1. कॉलेज/विभाग या संस्थान के परिसर और दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के किसी भी हिस्से के साथ-साथ सार्वजनिक परिवहन पर किसी भी रूप में रैगिंग सख्ती से प्रतिबंधित है।

2. रैगिंग का कोई भी व्यक्तिगत या सामूहिक कार्य या अभ्यास घोर अनुशासनहीनता है और इससे इस अध्यादेश के तहत निपटा जाएगा।

3. इस अध्यादेश के प्रयोजनों के लिए रैगिंग का मतलब सामान्यतः ऐसा कोई कार्य, आचरण या अभ्यास है जिसके द्वारा वरिष्ठ छात्रों की प्रमुख शक्ति या स्थिति को नए नामांकित छात्रों या उन छात्रों पर लागू किया जाता है जिन्हें किसी भी तरह से अन्य छात्रों द्वारा जूनियर या हीन माना जाता है; और इसमें व्यक्तिगत या सामूहिक कार्य या प्रथाएं शामिल हैं जो :

। इसमें शारीरिक हमला या शारीरिक बल प्रयोग की धमकी शामिल है।

2 महिला छात्रों की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन।

स. अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन करें।

ड. छात्रों को उपहास और अवमानना के लिए उजागर करें और उनके आत्मसम्मान को प्रभावित करें।

इ. इसमें मौखिक दुर्व्यवहार और आक्रामकता, अभद्र इशारे और अश्लील व्यवहार शामिल हैं।

4. किसी कॉलेज के प्राचार्य, विभाग या संस्थान के प्रमुख, कॉलेज या विश्वविद्यालय छात्रावास या निवास हॉल के अधिकारी रैगिंग की घटना की किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई करेंगे।

5. उपरोक्त खंड (4) में किसी भी बात के बावजूद, प्रॉक्टर रैगिंग की किसी भी घटना की स्वत: जांच कर सकता है और रैगिंग में शामिल लोगों की पहचान और घटना की प्रकृति के बारे में कुलपति को रिपोर्ट कर सकता है।

6. प्रॉक्टर रैगिंग के अपराधियों की पहचान और रैगिंग घटना की प्रकृति स्थापित करने वाली एक प्रारंभिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत कर सकता है।

7. यदि किसी कॉलेज के प्राचार्य या विभागाध्यक्ष या संस्थान के प्रमुख या प्रॉक्टर इस बात से संतुष्ट हैं कि किसी कारण से, लिखित रूप में दर्ज किए जाने पर, ऐसी जांच करना उचित रूप से व्यावहारिक नहीं है, तो वह तदनुसार कुलपति को सलाह दे सकती हैं। .

8. जब कुलपति संतुष्ट हो जाए कि ऐसी जांच कराना समीचीन नहीं है, तो उसका निर्णय अंतिम होगा।

9. खंड (5) या (6) के तहत एक रिपोर्ट की प्राप्ति पर या खंड (7) के तहत संबंधित प्राधिकारी द्वारा खंड 3 (ए), (बी) और (सी) में वर्णित रैगिंग की घटनाओं का खुलासा करने वाले निर्धारण पर , कुलपति किसी छात्र या छात्रा को कुछ वर्षों के लिए निष्कासित करने का निर्देश या आदेश देगा।

10. कुलपति रैगिंग के अन्य मामलों में आदेश या निर्देश दे सकते हैं कि किसी भी छात्र या छात्रा को निष्कासित कर दिया जाए या एक निश्चित अवधि के लिए कॉलेज में अध्ययन के कार्यक्रम में प्रवेश न दिया जाए, एक या अधिक वर्षों के लिए विभागीय परीक्षा दी जाए या संबंधित छात्र या छात्राएं जिस परीक्षा या परीक्षा में शामिल हुए थे, उसका परिणाम रद्द कर दिया जाए।

11. यदि दिल्ली विश्वविद्यालय से डिग्री या डिप्लोमा प्राप्त करने वाला कोई भी छात्र दोषी पाया जाता है; इस अध्यादेश के तहत विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई डिग्री या डिप्लोमा को वापस लेने पर परिनियम 15 के तहत उचित कार्रवाई की जाएगी।

12. इस अध्यादेश के प्रयोजन के लिए, रैगिंग के लिए उकसाना, चाहे वह संबंधित कोई कार्य, **या** अभ्यास हो, भी रैगिंग की श्रेणी में आएगा।

13. दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के भीतर सभी संस्थान इस अध्यादेश के तहत जारी निर्देशों/निर्देशों को पूरा करने और अध्यादेश के प्रभावी कार्यान्वयन को प्राप्त करने के लिए कुलपति को सहायता देने के लिए बाध्य होंगे।

अध्यादेश XV-D: कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण)

अधिनियम 2013, (कानून और न्याय मंत्रालय)

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करने और यौन उत्पीड़न की शिकायतों की रोकथाम और निवारण और उससे जुड़े प्रासंगिक मामलों के लिए एक अधिनियम।

यौन उत्पीड़न के परिणामस्वरूप भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 के तहत एक महिला के समानता के मौलिक अधिकारों और संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उसके जीवन के अधिकार और सम्मान के साथ जीने के अधिकार और किसी भी पेशे का अभ्यास करने या धारण करने के अधिकार का उल्लंघन होता है। किसी भी व्यवसाय, व्यापार या व्यवसाय पर जिसमें यौन उत्पीड़न से मुक्त सुरक्षित वातावरण का अधिकार शामिल है;

और जबकि यौन उत्पीड़न के खिलाफ सुरक्षा और सम्मान के साथ काम करने का अधिकार अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और महिलाओं के खिलाफ सभी प्रकार के भेदभाव के उन्मूलन पर कन्वेंशन जैसे उपकरणों द्वारा सार्वभौमिक रूप से मान्यता प्राप्त मानवाधिकार हैं, जिसे भारत सरकार ने 25 जून, 1993 को अनुमोदित किया गया है। कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के खिलाफ महिलाओं की सुरक्षा के लिए उक्त कन्वेंशन को प्रभावी बनाने के लिए प्रावधान करना समीचीन है।

विवरण के लिए, कृपया वेबसाइट http://www.shebox.nic.in/ assets/site/main/images/Sexual-Harassment-at-Workplace-Act.pdf देखें।

****

यूजी पाठ्यक्रमों के लिए शुल्क की अनुसूची

प्रवेश के समय देय यू जी छात्रों के प्रति वर्ष (पूरे शैक्षणिक सत्र 2023-2024 के लिए) शुल्क और शुल्क की अनुसूची निम्नलिखित है:

यूजी (प्रथम वर्ष) के लिए विस्तृत शुल्क संरचना: 2023-2024

मुख्य	राशि	कुल राशि
कॉलेज ट्यूशन फीस	180	
कॉलेज छात्र कल्याण निधि	2800	
कॉलेज विकास निधि	5900	
कॉलेज सुविधाएं एवं सेवा शुल्क	2500	
कॉलेज कॉशन मनी*	2000	
कुल अ :		**13380**
विश्वविद्यालय छात्र कल्याण निधि	200	
विश्वविद्यालय विकास निधि	1000	
विश्वविद्यालय सुविधाएं एवं सेवा शुल्क	1000	
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग सहायता	150	
दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (DUSU) फंड	20	
कुल राशि ब :		**2370**
कुल राशि (अ +ब) :		**15750**

*कॉलेज कॉशन मनी कॉलेज छोड़ने की तारीख से एक वर्ष के भीतर वापस कर दी जाएगी (केवल मूलधन राशि), अन्यथा इसे जब्त कर लिया जाएगा।

कॉलेज कॉशन मनी की वापसी के लिए आवेदन पत्र कॉलेज के लेखा विभाग से प्राप्त किया जा सकता है।

विस्तृत शुल्क संरचना - यूजी (प्रथम वर्ष) : 2023-2024 (केवल विकलांग छात्रों के लिए)

शीर्षक	राशि	कुल राशि
कॉलेज ट्यूशन फीस	20	
कुल राशि :		**20**

पीजी पाठ्यक्रमों के लिए शुल्क की अनुसूची

प्रवेश के समय देय पीजी छात्रों की प्रति वर्ष (पूरे शैक्षणिक सत्र 2023-2024 के लिए) फीस और शुल्क की अनुसूची निम्नलिखित है:

पीजी पाठ्यक्रमों के लिए विस्तृत शुल्क संरचना (पिछले वर्ष): 2023-2024

शीर्षक	**Amount**	**Total Amt.**
कॉलेज ट्यूशन फीस	216	
कॉलेज छात्र कल्याण निधि	3300	
कॉलेज विकास निधि	6364	
कॉलेज सुविधाएं एवं सेवा शुल्क	2500	
कॉलेज कॉशन मनी*	1000	
कुल राशि (अ):		**13380**
विश्वविद्यालय छात्र कल्याण निधि	200	
विश्वविद्यालय विकास निधि	1000	
विश्वविद्यालय सुविधाएं एवं सेवा शुल्क	1000	
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग सहायता	150	
दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (DUSU) फंड	20	
कुल राशि (ब):		**2370**
कुल राशि (अ +ब):		**15750**

*कॉलेज कॉशन मनी कॉलेज छोड़ने की तारीख से एक वर्ष के भीतर वापस कर दी जाएगी (केवल मूलधन राशि), अन्यथा इसे जब्त कर लिया जाएगा।

कॉलेज कॉशन मनी की वापसी के लिए आवेदन पत्र कॉलेज के लेखा विभाग से प्राप्त किया जा सकता है।

विस्तृत शुल्क संरचना - यूजी (प्रथम वर्ष) : 2023-2024 (केवल विकलांग छात्रों के लिए)

शीर्षक	राशि	कुल राशि
कॉलेज ट्यूशन फीस	20	
कुल राशि :		**20**

अनुबंध

अनुलग्नक- I

छात्र द्वारा वचनबद्धता (सभी नियमों का पालन करने के लिए)

मैं, सुश्री/श्रीमती, श्रीमती---------- (माँ) ----------और श्री पिता---------) की बेटी हूँ और---------- निवासी हूं। मैँ वचन देती हूँ कि विवेकानन्द कॉलेज, विवेक विहार, दिल्ली-110095 में प्रवेश पाने पर विश्वविद्यालय और कॉलेज द्वारा निर्धारित सभी नियमों और विनियमों का पालन करूंगी ।

(छात्रा के हस्ताक्षर)

छात्रा का नाम:

कक्षा:

अनुक्रमांक:

माता-पिता/अभिभावक का नाम

माता–पिता/अभिभावक के हस्ताक्षर

अनुबंध द्वितीय

छात्र द्वारा उपक्रम (रैगिंग विरोध के लिए)

1. मैं, ----------
(प्रवेश/पंजीकरण/नामांकन सहित छात्र का पूरा नाम

संख्या), पुत्र /पुत्री श्री/श्रीमती/सुश्री----------को ----------
--------- (यदि संस्थान है तो नाम), में भर्ती कराया गया है।

उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग के खतरे को रोकने के लिए यूजीसी विनियम 2009 की एक प्रति प्राप्त हुई है, (इसके बाद इसे "विनियम" कहा जाएगा) ने उक्त विनियमों में निहित प्रावधानों को ध्यान से पढ़ा और पूरी तरह से समझा है।

2. मैंने, विशेष रूप से, विनियमों के खंड 3 का भी अध्ययन किया है और मुझे पता है कि रैगिंग क्या होती है।

3. मैंने, विशेष रूप से, विनियमों के खंड 7 और खंड 9.1 का भी अध्ययन किया है और मुझे पूरी तरह से पता है कि यदि मैं सक्रिय या निष्क्रिय रूप से रैगिंग का दोषी पाया जाता हूँ या इसके लिए उकसाता हूँ या रैगिंग को बढ़ावा देने की साजिश का हिस्सा बन रहा हूँ तो मेरे खिलाफ दंडात्मक और प्रशासनिक कार्रवाई की जा सकती है।

4. मैं एतद्द्वारा सत्यनिष्ठा से कहता हूं और वचन देता हूँ कि:-

I मैं ऐसे किसी भी व्यवहार या कार्य में शामिल नहीं रहूँगा जिसे विनियमों के खंड 3 के तहत रैगिंग के रूप में माना जा सकता है।

2 मैं विनियमों के खंड 3 के तहत रैगिंग के रूप में गठित किसी भी कमीशन या चूक के कार्य में भाग नहीं लूंगा या बढ़ावा नहीं दूंगा या प्रचार नहीं करूंगा।

5. मैं एतद्द्वारा पुष्टि करता हूँ कि, यदि रैगिंग का दोषी पाया जाता हूँ , तो मैं विनियमों के खंड 9.1 के अनुसार दंड के लिए उत्तरदायी हूँ , किसी भी अन्य आपराधिक कार्रवाई पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, जो किसी भी दंडात्मक कानून या किसी भी समय के कानून के तहत मेरे खिलाफ की जा सकती है।

6. मैं एतद्द्वारा घोषणा करता हूँ कि मुझे रैगिंग का दोषी पाए जाने, उकसाने या इसे बढ़ावा देने की साजिश का हिस्सा होने के कारण देश के किसी भी संस्थान में प्रवेश से निष्कासित या प्रतिबंधित नहीं किया गया है: और आगे पुष्टि करता हूँ मुझे यह ज्ञात है कि यह घोषणा असत्य पाए जाने पर, मेरा प्रवेश रद्द किया जा सकता है।

वर्ष के ----------महीने का यह---------- दिन घोषित किया गया।

नाम :

अभिसाक्षी के हस्ताक्षर

सत्यापन

सत्यापित किया गया है कि इस उपक्रम की सामग्री मेरी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार सत्य है और उपक्रम का कोई भी हिस्सा गलत नहीं है और इसमें कुछ भी छिपाया या गलत नहीं बताया गया है।

(वर्ष) के---------- इस (दिन) ---------- पर (स्थान) ---------- पर सत्यापित किया गया।

नाम :

अभिसाक्षी के हस्ताक्षर

अनुबंध-III

माता-पिता/अभिभावक द्वारा वचनबद्धता (अपने वार्ड द्वारा रैगिंग विरोधी के लिए). 1.श्रीमान/श्रीमती/सुश्री।---------- (पूरा नाम माता-पिता/अभिभावक)

----------(छात्र का पूरा नाम नामांकन संख्या के साथ) के पिता/माता/अभिभावक को ---------- ----------(संस्था का नाम) उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग के खतरे को रोकने के लिए यूजीसी विनियम 2009 की एक प्रति प्राप्त हुई है, (इसके बाद इसे कहा जाएगा) "विनियम") उक्त विनियमों में निहित प्रावधानों को ध्यान से पढ़ें और पूरी तरह से समझें।

2. मैंने, विशेष रूप से, विनियमों के खंड 3 का अध्ययन किया है और मुझे पता है कि रैगिंग क्या होती है।

3. मैंने, विशेष रूप से, विनियमों के खंड 7 और खंड 9.1 का भी अध्ययन किया है और मुझे पूरी तरह से पता है कि मेरे वार्ड के खिलाफ दंडात्मक और प्रशासनिक कार्रवाई की जा सकती है, यदि वह सक्रिय रूप से रैगिंग के लिए दोषी पाई जाती है या उसके लिए उकसाती है। निष्क्रिय रूप से, या रैगिंग को बढ़ावा देने की साजिश का हिस्सा बनना।

4. मैं एतद्द्वारा सत्यनिष्ठा से इसका समर्थन करता हूं और वचन देता हूँ।

अ मेरा बच्चा किसी भी ऐसे व्यवहार या कार्य में शामिल नहीं होगा जिसे विनियमों के खंड 3 के तहत रैगिंग के रूप में माना जा सकता है।

बी मेरा बच्चा विनियमों के खंड 3 के तहत रैगिंग के रूप में गठित किसी भी कमीशन या चूक के कार्य में भाग नहीं लेगा या बढ़ावा नहीं देगा या प्रचार नहीं करेगा।

5. मैं एतद्द्वारा पुष्टि करता हूं कि, यदि मेरा बच्चा रैगिंग का दोषी पाया जाता है, तो वह विनियमों के खंड 9.1 के अनुसार दंड का भागी होगा, बिना किसी अन्य आपराधिक कार्रवाई पर प्रतिकूल प्रभाव डाले, जो किसी भी दंडात्मक कानून या किसी भी कानून के तहत मेरे बच्चे के खिलाफ किया जा सकता है। समय प्रभावी है।

6. मैं एतद्द्वारा घोषणा करता हूँ कि मेरे बच्चे को रैगिंग का दोषी पाए जाने, उकसाने या उसे बढ़ावा देने की साजिश का हिस्सा होने के कारण देश के किसी भी संस्थान में प्रवेश से निष्कासित या वंचित नहीं किया गया है: और आगे पुष्टि करता हूँ कि, यदि घोषणा असत्य पाई गई तो मेरे बच्चे का प्रवेश रद्द किया जा सकता है।

नाम: ----------

पता: ----------

दूरभाष नं. : ----------

अभिसाक्षी के हस्ताक्षर

अनुबंध चतुर्थ

उपक्रम (खेल प्रवेश के लिए)

मैं, सुश्री/श्रीमती---------- श्रीमान---------- की बेटी,----------

का निवासी को विवेकानन्द कॉलेज, विवेक विहार, दिल्ली-110095 में प्रवेश कराया गया है ।

पहले के प्रस्तुत प्रशंसापत्र और आयोजित परीक्षणों के आधार पर कॉलेज में खेल कोटा के माध्यम से मुझे प्रवेश दिया गया है।

यह प्रवेश पूरी तरह से कॉलेज में पेश किए जाने वाले विभिन्न खेलों में मेरी भागीदारी और स्नातक कार्यक्रमों के दौरान सभी वर्षों के लिए कॉलेज अधिकारियों द्वारा आवश्यक होने पर निर्भर है।

मुझे स्नातक कार्यक्रमों के दौरान सभी वर्षों के लिए कॉलेज प्राधिकारियों द्वारा बुलाए गए दैनिक अभ्यास सत्रों के लिए खुद को उपलब्ध रखना होगा।

मैं महिला खिलाड़ियों के लिए कॉलेज प्राधिकारियों द्वारा तय और लागू किए गए नियमों और विनियमों का पालन करूंगी। मैं वचन देता हूं कि "मैं स्नातक कार्यक्रमों के दौरान सभी वर्ष कॉलेज और विश्वविद्यालय के लिए खेलूंगा" और मुझे किसी भी कार्रवाई पर कोई आपत्ति नहीं होगी, चाहे वह मौद्रिक या अनुशासनात्मक हो, जैसा कि कॉलेज प्रशासन द्वारा तय किया गया हो और मेरे गैर-अनुपालन की स्थिति में मुझ पर लगाया गया हो। -शर्तों का अनुपालन, जिसके कारण किसी भी समय मेरा प्रवेश रद्द भी किया जा सकता है।

(छात्र के हस्ताक्षर)

छात्र का नाम

कक्षा :

अनुक्रमांक।

माता-पिता/अभिभावक का नाम /(माता-पिता/अभिभावक के हस्ताक्षर)

अनुलग्नक- V

उपक्रम (ईसीए प्रवेश के लिए)

मैं, सुश्री/श्रीमती----------श्रीमान---------- की बेटी,----------

का निवासी को विवेकानन्द कॉलेज, विवेक विहार, दिल्ली-110095 में भर्ती कराया गया है ।

यह प्रवेश पूरी तरह से कॉलेज में पाठ्येतर गतिविधियों में मेरी भागीदारी और स्नातक कार्यक्रमों के दौरान सभी वर्षों के लिए कॉलेज अधिकारियों द्वारा अपेक्षा के अधीन है।

मैं कॉलेज में अपनी पढ़ाई के दौरान सभी वर्षों के लिए कॉलेज अधिकारियों द्वारा बुलाए गए अभ्यास सत्रों के लिए खुद को उपलब्ध रखूंगा।

मैं वचन देता हूं कि "मैं स्नातक कार्यक्रमों के दौरान सभी वर्षों में कॉलेज और विश्वविद्यालय के लिए पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लूंगा" और मुझे किसी भी कार्रवाई पर कोई आपत्ति नहीं होगी, चाहे वह मौद्रिक हो या अनुशासनात्मक हो, जैसा कि कॉलेज प्रशासन द्वारा तय किया गया हो और उस अवसर पर मुझ पर लगाया गया हो। मेरे द्वारा शर्तों का अनुपालन न करने पर, किसी भी समय मेरा प्रवेश रद्द भी किया जा सकता है।

(छात्र के हस्ताक्षर)

छात्र का नाम:

कक्षा:

अनुक्रमांक:

माता-पिता/अभिभावक का नाम /(माता-पिता/अभिभावक के हस्ताक्षर)

प्रवेश के लिए आवश्यक दस्तावेजों की चेकलिस्ट

उम्मीदवारों को कॉलेज प्रशासन में स्व-सत्यापित फोटोकॉपी के दो सेटों के साथ निम्नलिखित दस्तावेजों की मूल प्रति प्रस्तुत करनी होगी। शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने के समय कार्यालय:

1. कॉलेज के नाम के साथ प्रवेश के पंजीकरण फॉर्म का प्रिंट आउट (डीयू पोर्टल पर उपलब्ध)

2. CUET(UG)-2023 के स्कोर का परिणाम।

3. दसवीं कक्षा का प्रमाणपत्र (मार्कशीट या प्रमाणपत्र) जिसमें जन्मतिथि और माता-पिता का नाम लिखा हो* (एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस/पीडब्ल्यूबीडी/सीडब्ल्यू/केएम के तहत आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवारों के नाम उस पर दिखाई देने वाले नामों से मेल खाने चाहिए। संबंधित आरक्षण प्रमाणपत्र; इसी तरह, उनके माता-पिता के नाम प्रमाणपत्रों के दोनों सेटों में मेल खाने चाहिए)।

4. बारहवीं कक्षा की मार्कशीट।

5. सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस/पीडब्ल्यूबीडी/सीडब्ल्यू/केएम प्रमाणपत्र (उम्मीदवार के नाम पर)। (एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस/पीडब्ल्यूबीडी/सीडब्ल्यू/केएम के तहत आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवारों के नाम उनके संबंधित स्कूल बोर्ड योग्यता प्रमाणपत्रों पर दिखाई देने वाले नामों से मेल खाने चाहिए; इसी तरह, उनके माता-पिता के नाम प्रमाणपत्रों के दोनों सेटों में मेल खाने चाहिए) .

6. सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी ओबीसी (नॉन-क्रीमी लेयर) प्रमाणपत्र (उम्मीदवार के नाम पर), और जिसमें जाति http://ncbc.nic.in द्वारा जारी ओबीसी केंद्रीय सूची में है। (ओबीसी (नॉन-क्रीमी लेयर) के तहत आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवार का नाम उम्मीदवार के नाम से मेल खाना चाहिए जैसा कि उनके संबंधित स्कूल बोर्ड योग्यता प्रमाणपत्रों पर दिखाई देता है; इसी तरह, उनके माता-पिता के नाम प्रमाणपत्रों के दोनों सेटों में मेल खाने चाहिए)।

7. उम्मीदवार को प्रमाणित करने वाले सक्षम प्राधिकारी से ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र इस श्रेणी के तहत आरक्षण का दावा कर सकता है। (इस श्रेणी के तहत आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवारों के नाम उनके संबंधित स्कूल बोर्ड योग्यता प्रमाणपत्रों पर दिखाई देने वाले नामों से मेल खाने चाहिए; इसी तरह, उनके माता-पिता के नाम प्रमाणपत्रों के दोनों सेटों में मेल खाने चाहिए)।

8. तीन हालिया पासपोर्ट आकार की तस्वीरें

9. *छात्र द्वारा अंडरटेकिंग का प्रिंट आउट (सभी नियमों का पालन करने के लिए)

10. *छात्र द्वारा दिए गए अंडरटेकिंग का प्रिंट आउट (एंटी रैगिंग के लिए)

11. *माता-पिता/अभिभावक द्वारा (अपने वार्ड की रैगिंग रोधी हेतु) शपथ-पत्र का प्रिंट आउट

*ये वचनपत्र नीचे दी गई दो वेबसाइटों में से किसी से भी भरे/प्राप्त किए जा सकते हैं: http://www.antirlogging.in और http://www.amanmovement.org

ये दस्तावेज़ कॉलेज दोबारा खुलने के बाद कार्यालय की आवश्यकता के अनुसार हार्ड कॉपी में जमा किए जाने हैं।